ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

उन्हें राज्य की जनता से वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं: सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 03 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-93

उत्तराखंड के रुद्रपुर में पीएम मोदी ने चुनावी सभा को किया संबोधित

भाजपा का तीसरा कार्यकाल ऐतिहासिक निर्णयों वाला होगा

तीसरे कार्यकाल में मुफ्त बिजली का लक्ष्य

हर घर में सोलर बिजली प्लांट लगाने की योजना

सरकार की नीयत सही हो, तो नतीजे भी सही आते हैं

देश में आग लगाने की बात करने वालों को चुन-चुनकर साफ करें

रुद्रपुर, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के रुद्रपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार तीसरे टर्म में फ्री बिजली देने की योजना बना रही है। हर घर में सोलर बिजली प्लांट लगाने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का तीसरा कार्यकाल ऐतिहासिक निर्णयों वाला होने वाला है। उन्होंने कहा, सरकार की नीयत सही हो, तो नतीजे भी सही आते हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार मोदी सरकार को चुना, तो देश में आग लग जाएगी। 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, अब देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं। ऐसे लोगों को चुन-चुनकर साफ कर दो, ऐसे लोगों को मैदान में मत रहने दो भाइयों।

बताते चलें कि दिल्ली के रामलीला मैदान में 31 मार्च को विपक्षी गठबंधन की लोकतंत्र बचाओ महारैली हुई थी। इसमें राहुल गांधी ने कहा था- अगर भाजपा जीती और उन्होंने संविधान को बदला तो इस पूरे देश में आग लगने जा रही है, ये देश नहीं बचेगा। प्रधानमंत्री ने करीब 40 मिनट तक भाषण दिया। उन्होंने कहा, इमरजेंसी की मानसिकता वाली कांग्रेस का भरोसा अब लोकतंत्र पर नहीं बचा है, इसलिए अब वह जनादेश के खिलाफ लोगों को भड़काने में जुट गई है। कांग्रेस, भारत को अस्थिरता की तरफ ले जाना चाहती है, अराजकता में झोंकना चाहती हैं। कांग्रेस, तुष्टिकरण के दल-दल में ऐसा धंस गई है कि कभी देशहित का नहीं सोच सकती है।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने देश का ऐसा बंटवारा किया कि गुरु नानक जी की पवित्र धरती हमसे छिन गई। दशकों तक हमें अपने गुरु को दूरबीन से देखना पड़ा। अब जाकर बीजेपी सरकार ने करतारपुर राहदारी बनाकर, लोगों की जिंदगी आसान की है। यही कांग्रेस है जो घुसपैठियों को बढ़ावा देती है। लेकिन जब भाजपा सीएए के माध्यम से मां भारती में आस्था रखने वालों को भारत की नागरिकता देती है, तो कांग्रेस को सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। मोदी ने कहा- तमिलनाडु के पास एक कच्चातिव द्वीप है। वो द्वीप भारत का हिस्सा था, लेकिन कांग्रेस ने उसको श्रीलंका को दे दिया। कांग्रेस, जिसके नेता देश के टुकड़े करने की बात करते हों, जो कच्चातिव को दे देते हों, क्या ऐसी कांग्रेस देश की रक्षा कर सकती है? मैं कहता हूं- भ्रष्टाचार हटाओ। वो कहते हैं- भ्रष्टाचारी बचाओ। लेकिन, मोदी इनकी गालियों और धमकियों से डरने वाला नहीं है।

भाजपा मतलब विकास और समाधान, कांग्रेस का मतलब देश की हर बीमारी की जड़

जयपुर, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राजस्थान में भाजपा के चुनावी अभियान का श्रीगणेश किया। जयपुर के पास कोटपूतली में मोदी ने कहा कि यह पहला चुनाव है जब भ्रष्टाचारी मिलकर भ्रष्टाचार पर हो रही कार्रवाई रोकने के लिए रैली कर रहे हैं। कांग्रेस गठबंधन देश के लिए नहीं बल्कि अपने परिवार को बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी ने कहा कि आज देश में भाजपा का मतलब है, विकास और समाधान, लेकिन कांग्रेस का मतलब है- देश की हर बीमारी की जड़। आप देश की कोई बड़ी समस्या देखेंगे तो उसकी जड़ में कांग्रेस पार्टी ही नजर आएगी। सात दशकों तक देश में गरीबी रही, डिफेंस टेक्नोलॉजी में दूसरे देशों की तरफ देखना पड़ा, यह सब कांग्रेस की वजह है।

मोदी ने कहा- वो कहते हैं कि मेरा परिवार नहीं है, इसलिए मुझे भ्रष्टाचार की जरूरत नहीं है। उनका परिवार है तो क्या भ्रष्टाचार करने का लाइसेंस मिल जाता है? मोदी ने कहा कि बहुत कुछ हुआ होगा, लेकिन दस साल में जो हुआ, वो सिर्फ ट्रेलर है। भाजपा सरकार का तीसरा कार्यकाल ऐतिहासिक निर्णयों वाला होने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को डराकर रखा कि राम मंदिर का नाम लिया तो देश जल जाएगा, आग लग जाएगी। भव्य राम मंदिर बना। दीपक जले और कहीं आग भी नहीं लगी। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि मोदीजी अब बहुत हो गया,अब आराम करो, लेकिन मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ।

पीएम मोदी और राहुल गांधी में कोई तुलना नहीं

मोदी ने 23 साल से छुट्टी नहीं ली

कांग्रेस नेता गर्मियों में चले जाते हैं विदेश

बेंगलुरु, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच कोई तुलना नहीं है। मोदी ने 23 साल में एक दिन भी अपने काम से छुट्टी नहीं ली। राहुल गांधी गर्मियां आते ही विदेश चले जाते हैं। कांग्रेस पार्टी उन्हें 6 महीने ढूंढती रहती है। शाह बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड में आयोजित शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- मोदी ने 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में काम किया। अब तक उन पर 25 पैसे के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा। शाह ने कहा- दूसरी तरफ, भ्रष्टाचार का यह घमंडिया गठबंधन है। मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के 10 साल के शासन के दौरान 12 लाख करोड़ रुपए का घोटाला और भ्रष्टाचार हुआ।

अमित शाह ने आगे कहा- मैं देश के करीब 60 प्रतिशत राज्यों में गया हूं। हर जगह लोग मोदी-मोदी के नारे लगा रहे हैं। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि कर्नाटक में भाजपा-जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) सभी 28 लोकसभा सीटें जीतेंगी। हम राज्य में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलने देंगे। शाह ने कहा- पीएम मोदी ने इस बार सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के सामने 400 पार का लक्ष्य रखा है। 2014 के चुनाव में कर्नाटक की जनता ने 43 फीसदी वोट देकर हमें 17 सीटें दीं। 2019 में पार्टी ने 51 फीसदी वोट के साथ 25 सीटें जीतीं। इस बार लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से मेरी अपील है कि भाजपा गठबंधन को सभी 28 सीटों पर जीत दिलाएं। शाह ने कर्नाटक में सूखे की समस्या को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की। गृह मंत्री ने कहा- कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार विकास के लिए काम नहीं कर रही है। यहां मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार में से एक अपनी कुर्सी बचाने में व्यस्त है तो दूसरा कुर्सी छीनने में।

बीजापुर में सुरक्षाकर्मियों से मुठभेड़, 10 नक्सली ढेर

मरने वालों में एक महिला नक्सली भी

बीजापुर, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में जवानों ने मंगलवार को मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया। इनमें एक महिला नक्सली भी है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ में नक्सली कमांडर पापाराव के मारे जाने की खबर है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सुबह छह बजे से रुक-रुक कर फायरिंग जारी है। जवानों को नक्सलियों के पास से एके-47, एलएमजी जैसे ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि कोरचोली और लेंड्रा के जंगल में भारी संख्या में गंगालूर एरिया कमेटी के नक्सली मौजूद हैं। इस पर बीजापुर से डीआरजी, सीआरपीएफ, कोबरा, बस्तर फाइटर्स, बस्तरिया बटालियन और सीएएफ के जवानों को सोमवार रात संयुक्त ऑपरेशन पर रवाना किया गया था।

दिल्ली शराब नीति केस में आपा सांसद संजय सिंह को जमानत

सुप्रीम कोर्ट की हिदायत- दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े किसी भी मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में आरोपी आम आदमी पार्टी (आपा) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को मंगलवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने श्री सिंह की जमानत अर्जी मंजूर की। श्री सिंह ने दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिलने पर शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा, हम संजय सिंह को जमानत दे रहे हैं। मुकदमे के लंबित रहने के दौरान उन्हें रिहा किया जाएगा। वह अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं। न्यायालय ने हालांकि श्री सिंह को सावधान करते हुए कहा कि वह अपनी भूमिका या दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़ी किसी भी मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

शीर्ष अदालत के समक्ष प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का पक्ष रखने वाले अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल वी एस राजू ने अपना (केंद्रीय जांच एजेंसी का) रुख नरम करते हुए कहा कि आप नेता श्री सिंह को जमानत दी जाती है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, बयान (ईडी के) के मद्देनजर हम वर्तमान अपील (जमानत याचिका) को स्वीकार करते हैं और निर्देश देते हैं कि संजय सिंह को ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों पर मुकदमे के लंबित रहने के दौरान जमानत पर रिहा किया जाए। पीठ ने आपा नेता की अपील स्वीकार करते हुए यह भी कहा, छह महीने से वह (संजय सिंह) हिरासत में है, लेकिन कुछ भी बरामद नहीं हुआ है। कोई पैसा बरामद नहीं हुआ है। पैसों का नामोनिशान नहीं है। इसके बाद अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री राजू ने पैसे के निशान न होने की बात की व्याख्या करने की कोशिश की। इस पर पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय इस स्तर पर उस प्रश्न पर विचार नहीं कर रहा है, लेकिन मामले का तथ्य यह है कि पैसा बरामद नहीं किया गया है।

सुनवाई के दौरान ईडी ने यह भी दावा किया कि श्री सिंह के सहयोगियों, विवेक त्यागी, अजीत त्यागी और सर्वेश मिश्रा के मुख्य आरोपी दिनेश अरोड़ा के साथ (इस मामले में) घनिष्ठ संबंध थे। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया गया है कि श्री सिंह को कथित तौर पर दो मौकों पर दो करोड़ रुपये गलत तरीके से प्राप्त हुए थे। शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 20 अक्टूबर 2023 के फैसले के खिलाफ आपा नेता की याचिका पर 21 नवंबर 2023 को ईडी को नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने संजय सिंह की गिरफ्तारी के इस मामले में यह कहते हुए हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था कि इसके लिए कोई आधार नहीं है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था, यह अदालत इस स्तर पर किसी भी जरूरी दस्तावेज के अभाव में जांच एजेंसी की कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक मकसद होने का आरोप नहीं मानेगी और इसे प्रथम दृष्टया कोई सबूत नहीं होने का मामला नहीं मानती है। श्री सिंह को ईडी ने पिछले साल चार अक्टूबर को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। वह 13 अक्टूबर 2023 से न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।निचली अदालत ने 22 दिसंबर 2023 को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

आपा नेता पर आरोप है कि उन्होंने आबकारी शुल्क नीति (शराब नीति) 2021-2022 (जो बाद में रद्द कर दी गई थी) तैयार करने और लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि इस नीति का उद्देश्य कथित तौर पर कुछ शराब निर्माताओं, थोक शराब विक्रेताओं आदि को करोड़ों रुपए गैर कानूनी तरीके से लाभ पहुंचाना था। दूसरी ओर, श्री सिंह का आरोप है कि उनके खिलाफ ईडी की यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है।

कार्टून कॉर्नर

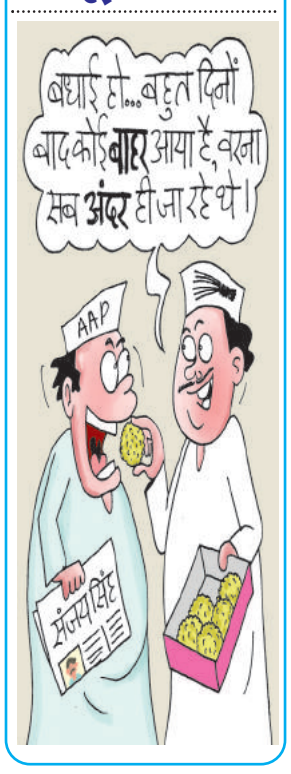

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,903.91
-110.64 -0.15% ↓
एनएसई :22,453.30
-8.70 (-0.04%) ↓

प्रशासन-सुरक्षा और खर्च की करेंगे निगरानी

चुनाव आयोग ने राज्यों में की विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को कई राज्यों के लिए विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। ये पर्यवेक्षक प्रशासन, सुरक्षा और खर्चे की निगरानी के लिए मकसद से तैनात किए जाएंगे। ताकि आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान समान अवसर सुनिश्चित किए जा सकें। आयोग ने कहा कि शानदार ट्रैक रिकॉर्ड वाले इन पूर्व लोक सेवकों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान सतर्कता के साथ देखरेख का काम सौंपा गया है। ये पर्यवेक्षक खासकर पैसा, ताकत और फर्जी सूचना से पैदा होने वाली चुनौतियों की निगरानी करेंगे। इसने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में आबादी सात करोड़ से ज्यादा है, वहां और आंध्र प्रदेश में भी विशेष पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी एक साथ कराए जाने हैं। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में विशेष व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। चुनाव आयोग चुनावी राज्यों में सामान्य व्यय पर्यवेक्षकों के अलावा विशेष पर्यवेक्षकों को तैनात कर रहा है।

चीन के साथ सैन्य टकराव पर बोले राजनाथ सिंह

सरहद पर पूरी मुस्तैदी के साथ खड़ी हैं सेना

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

बीते कुछ दिनों से चीन एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश को लेकर तमाम बयानबाजी कर रहा है। हद तो तब हो गई, जब चीन ने अरुणाचल के कुछ क्षेत्र को नए नाम दिए थे। हालांकि चीन ने इस हरकत पर विदेश मंत्री जयशंकर ने दो टूक शब्दों में कहा था कि नाम बदलने से कोई चीज उनकी नहीं हो जाती है। इस बीच, पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव जारी रहने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरहद पर भारतीय सेना पूरी मुस्तैदी के साथ खड़ी है। शांतिपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है। सेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने रक्षा और सुरक्षा को नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए सेना के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेना का अहम योगदान है। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की भी सराहना की और कहा कि उसके प्रयासों से पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर सड़क संचार में एक बड़ा सुधार आया है।

बुद्धिजीवियों से बातचीत के दौरान बोले एस जयशंकर

भारत को जरूर मिलेगी सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता

राजकोट, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता जरूर मिलेगी लेकिन इसके लिए एक बात का ध्यान रखना होगा। इसके लिए कड़ी मेहनत की जरूरत है। ये बातें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुजरात के राजकोट बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत के दौरान बताई। दरअसल इस दौरान दर्शकों ने विदेश मंत्री से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता को लेकर भारत की संभावनाओं के बारे में सवाल पूछा था।

विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का गठन लगभग 80 साल पहले हुआ, जब चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसकी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया में लगभग 50 स्वतंत्र देश थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 193 हो गई है, लेकिन अब भी पांच देशों ने परिषद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है। एस जयशंकर ने कहा कि अब दुनिया भर में यह मांग उठ रही है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव होना चाहिए और भारत को एक स्थायी सीट मिलनी चाहिए।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,170/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 78,685/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 37°
न्यूनतम : 25°

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमित शाह ने ईश्वरप्पा से की चर्चा

बातचीत के लिए आज बुलाया दिल्ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कर्नाटक में भाजपा के भीतर विद्रोह को संबोधित किया। शाह ने कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा से बात की, जिन्होंने राज्य में भाजपा के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया है और उन्हें नई दिल्ली में उनसे मिलने के लिए कहा है। शाह ने मांड्या से निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश से भी बात की और उन्हें एनडीए उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए मनाने में सफल रहे। सूत्रों ने पुष्टि की कि अमित शाह ने वरिष्ठ नेता ईश्वरप्पा से बात की, जिन्होंने शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के उम्मीदवार, बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई राघवेंद्र को चुनौती देने की कसम खाई है। शाह ने

ईश्वरप्पा की बात धैर्यपूर्वक सुनी और यहां तक कहा कि वह आदेश नहीं दे रहे हैं बल्कि उनसे पीछे हटने का अनुरोध कर रहे हैं। गृह मंत्री ने ईश्वरप्पा को बुधवार को नई दिल्ली में मिलने के लिए आमंत्रित किया है। सूत्रों ने बताया कि ईश्वरप्पा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और नई दिल्ली में शाह से मिलने और अपनी शिकायतों पर चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि सुमलता अंबरीश के साथ शाह की चर्चा सफल रही। सुमलता अंबरीश, जो मांड्या से मौजूदा सांसद हैं, भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन पार्टी ने सीट जद (एस) को दे दी है। सुमलता अंबरीश ने कहा था कि वह अपने समर्थकों के साथ बैठक के बाद फैसला लेंगी और निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला करेंगी। अमित शाह के आश्वासन के बाद, वह पूर्व सीएम और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए सहमत हो गईं। जद (एस) विधायक और कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवेगौड़ा ने कहा कि सुमलता अंबरीश जल्द ही कुमारस्वामी को समर्थन देने के सकारात्मक निर्णय की घोषणा करेंगी। इस बीच, ईश्वरप्पा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वह बुधवार को नई दिल्ली पहुंचेंगे क्योंकि उन्हें अमित शाह ने आमंत्रित किया है।

मेरा संघर्ष पारिवारिक राजनीति के खिलाफ है। परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा मिलने से भाजपा कार्यकर्ता आहत हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे शिवमोग्गा में भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ने से हटने का निर्देश दिया है। लेकिन, मैंने बता दिया है कि अगर कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष का पद किसी अन्य नेता को दिया जाता है तो मैं हटने को तैयार हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक परिवार के खिलाफ संघर्ष शुरू किया है। लेकिन, कर्नाटक में बीजेपी की कमान एक परिवार के हाथ में है। उसे बदलना होगा। मैं इस पर नई दिल्ली में चर्चा करूंगा। लेकिन, मैं शिवमोग्गा एमपी सीट से चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटूंगा। जब बीएस येदियुरप्पा से उनके घर जाने की योजना के बारे में पूछा गया, तो ईश्वरप्पा ने कहा, कि पूर्व सीएम यह महसूस करने के बाद उनसे मिलने का प्रस्ताव रख रहे थे कि उनके बेटे को हार का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, येदियुरप्पा मेरे घर को जानते हैं, उन्हें मुझसे मिलने दीजिए।

एकजुटता से भाजपा उम्मीदवारों के लिए करना चाहिए काम: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में जो भी बीजेपी का उम्मीदवार हो, उन्हें मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने पैलेस मैदान में एकत्रित बेंगलूरु उत्तर, बेंगलूरु सेंट्रल, बेंगलूरु दक्षिण, चिक्कबल्लापुर और बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्रों के शक्ति केंद्रों की एक बैठक में बात की। उन्होंने कहा पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आश्चर्य से देख रही है। इसलिए सभी को भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में अथक प्रयास करना चाहिए।

भले ही मैं अब 81 साल का हो गया हूं, लेकिन मैं सिर्फ घर पर नहीं बैठता। पूरे राज्य में यात्रा करने की इच्छा है। उन्होंने कहा कि आगे का लक्ष्य भाजपा प्रत्याशियों को जिताना है। कांग्रेस

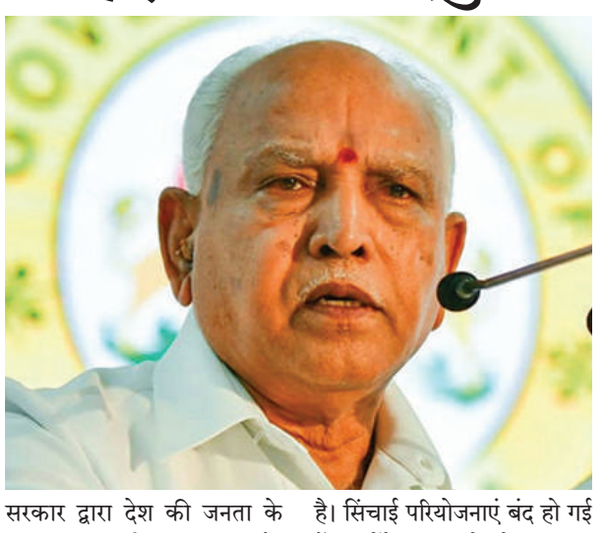

सरकार द्वारा देश की जनता के साथ अन्याय किया जा रहा है, उन्हें मतदाताओं को समझाना चाहिए और मतदाताओं का दिल जीतना चाहिए। कांग्रेस सरकार ने किसान सम्मान योजना के तहत दी जाने वाली राशि बंद कर दी है। भाग्यलक्ष्मी बांड नहीं दे रही है। सिंचाई परियोजनाएं बंद हो गई हैं। उन्होंने हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार दिवालिया हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सत्ता से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने मैसूरु में यह जानते हुए भी ऐसी बात कही थी कि भविष्य में भाजपा शासन करेगी।

राजस्थान स्थापना दिवस एवं होली पर

अलबेलो राजस्थान की रंगारंग प्रस्तुति का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभ्युदय अंतर्राष्ट्रीय संस्था की राजस्थान शाखा ने राजस्थान स्थापना दिवस के 75 वें अमृत वर्ष और होली के उपलक्ष्य में जूम द्वारा फेसबूक लाइव पटल पर अलबेलो राजस्थानी महोत्सव मनाया।

इस अवसर पर लोक गीतों व नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम रखा गया। राजस्थान के त्याग, बलिदान, शौर्य के साथ-साथ लोक परम्पराओं से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रम था। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा.प्रेम तन्मय ने की और मुख्य अतिथि का पद डा.किरण दशोरा ने संभाला। सर्वप्रथम राजस्थान शाखा अध्ययक्ष डॉ उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। संस्था की महासचिव चंदा प्रहलादिका ने पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्ज्वलन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ नलिनी पुरोहित ने माँ सरस्वती की वंदना से किया।

संस्था की संस्थापिका डा.इंदु झुनझुनवाला ने संस्था का परिचय देते हुए संचालित गतिविधियों से अवगत कराया। शाखा सचिव छत्र छाजेड़ ने कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ प्रेम तन्मय का परिचय देते हुए आसन ग्रहण करने को आमंत्रित किया।

मुख्य अतिथि डा. किरण दशोरा का परिचय कराते हुए शाखा अध्यक्षा डॉ उषा श्रीवास्तव ने पद ग्रहण करने को पटल पर आमंत्रित किया। अलबेलों राजस्थान कार्यक्रम का आगाज भी अलबेले तरीके से छत्र छाजेड़ ने मूर्खो के ईष्ट गर्दभ राज की आरती से किया। राजस्थान के इतिहासानुसार रंग रसीले रोचक कार्यक्रम में शाखा सदस्यों द्वारा स्व रचित और पारम्परिक लोकगीतों की प्रस्तुति दी। बच्चों से बूढ़ों तक की उमंग दर्शनीय थी जिन्होंने लोक नृत्य पटल पर रखे। होली और गणगौर के गीतों व नृत्य की समाविष्टी थी।

राजस्थान स्थापना दिवस पर राजस्थानी भाषा के मान्यता की बात होना स्वाभाविक था। सांची कहवै संसद हाल्ला कविता के माध्यम से सपना व्यास ने प्रश्न उठाया कि राजस्थानी भाषा को कब मान्यता मिलेगी? कार्यक्रम में मंजू बागोरा, संस्कृति श्रीवास्तव, गीता पुरोहित, सपना धाकड़, सपना व्यास, लीला व्यास, नलिनी पुरोहित,भगवती जोशी, नूतन दवे, पुष्पा पालीवाल, संगीता व्यास, कमला पुरोहित, शुशीला शर्मा, आभा मेहता आदि ने एक से बढ़कर सुन्दर प्रस्तुतियाँ दीं। राजस्थान की पारम्परिक रंग-बिरंगे परिधानों में नृत्य देखते ही बनते थे। श्रृंगारिक छटा अलबेली थी जिसके कारण नृत्यों की छटा मनमोहिनी बन पड़ी। मुख्य अतिथि ने शानदार होली के गीत की प्रस्तुति देते हुए कहा की ऐसे कार्यक्रम ही हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। आने वाली पीढ़ियों को उत्प्रेरित करते हैं कि वो अपनी मिट्टी वहां की परम्पराओं से जुड़े। कार्यक्रम का संचालन डॉ उषा श्रीवास्तव , सपना यशोवर्धन व्यास एवं छत्र छाजेड ने किया। अन्त में शाखा सचिव ने सब को धन्यवाद देते हुए आग्रह किया कि भविष्य में संस्था से इसी तरह जुड़े रहें।

अनुदान महत्वपूर्ण नहीं, कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है: डॉ सीएन मंजूनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने कहा कि फंडिंग महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है। इसीलिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी योजनाओं ने आज उज्ज्वल भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है। एक हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में, पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य देखभाल में परिवर्तन अद्वितीय रहा है। पहले हम रक्त वाहिका में कोई समस्या होने पर स्टेंट लगाते थे। तब यह एक लाख रुपये से लेकर 70 हजार रुपये तक था। लेकिन, आज यह 20 से 25 हजार रुपये में उपलब्ध है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी योजनाओं के

कारण है। उन्होंने कहा कि जल आरोग्य, स्वच्छ भारत, उज्वला योजना, किसान समृद्धि योजना समेत कई क्रांतिकारी योजनाएं लागू कर लोगों के जीवन में नया बदलाव लाया गया है। आत्मनिर्भर भारत को एक बड़ा आयाम मिला है क्योंकि रक्षा क्षेत्र में भी 49 प्रतिशत निवेश की अनुमति दी गई है। पहले हम हथियारों के लिए विदेशों पर निर्भर थे। लेकिन, अब हम अपने यहां उत्पादित हथियारों का निर्यात कर रहे हैं। केंद्र सरकार की योजनाएं आम आदमी पर सीधा असर डालती हैं। उन्होंने कहा, आइए लोगों को इसके बारे में बताएं और वोट मांगें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस बार 400 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मैं हमारे बेंगलूरु दक्षिण, मध्य, उत्तर, चिक्कबल्लापुर उम्मीदवारों सहित ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से एक उम्मीदवार के रूप में भी जीतूंगा और उस सूची में रहूंगा। मैंने हमेशा कहा कि पहले इलाज, बाद में भुगतान।

लेकिन अब मैंने सार्वभौमिक जीवन शुरू कर दिया है। मैंने पहले वोट, सेवा सतत का सूत्र वाक्य सामने रखा है। ऐसे में आइए हम ज्यादा आलोचना किए बिना लोगों को अपनी उपलब्धियों के बारे में बताएं। क्योंकि, आलोचना मर जाती है, लेकिन उपलब्धि जीवित रहती है।

सामूहिक वर्षीतप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि) चामराजपेट के तत्वावधान में श्री महावीर स्वामी जैन श्वे मंदिर चामराजपेट के आराधना भवन में मुनी श्री राजपद्मसागरजी और मुनी श्रमणपद्मसागरजी की पावन निश्रा में 200 तपस्वियों ने सामूहिक वर्षीतप महातप प्रत्याख्यानोत्सव विधि विधान के साथ किया। गुरुदेव राजपद्मसागर जी ने सभी को मंगल आशीर्वाद देकर चैत्र वद 8 अष्टमी प्रथम तीर्थंकर श्री आदिश्वर भगवान के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के दिन ही वर्षीतप के पच्चक्खाण से प्रारंभ क्यों करते हैं के बारे में बताया। मुनी श्रमण पद्मसागर जी ने फरमाया वर्षीतप की कृया गुरुदेव की निश्रा में ही क्यों करवाई जाती है इस का महत्व क्या है व 12 नवकार ही क्यों गिनते है, जैसे विषयों पर विस्तार से समझाया। 29 वां वर्षीतप कर रहे सुरेंद्रगुरुजी

ने भी अपने भाव व्यक्त किये। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष गौतम मुथा ने गुरुदेव को वंदन कर सभी तपस्वियों का आभार प्रकट किया। कैलाश संखलेचा ने बताया कि गुरुदेव श्री कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट श्रीनगर बेंगलूरु में चैत्र मास की शाश्वत ओलीजी में अपनी निश्रा प्रदान करेंगे। इस शुभ अवसर पर श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर के अध्यक्ष मदन पोरवाल, वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट के गौतम मुथा, गौतम पोरवाल, संतोष चौहान, महावीर श्रीश्रीमाल, किशोर पोरवाल, नरेश बांठिया, प्रवेश बालर, कैलाश संखलेचा, विकाश परलेचा, विशाल पोरवाल, निर्मल बरलोटा, राजू कर्णावत, महेंद्र विनायकिया आदि उपस्थित थे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

शीतला माता को ठंडे पकवानों का लगाया भोग

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बन्नूर कस्बा में शीतला सप्तमी के अवसर पर राजस्थानी महिलाओंने शीतला माता की पूजा अर्चना की। सोमवार प्रातः महिलाएं सजधज कर हाथों मेंपूजा का थाल थामे मंदिर पहुंची। शीतला माता की प्रतिमा पर नारियल का पानीचढाकर केर सांगरी आदि पचकुट्टा, दही, बासी भोजन का भोग लगा कर मंदिरके चारों ओर परिक्रमा लगाते हुए सुख समृद्धि की मनोकामनाएं की।

चुनाव आयोग के दस्ते ने ईश्वरप्पा के सम्मेलन पर छापा मारा

कार्यकर्ताओं के लिए बिरयानी जब्त की

कुंडापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

घटनाओं के एक नाटकीय मोड़ में, चुनाव सतर्कता उड़न दस्ते ने केएस ईश्वरप्पा द्वारा आयोजित एक सम्मेलन पर छापा मारा, जो भाजपा द्वारा टिकट से इनकार किए जाने के बाद एक विद्रोही उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे है। दस्ते को एक विशिष्ट सूचना मिली और वह तेजी से बिरयानी को जब्त करने के लिए आगे बढ़ा, जिसे कार्यक्रम में एकत्र हुए लगभग 2000 श्रमिकों को वितरित करने के लिए तैयार किया जा रहा था। सम्मेलन में भाग लेने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए दोपहर के भोजन के रूप में परोसी जाने वाली बिरयानी लगभग तैयार थी जब उड़न दस्ते के अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया। कार्यकर्ताओं की अपेक्षा और भोजन लगभग पूरा होने के बावजूद, चुनाव आयोग के सतर्कता दस्ते ने बिरयानी के वितरण की अनुमति देने से इनकार कर दिया। घटनाक्रम से निराश होकर, पार्टी कार्यकर्ता, जो धैर्यपूर्वक भोजन का इंतजार कर रहे थे, अंततः बिरयानी खाए बिना ही चले गए।

फर्जी हिंदुत्ववादियों से सबक लेने की जरूरत नहीं: बी वाई राघवेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार बी वाई राघवेंद्र ने कहा कि एक बार जब पार्टी द्वारा उम्मीदवार की घोषणा कर दी जाती है, तो यह आधिकारिक हो जाता है। हिंदुत्व के संबंध में मैं स्पष्ट कर दूं कि हमारे खून की हर बूंद हिंदू है। इस देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू हैं। हमें नकली हिंदुत्ववादियों से सबक लेने की जरूरत नहीं है।

राघवेंद्र ने मंगलवार को नागूर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत, भाजपा ने आधिकारिक तौर पर मुझे शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार घोषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं हमारे निर्वाचन क्षेत्र में मेरे

लिए प्रचार किया है और भाजपा और उसके कार्यकर्ता मेरे साथ खड़े हैं। हम दिखावे के लिए हिंदुत्व का प्रदर्शन नहीं करते। केवल मैं ही नहीं, बल्कि बीएस येदियुरप्पा ने भी राम जन्मभूमि आंदोलन में कारसेवक के रूप में भाग लिया और हुब्बल्ली के इदगाह मैदान में झंडा फहराया। उन्होंने कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराने में भी हिस्सा लिया था। इसलिए हमें अपना हिंदुत्व साबित करने की कोई जरूरत नहीं है। जनता को बीएस येदियुरप्पा द्वारा सीएम रहते हुए शुरू की गई हर योजना याद है। उन्होंने गोहत्या के विरुद्ध सख्त कानून लागू किये। भाग्यलक्ष्मी योजना के माध्यम से उनका लक्ष्य कन्या भ्रूण हत्या को कम करना था। उन्होंने कनकदास और वाल्मिकी जैसी महान हस्तियों की विभिन्न जयंती का परिचय दिया। उन्होंने मठों और मंदिरों के विकास को प्राथमिकता दी। हम केवल चुनावी लाभ के लिए हिंदुत्व को नहीं अपनाते। वोट के लिए हिंदुत्व का फायदा उठाने वालों से हमें सीखने की जरूरत नहीं है। जब ईश्वरप्पा ने दो सप्ताह पहले शिकारीपुरा का दौरा किया, तो उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि येदियुरप्पा का परिवार सभी समुदायों के साथ समान व्यवहार करता है। उन्होंने सभी से राघवेंद्र की पांच लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीत सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के तौर पर विजयेंद्र के बेहतरीन काम की भी सराहना की। अब दो हफ्ते में क्यों बदल गया ईश्वरप्पा का रुख? मतदाता इन बातों पर ध्यान दे रहे हैं।

श्रीनिवास बने बलिजा संघ के अध्यक्ष

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जयनगर में बलिजा संघ के 2024-25 के लिए संघ निदेशकों के लिए चुनाव का आयोजन किया गया। शाम को मतगणना की गई। चुनाव में मीना तुगुदीप श्रीनिवास सहित 15 अन्य लोगों ने सर्वाधिक मत पाकर निदेशक पद का चुनाव जीता। मीना तुगुदीप को अध्यक्ष बनाया गया। कुल 30 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा। मतगणना के दौरान बन्नूर महेंद्र सिंह कालप्पा, एसएन राजेश, हरीश नायडू, लीला नायडू, आनंद, अभिनेता विजय सूर्या, राकेश नायडू, किरण नायडू और अन्य ने विजेता टीम को शुभकामनाएं दी।*

शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन में शाह ने कांग्रेस पर साधना निशाना, कहा–

इंडी घोटोलेबाज गठबंधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अनुरोध किया कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा–जेडीएस राज्य की 28 में से 28 सीटों पर 60 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल करें। वह मंगलवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में भाजपा शक्ति केंद्र नेताओं के सम्मेलन का मशाल जलाकर उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने आग्रह किया कि नरेंद्र मोदी के संदेश, उनके काम, विकास की कमी और कांग्रेस के भ्रष्टाचार की जानकारी घर–घर तक पहुंचायी जाये। इसके जरिए उन्होंने अनुरोध किया कि 28 की 28 विधानसभा सीटों पर एनडीए के उम्मीदवारों को जीत मिलनी चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कर्नाटक की जनता भ्रष्ट लोगों को पसंद नहीं करती। इंडी गठबंधन एक घोटालेबाज गठबंधन है।

शाह ने आगे कहा – मोदी ने गरीबों, वंचितों, महिलाओं और युवाओं के लिए कई लोकप्रिय योजनाएं लागू की हैं। 12 करोड़ शौचालय बनाये गये हैं। 4 करोड़ घर बनाए गए हैं। 10 करोड़ गैस सिलेंडर जोड़े जा चुके हैं। 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया गया है।

हमने कई दशकों के अपने वादे पूरे किये हैं। उन्होंने बताया कि धारा 370 को रद्द कर दिया गया है। 500 साल तक तंबू में रहे रामलला के लिए हमने भव्य राम मंदिर बनाया। कांग्रेस ने इस मामले में लगातार देरी की थी। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस नेता तुष्टीकरण–वोट बैंक के कारण राम मंदिर के उद्घाटन में भी शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और अन्य देशों से शरणार्थी के रूप में आए हिंदू, सिख, ईसाई और अन्य लोगों को यहां की नागरिकता दी जा रही है। हम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव मैदान में हैं। भाई–भतीजावाद, भ्रष्टाचार इंडी यूनियन दूसरी तरफ है।

शाह ने आगे कहा– पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक, नया संसद भवन, आपराधिक कानून में बदलाव, देश को 5वीं आर्थिक शक्ति तक ले जाना आदि विकास मोदी सरकार में हुआ है। लोकतंत्र को कुछ नहीं हुआ।

इंडी ने भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए गठबंधन बनाया है। हमने भ्रष्टाचारियों को जेल भेजा है और आगे भी भेजेंगे। कांग्रेस प्रदेश के विकास पर ध्यान नहीं दे रही है। अगर सीएम कुर्सी बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरे कुर्सी छीनने की कोशिश कर रहे हैं।

यूपीए ने 10 साल में कर्नाटक को 1,42,000 करोड़ दिये, हमने 10 साल में 4,91,000 करोड़ दिये। प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने संबोधित करते हुए कहा कि यह विकसित भारत का विजय संकल्प सम्मेलन है। 2047 तक स्वतंत्रता दिवस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी अपने देश को एक विकसित देश बनाने के संकल्प के साथ दिन–रात काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 10 साल में विकास समर्थक प्रशासन दिया है, जिस पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा। भारत, जो आर्थिक रूप से 12वें स्थान पर था, अब दुनिया में 5वीं आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि मोदी की सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए 20 लाख करोड़ से ज्यादा का अनुदान दिया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यूपीए सरकार ने देश को भ्रष्टाचार और घोटाले दिये हैं।

मतदाता कांग्रेस सरकार को कोस रहे

उन्होंने आरोप लगाया कि शून्य विकास वाली राज्य सरकार कांग्रेस पार्टी की है और मतदाता कांग्रेस सरकार को कोस रहे हैं। महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है। गरीबों और किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। देश की सुरक्षा के लिए, सर्वांगीण विकास के लिए जनता ने तय कर लिया है कि केंद्र में भाजपा की सरकार एक बार फिर आनी चाहिए। उन्होंने मोदी की जन हितैषी योजनाओं के बारे में बताया और उनसे बूथ सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया यह देखकर निराश हैं कि बीजेपी–जेडीएस भी मैदान में आ गई है। उन्होंने हमसे सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों को जीतने पर दांव लगाने का अनुरोध किया।

कांग्रेस विरोधी लहर

बीजेपी केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने आपत्ति जताई कि कांग्रेसी पैसे के दम पर तुगलकी सरकार चला रहे हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि आपको कांग्रेस से पूछना चाहिए कि आपका प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है। उन्होंने विश्वास जताया कि हम 28 में से 28 लोकसभा क्षेत्र जीतने जा रहे हैं। सूखे और अविकसितता के कारण कांग्रेस विरोधी लहर है। उन्होंने कहा कि हमें कड़ी मेहनत कर सभी क्षेत्रों में जीत हासिल करनी है। उन्होंने कहा कि मोदी दोबारा राज्य का दौरा करेंगे। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बात की और यह ध्यान में रखकर काम करने की अपील की कि मोदी हमारे उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी–जेडीएस पार्टियों के सभी 28 उम्मीदवारों को जीतकर भ्रष्ट कांग्रेस, भ्रष्ट सीएम और डीसीएम को सबक सिखाना चाहिए। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी राधामोहनदास अग्रवाल, सह प्रभारी सुधाकर रेड्डी, पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, प्रदेश संगठन महासचिव राजेश जीवी, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, पूर्व डीसीएम गोविंद करजोल, प्रदेश महासचिव नंदीश रेड्डी समेत अन्य नेता मौजूद थे।

नदी में डूबने से तीन की मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के तीर्थहल्ली शहर में स्थित तुंगा नदी में लगभग 16 साल की उम्र के तीन लड़के डूब गए।

मोहिद इयान, समर और रफान, सभी सहपाठी, शाम को रमजान का रोजा तोड़ने के बाद शहर के राम मंटप में तुंगा नदी पर गए थे। रात करीब 8 बजे तीर्थहल्ली पुलिस को सूचना मिली कि लड़के डूब गए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से रात करीब 11 बजे शवों को नदी से निकाला गया। सैकड़ों की संख्या में लोग नदी तट पर जमा हो गये। शवों को कस्बे के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया। तीर्थहल्ली पुलिस ने अप्राकृतिक मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लोकसभा चुनाव : अमित शाह ने जेडीएस नेताओं के साथ की बातचीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जद (एस) और राज्य भाजपा नेताओं के साथ एक संयुक्त बैठक की, क्योंकि लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन सहयोगियों का अभियान कर्नाटक में गति पकड़ने वाला है।

बैठक को भाजपा और जद (एस) द्वारा जमीन पर बेहतर समन्वय बनाने और संघर्ष के संभावित मुद्दों को दूर करने के कदम के रूप में देखा जा रहा है। जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी और उनकी पार्टी की कोर कमेटी के कुछ सदस्य जिनमें इसके प्रमुख जीटी देवेगौड़ा, अनुभवी भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा, भगवा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और कर्नाटक में चुनाव प्रभारी महासचिव राधा मोहन शामिल थे। दास अग्रवाल सहित दोनों दलों के कई अन्य नेता बैठक का हिस्सा थे। कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा था कि वह अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ शाह को लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव की स्थिति से अवगत कराएंगे और फीडबैक साझा करेंगे।

सभी निर्वाचन क्षेत्रों में तैयारियां अच्छी तरह से चल रही हैं। हम नहीं चाहते कि छोटे–छोटे मुद्दे दोनों पक्षों के बीच समझ को बिगाड़ें और हमारा इरादा है कि हमारे लक्ष्य तक पहुंचने में छोटी सी भी गलती न हो। इसलिए हम सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। लोकसभा चुनाव के लिए सीट–बंटवारे के समझौते के अनुसार, राज्य में भाजपा 25 निर्वाचन क्षेत्रों में और जद (एस) शेष तीन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य भर में कड़ी सुरक्षा: आलोक मोहन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य भर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सावधानी बरती गई है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य भर में और सीमाओं पर चेक पोस्ट खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि इस चेक पोस्ट पर 24 घंटे अधिकारी व कर्मचारी काम करेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस के साथ–साथ आरटीओ एक्साइज, रेवेन्यू समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। चुनाव सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की 15 कंपनियां पहले ही आ चुकी हैं। इन्हें विभिन्न जिलों में स्थानीय पुलिस के साथ तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन दिनों में केंद्रीय बल की और कंपनियां राज्य में पहुंचेंगी। हमारी पुलिस पहले ही सभी उपद्रवियों के घरों पर छापा मार चुकी है और उन्हें चेतावनी दे चुकी है कि वे नियंत्रण में रहें। उन्होंने कहा कि उपद्रवी चाहे राजनेताओं के साथ हों या कहीं भी, शांति–व्यवस्था बिगाड़ने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। डीजीपी ने चेतावनी दी है कि उपद्रवी या असामाजिक कृत्य करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोदी के समर्थन की हवा सुनामी जितनी तेज: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु साउथ के भाजपा उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या ने कहा कि बेंगलूरु और कर्नाटक में हर जगह नरेंद्र मोदी के समर्थन की हवा सुनामी की तरह तेज है। वह मंगलवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में आयोजित भाजपा शक्ति केंद्र नेताओं की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा नेताओं की उपस्थिति में बोल रहे थे। उन्होंने मोदी सरकार की लोकप्रिय योजनाओं और अनुदानों का ब्यौरा देने के साथ–साथ यूपीए–कांग्रेस शासन के दौरान हुए घोटालों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वोट से पहले सेवा लगातार जारी है। मोदी का प्रशासन भ्रष्टाचार और काले धब्बों के बिना विकास समर्थक है। उन्होंने केंद्र की उपलब्धियों का ब्योरा हर घर तक पहुंचाने का अनुरोध किया। बेंगलूरु उत्तर से उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि विकास को गति देने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के मोदी के विचार और दृढ़ संकल्प से भाजपा तीसरी बार जीत रही है। चिक्कबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार के. सुधाकर ने कहा कि राज्य एक छीनने वाली सरकार है। उन्होंने लोगों को समझने का अनुरोध किया कि केंद्र में भाजपा सरकार और येदियुरप्पा–बोम्मई के नेतृत्व वाली सरकार लोगों को विकास देने वाली सरकार है।

अमित शाह पर जमकर साधा निशाना

उन्हें राज्य की जनता से वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं: सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य की गंभीर स्थिति को लेकर पांच महीने से एक भी रुपयामुआवजा नहीं देने वाले केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जमकरनिशाना साधा और कहा कि उन्हें राज्य की जनता से वोट मांगने का कोईनैतिक अधिकार नहीं है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अमितशाह केंद्रीय उच्च प्राधिकार समिति के अध्यक्ष थे, जिसे बैठक कर राज्य में सूखे कीस्थिति के लिए फंड जारी करना चाहिए था। राज्य सरकार ने अक्टूबर सेतीन अपीलें प्रस्तुत की हैं। एक केंद्रीय अध्ययन दल ने समीक्षा की और एकरिपोर्ट जारी की। मैं 19 दिसंबर को प्रधानमंत्री से और 20 दिसंबर कोअमित शाह से मिला था। उन्होंने कहा कि वे 23 तारीख को उच्चस्तरीय समिति कीबैठक कर मुआवजे पर निर्णय लेंगे। लेकिन पांच माह से एक रुपये का भीभुगतान नहीं किया गया है। अमित शाह अपने घर से क्या ला रहे हैं? अपने टैक्सका पैसा खुद को देने में संकोच क्यों? अगर हम अपना हिस्सा मांगते हैं तोजेडीएस नेता कुमारस्वामी

बीजेपी के प्रवक्ता के तौर पर इसका बचाव करते हैं।राज्य की मेकेदातु और महादई परियोजनाओं को अनुमति नहीं दी गई है। वित्तआयोग की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार राज्य को कोई वित्तीय सहायता नहीं दीगयी है। क्या यह कन्नड़वासियों के साथ अन्याय नहीं है? उन्होंने कहा कि अगलेचुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाएगी। कुमारस्वामी के इस बयान पर कि मांड्यामें उनका चुनाव लड़ना भगवान की इच्छा थी, सिद्धरामैया ने पलटवार करतेहुए कहा कि यह उनकी इच्छा थी कि उन्होंने पहले अपने बेटे को मैदान मेंउतारा था। गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री रहे कुमारस्वामी के बेटे को जीतनहीं मिली। कुमारस्वामी, जो कहते हैं कि मांड्या में कांग्रेस ने उनकीपीठ में छुरा घोंपा था, क्या वह बताएंगे कि मैसूरु में जेडीएस ने किसकीपीठ में छुरा घोंपा था? यदि हम इस संभावना को स्वीकार करते हैं कि हमनेमांड्या में जेडीएस को धोखा दिया है, तो क्या हमें मैसूरु में जेडीएसके विश्वासघात को स्वीकार नहीं करना चाहिए? उन्होंने सवाल किया कि क्या सिद्धांत हरजगह एक जैसा नहीं होना चाहिए। अगरमैं हासन में जाकर प्रचार नहीं करता तो जेडीएस के प्रज्वल रेवन्ना नहीं जीतते। उसमौके पर कांग्रेस–जेडीएस गठबंधन की सरकार थी, इसलिए उन्हें चुनाव पूर्वगठबंधन बनाना पड़ा। इस बार जेडीएस ने भाजपा के साथ गठबंधनकिया है। उन्होंने कहा कि तीन निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करने वाली जद(एस) सभी क्षेत्रों में हारेगी। हासन में सभी कांग्रेसी एक साथ हैं। उन्होंनेकहा कि लोग हमारे पक्ष में हैं और प्रज्वल रेवन्ना को हराने का फैसला किया है।उन्होंने कहा, हम 12, 13 और 14 को मैसूरु और चामराजनगर जिलों में प्रचार करेंगेऔर राज्य भर के विभिन्न क्षेत्रों की यात्रा करेंगे। – पार्टी20 लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिल करेगीइससेपहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि कांग्रेस मैसूरु और चामराजनगर दोनोंक्षेत्रों में जीत हासिल करेगी, लेकिन उनका ध्यान पूरे कर्नाटक के सभी 28 क्षेत्रोंपर है और उन्हें विश्वास है कि पार्टी 20 लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिलकरेगी। उन्होंने कहा, वह अधिकतम सीमा तक कर्नाटक के सभी क्षेत्रों कादौरा करेंगे। विकास की राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान परप्रतिक्रिया देते हुए सिद्धरामैया ने पूछा, क्या अच्छे दिन आ गए हैं? पेट्रोल,डीजल और घरेलू गैस के दाम बढ़ने से लोग त्रस्त हैं। विकास के प्रभावपर भाजपा का कोई ट्रेलर या फिल्म नहीं है। केवल झूठे वादों परआधारित फिल्में बन सकती हैं। भाजपा की जनविरोधी नीतियां कांग्रेस के लिएवरदान हैं। इस प्रकार, लोग कांग्रेस को वोट देंगे। भाजपा ने देशव्यापीसर्वेक्षण कराया है। इसके नेताओं को पता है कि पार्टी केवल 200 क्षेत्रों मेंही जीत हासिल कर सकती है। यह फर्जी अनुमान लगाकर मतदाताओं को धोखा देनेकी एक चाल है और दावा किया जाता है कि वे 400 का आंकड़ा पार करजाएंगे। जनता अब नहीं फंसेगी। मोदी खुद आएं और बीजेपी उम्मीदवारों केलिए प्रचार करें। हम जानते हैं कि पिछले साल विधानसभा चुनाव में क्या हुआ था,जब मोदी ने बड़े पैमाने पर कर्नाटक का दौरा किया था। यह संकेतदेते हुए कि चामराजनगर के सांसद वी श्रीनिवास प्रसाद के परिवार के सदस्य औरसमर्थक कांग्रेस में शामिल होंगे, सिद्धरामैया ने कहा, कई नेताओं के पाला बदलनेकी उम्मीद है।

सुकेश चन्द्रशेखर का केजरीवाल को नया पत्र करेंगे आपा नेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने तीन पेज का लेटर जारी किया है। सुकेश ने आपा प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ द्वारा किए गए दावे का खंडन किया और जेल प्रशासन में कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार को लेकर दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत और सत्येंद्र जैन पर आरोप लगाए। सुकेश ने कहा, प्रिय केजरीवाल जी, दो दिन पहले जब मैंने आपके प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ द्वारा की गई अपमानजनक और अशोभनीय टिप्पणी के बारे में सुना, तो मैं अचंभित हो गया कि आप ऐसे कार्टूनों को कहां से खोज लाते हैं, जिन्हें कोई जानकारी नहीं होती, वो सिर्फ एक लिखी लिखाई पटकथा सामने लाकर पढ़ती हैं।

वहीं, अब सुकेश ने प्रियंका कक्कड़ के बयान को लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की भी बात कही है। बयान में कहा गया है, प्रियंका जी, मुझे उम्मीद है कि आपको मेरा कानूनी नोटिस मिल गया है, लेकिन यह केवल शुरुआत है, कानूनी रूप से और भी बहुत कुछ आपके रास्ते पर है। चन्द्रशेखर ने अपने पास मौजूद कथित सबूतों का भी उल्लेख किया, जिसमें व्हाट्सएप चैट और अन्य रिकॉर्डिंग शामिल हैं, जिसके बारे में उनका दावा है कि इससे गहलोत और जैन द्वारा इस्तेमाल किए गए भ्रष्टाचार और दबाव की रणनीति का

के कथित दुरुपयोग की आलोचना की गई है। सुकेश ने आगे कहा, तो प्रियंका जी, आज आप सभी बार-बार चिल्लाते रहते हैं कि मैं कुख्यात ठग हूं, लेकिन कृपया अपने केजरीवाल जी और जैन साहब से पूछें कि वे 2015 से मेरी सेवाओं और मुख्य रूप से मेरे पैसे का खुशी से उपयोग क्यों कर रहे थे, कुछ तो शर्म करो। भारत और मुख्य रूप से दिल्ली के लोगों को मूर्ख मत बनाओ, सभी जानते हैं कि असली ओजी कॉनमैन कौन हैं। कथित ठग ने भविष्य में अपने दावों का समर्थन करने के लिए सबूत प्रकट पर्दाफाश हो जाएगा। चंद्रशेखर ने आगे कहा, जो भी हो, प्रियंका जी, मैंने 50 करोड़ रुपये तत्कालीन जेल मंत्री सत्येन्द्र जैन को दिया था और उनके निर्देश पर तत्कालीन डीजी जेल संदीप गोयल को भी पैसे दिए गए थे।

बयान में दिल्ली सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग की गई है, जेलों के प्रबंधन और उसके अधिकारियों द्वारा सत्ता देने का वादा किया। प्रियंका कक्कड़ ने हाल ही में कहा था, बीजेपी की प्रतिशोधात्मक राजनीति अब इस निचले स्तर पर पहुंच गई है कि एक कुख्यात ठग की बात पर विश्वास किया जाता है और उस व्यक्ति का कुछ नहीं जिसने दुनिया को दिल्ली की प्रसिद्ध मोहल्ला क्लिनिक अवधारणा दी। चन्द्रशेखर 200 करोड़ रुपये की रंगदारी मामले में मुख्य आरोपी है।

भारत भी तिब्बत के 60 इलाकों को दे अपने नाम : हिमंता

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

असम के डिफू लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने अमरसीन टीसो को अपना प्रत्याशी बनाया है। टीसो के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने चीन को लेकर ऐसा बयान दिया, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कार्बी आंगलोंग जिले के डिफू शहर में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के बयान पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भूपेन बोरा खुद चिंतित हैं, आप लोगों को कांग्रेस के किसी भी व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए। कांग्रेस के नेता तो खुद बीजेपी में शामिल हो रहे हैं।

उनसे मीडिया ने सवाल किया कि ड्रैगन (चीन) ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में 30 स्थानों के नाम बदल दिए। इस पर हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह चीन पर जैसे को तैसा की नीति अपनाए और तिब्बत में भी 60 जगहों के नाम बदल दे। उन्होंने कहा कि हालांकि यह केंद्र सरकार का फैसला है कि वह इस पर क्या करती है। लेकिन, मैं भी फिर भी भारत सरकार से गुजारिश करता हूं कि अगर वह तीस नाम बदले तो हम 60 जगहों के नाम बदल दें।

उन्होंने इसके साथ ही आगे कहा कि असम के जनजातीय क्षेत्र लंबे समय से उग्रवाद से पीड़ित थे, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी का एकमात्र ध्यान हमारे आदिवासी क्षेत्रों को विकसित करने पर है, ऐसे में हमने सभी समूहों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और असम के आदिवासी क्षेत्रों में विकास की लहर चल रही है। यही वजह है कि पिछले 10 वर्ष में असम के आदिवासी क्षेत्रों में उग्रवादी गतिविधियों पर पूरी तरह से विराम लग गया है। उन्होंने आगे कहा कि डिफू लोकसभा क्षेत्र में हमारी ट्रिपल इंजन सरकार लगभग बीस हजार करोड़ की विकास योजना लागू कर रही है। आज असम के इन दूरवर्ती पहाड़ी इलाकों में विकास की यह रफ्तार सिर्फ पीएम मोदी की वजह से संभव हो पा रही है।

ओड़ीशा में शंख बजाने वालों की बढ़ी मांग, बुलाया जा रहा किराए पर

बेरहामपुर, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

ओड़ीशा में अचानक से शंख बजाने वालों की डिमांड बढ़ गई है। ऐसा राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव और राज्य की 21 लोकसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के कारण हुआ है। आमतौर पर राज्य में शंख बजाने वालों की जरूरत हिंदू शादियों, धार्मिक कार्यक्रमों और अन्य शुभ अवसरों पर होती है। लेकिन चुनाव के चलते पॉलिटिकल रैलियों और चुनावी सभाओं में शंख बजाने वालों को बुलाया जा रहा है।

राजनीतिक पार्टियां शंख बजाने वालों की बुकिंग कर रही है। ओडिशा की सत्ताधारी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) का पार्टी सिंबल भी शंख है। ऐसे में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के चुने गए उम्मीदवार शंख बजाने वालों को बुला रहे है। गंजम जिले में लगभग 25 हजार शंख बजाने वाले बीजेडी प्रत्याशी अपनी रैलियों में शंख बजाने वालों को लेकर जा रहे हैं। इन्हें किराए पर बुलाया जाता है। प्रत्याशी ऐसा इसलिए भी कर रहे हैं क्योंकि उनका चुनावी सिंबल शंख है। ऐसा करने से लोगों अलग प्रभाव पड़ेगा।

गंजम जिले में 25 हजार के करीब शंख बजाने वाले हैं। ये सभी बीजद उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। शंख बजाने का काम करने वाले राजेंद्र प्रसाद पात्रा ने कहा कि कुछ उम्मीदवार अभियान के लिए हमसे संपर्क कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमने अलग-अलग क्षेत्र में प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने के लिए योजना बनाई है। राज्य में चार चरणों में चुनाव होने हैं। इसलिए उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने में कोई परेशानी नहीं होगी। रौलापल्ली के रहने वाले टूटू राउल का कहना है कि कई उम्मीदवार जोड़ी शंख यानी (जुड़वा शंख बजाने वालों) की मांग करते हैं।

कांग्रेस की एक और सूची जारी, 17 उम्मीदवारों का किया ऐलान

आंध्र प्रदेश से पांच, बिहार से तीन, ओड़ीशा से आठ और प.बंगाल से एक प्रत्याशी का नाम शामिल

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 17 और उम्मीदवार घोषित किए जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर एवं एम एम पल्लम राजू और पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी के नाम शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की 11वीं सूची में आंध्र प्रदेश से पांच, बिहार से तीन, ओडिशा से आठ और पश्चिम बंगाल से एक उम्मीदवार का नाम शामिल है।

पार्टी ने बिहार के कटिहार से एक बार फिर अनवर को उम्मीदवार बनाया है। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें जनता

दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार दुलालचंद गोस्वामी ने पराजित किया था। एक बार फिर से उनका मुकाबला गोस्वामी से होगा। कांग्रेस ने बिहार की किशनगंज लोकसभा सीट से अपने मौजूदा सांसद मोहम्मद जावेद को टिकट दिया है। भागलपुर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक अजीत शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है।

कांग्रेस बिहार की कुल 40 लोकसभा सीटों में से नौ पर चुनाव लड़ रही है। वहीं, 26 सीट पर उसकी सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और पांच सीट पर वाम दल चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार में गठजोड़ के तहत कांग्रेस के हिस्से में नौ सीट- किशनगंज, कटिहार, पटना साहिब, भागलपुर, सासाराम, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, पश्चिम चंपारण और महाराजगंज आई हैं। पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री पल्लम राजू को आंध्र प्रदेश की काकीनाड़ा लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। शर्मिला रेड्डी को आंध्र प्रदेश के कडप्पा से उम्मीदवार बनाया गया है। ओडिशा के कोरापुट से वर्तमान सांसद सप्तगिरि उलाका को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है।

पार्टी अब तक कुल 214 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। इससे पहले कांग्रेस ने नौ अलग-अलग सूचियों में 212 उम्मीदवार घोषित किए थे। देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। इसके बाद छह और चरणों में 26 अप्रैल, सात मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को मतदान होगा। मतगणना चार जून को होगी। कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 114 और ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए भी 49 उम्मीदवार घोषित किए हैं।

केजरीवाल की नैतिकता समाप्त हो चुकी है: भाजपा

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा जेल से सरकार चलाने पर आड़े हाथों लेते हुए मंगलवार को कहा कि अब भ्रष्ट आचरण से श्री केजरीवाल की नैतिकता समाप्त हो चुकी है और दिल्ली की जनता उनसे मुक्ति चाहती है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इंडिया समूह पर जमकर हमला बोला और भ्रष्टाचार के आरोप में संलिप्त दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा जेल से सरकार चलाने पर सवाल उठाए। श्री भाटिया ने इंडिया समूह पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर सारे कट्टर बेईमान, पापी और भ्रष्टाचारी हैं तो दूसरी ओर एक ईमानदार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। देश की जनता इन भ्रष्टाचारियों से अपने पैसे का हिसाब मांग रही है। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सबसे पहले प्रवर्तन निदेशालय के नौ समन पर उप-स्थित नहीं हुए। श्री केजरीवाल अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय गए, जहां उन्हें शराब घोटाले का प्रथम दृष्टया आरोपी ठहराया गया और राहत नहीं दी गई। श्री केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय न्यायालय और फिर पुनः दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की और दोनों ही जगह इनकी याचिका खारिज कर दी गई तथा अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गत 14 महीने से जेल में बंद मनीष सिसोदिया को प्रवर्तन निदेशालय, उच्च न्यायालय और शीर्ष न्यायालय सहित कहीं से कोई राहत नहीं दी गई।

श्री भाटिया ने श्री केजरीवाल के दोहरे मापडंड पर सवाल पूछा कि श्री केजरीवाल ने जब मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन की गिरफ्तारी पर उनसे इस्तीफा लिया था, तो श्री केजरीवाल स्वयं गिरफ्तार होने पर इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे हैं? आज दिल्ली की जनता ऐसी सरकार की हकदार है जो जनता के प्रति ईमानदार रहे, न कि एक ऐसी सरकार जिसका सीएम भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरा हो,जो सिर्फ अपनी जेब भरता हो और जो जेल के अंदर से सरकार चलाने की इच्छा रखता हो। दिल्ली की जनता आज कह रही है कि बहुत हो गया आपका भ्रष्टाचार अब साड्डा हक एथ्थे रख।

श्री भाटिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी की नैतिकता पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। यह अत्यंत चिंताजनक विषय है कि श्री केजरीवाल जेल के अंदर से सरकार चलाने की बात कर रहे हैं, क्योंकि आम आदमी पार्टी में कोई ऐसा नेता नहीं है, जो दिल्लीवासियों की सेवा कर सके। पहले अरविंद केजरीवाल कहा करते थे कि उनकी लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ है लेकिन आज वह खुद भ्रष्टाचारी बन चुके हैं। परिव-ारवाद के खिलाफ मुहिम चलाने वाले श्री केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए उनकी धर्मपत्नी के अलावा कोई नहीं मिल रहा है।

श्री भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का संकल्प लिया है। विपक्ष लगातार यह दावा करता है कि सरकार द्वारा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लेकिन जनता आगामी चुनाव में अपना फैसला सुनाएगी। कुछ दिनों पहले भ्रष्टाचारी, वंशवादी और सांप्रदायिक राजनीति करने वाले सभी नेता इकट्ठे हुए थे। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है। इस रैली में शामिल हुए सभी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हैं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी एक मुकदमे के चलते सर्वोच्च न्यायालय तक गए लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। कांग्रेस नेता धीरज साहू के घर से 352 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए। इसके अलावा झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन 2 महीने से जेल में हैं लेकिन न्यायालय से उन्हें भी राहत नहीं मिल रही है। बीआरएस नेत्री के. कविता भी 20 दिनों से जेल में हैं। तृणमूल कांग्रेस नेता अनुब्रत मंडल और पार्थ चटर्जी भी लंबे समय से भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हैं। विपक्ष के नेता पहले भ्रष्टाचार करते हैं और पकड़े जाने पर जांच एजेंसियों और लोकतंत्र को कोसते हैं। न्यायालय कहता है कि भ्रष्टाचार समाप्त हो रहा है लेकिन विपक्षी दल कभी भी तथ्य की बात नहीं करते, इधर उधर के मुद्दे उठाकर जनता को बरगलाने का प्रयास करते हैं।

श्री भाटिया ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में एक तरफ जनकल्याणकारी नीतियों वाली भाजपा सरकार है और दूसरी तरफ तुच्छ राजनीति करने वाला इंडिया समूह है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहते हैं कि अगर भाजपा चुनाव जीती तो देश भर में आग लग जाएगी। सोनिया गांधी ने सीएए पर बयान दिया था कि यह आर-पार की लड़ाई है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सीएए लागू होने पर देश में गृह युद्ध शुरू हो जाने का बयान देती हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह की बयानबाजी से पता लगता है कि इंडिया समूह के सभी दल दिशाविहीन हैं और जनता ने तय कर लिया है कि आगामी चुनाव में इस सांप्रदायिक और वंशवादी टाइटैनिक जहाज को जरूर डुबाना है।

भाजपा प्रत्याशी कोई भी हो, मोदी के नाम पर ही डाला जाएगा वोट : शाहनवाज हुसैन

पटना, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

बिहार के पूर्व मंत्री और भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा का उम्मीदवार कोई भी हो, वोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से ही डाला जाएगा। यह चुनाव मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए हो रहा है। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने दावा करते हुए कहा कि पिछले चुनाव में बिहार में एक सीट को लेकर कसक रह गई थी। लेकिन, इस चुनाव में किशनगंज सहित सभी 40 सीटों पर एनडीए के प्रत्याशी विजयी होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि पिछली सरकार मुद्दे और वादों पर शत-प्रतिशत खरी उतरी है। आज भले ही विपक्ष साथ आ रहे हों, लेकिन टिकने वाले नहीं हैं। जिन लोगों को अरविंद केजरीवाल ने कभी गाली दी थी, आज उन्हें ही वह इकट्ठा कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के लोग भ्रम पैदा कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी और सौरभ 'चोर की दाढ़ी' में तिनका वाली कहावत चरितार्थ करते हुए खुद की गिरफ्तारी की बात कर रहे हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि उन्हें किसने बताया, क्या वे बताएंगे किसने उन्हें अप्रोच किया है। उन्हें झूठ की खेती नहीं करनी चाहिए। लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य के सारण से चुनाव लड़ने के संबंध में पूछे जाने पर शाहनवाज हुसैन ने तंज कसते हुए कहा कि लोग अपने बाल बच्चों के लिए मेहनत करते हैं।

महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ीं, सीबीआई की एफआईआर के आधार पर ईडी ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। सीबीआई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा के खिलाफ पहले ही रिश्वत के बदले संसद में सवाल पूछने के मामले में सीबीआई की जांच जारी है।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने

पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। इसके आधार पर निष्कर्ष निकाला गया कि मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे। सूत्रों ने कहा कि इस मामले में कुछ अन्य विदेशी प्रेषण और धन के हस्तांतरण के अलावा एनआरई खाते से जुड़े लेनदेन एजेंसी की जांच के दायरे में हैं। जांचकर्ता उनका बयान दर्ज करना चाहते हैं। मामले की जांच सीबीआई भी कर रही है और लोकपाल भी उनके खिलाफ आरोपों की प्रारंभिक जांच कर रही है। सीबीआई मामले के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा को प्रवर्तन निद-ेशालय (ईडी) ने 28 मार्च (गुरुवार) को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन टीएमसी नेता ने कहा कि वह गुरुवार को कृष्णनगर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार अभियान में शामिल होने की बात कही थी। इसके चलते वे ईडी के सामने पेश नहीं हुई थीं।

द्रमुक ने ईवीएम को लेकर खटखटाया मद्रास हाईकोर्ट का दरवाजा, दाखिल की याचिका

चेन्नई, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन के कई दल इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की जगह मतपत्रों से मतदान की मांग कर रहे हैं। इस बीच, तमिलनाडु में सत्ताधारी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) ने मद्रास उच्च न्यायालय का दरव-ाजा खटखटाया है। द्रमुक ने ईवीएम को लेकर रिट याचिका दायर की है। वहीं, जिला निर्वाचन अधिकारी और ग्रेटर चेन्नई निगम आयुक्त जे. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में आज सभी सियासी दलों की मौजूदगी में ईवीएम की पूरक रेंडमाइजेशन की गई।

राधाकृष्णन ने बताया कि ग्रेटर चेन्नई निगम क्षेत्र के तहत तीन संसदीय क्षेत्र आते हैं। इस बार उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है। बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वी-वीपीएटी मशीन और बैटरियों की रेंडमाइजेशन राजनीतिक दलों के सामने उनके संबंधित स्ट्रांग रूप में भेजा गया।

उन्होंने कहा, हमें करीब 39.25 लाख मतदाता पर्चियां वितरित करनी हैं। कल हम 3.25 लाख मतदाता पर्चियां वितरित करने में सक्षम थे।

अब त हमने 9.13 करोड़ रुपये के आभूषण और नकदी जब्त की है।

राधाकृष्णन ने बताया कि कुल 3576 मतदान केंद्रों में से 579 मतदान केंद्रों की पहचान संवेदनशील के रूप में की गई है।

भाजपा ही भ्रष्टाचारियों और माफिया को भेज सकती है जेल: योगी

पीलीभीत, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। हमारी पीढ़ी खुद को सौभाग्यशाली मानती है कि क्योंकि हमने बदलते हुए भारत को देखा है। 2014 के पहले देश में अविश्वास और अराजकता थी। आम जनमानस में सरकार, सत्ता और राजनीतिज्ञों के प्रति विश्वास नहीं रह गया था। ऐसे में दुनिया ने भारतवासियों को सम्मान देना बंद कर दिया था। वह एक दौर था, जब अन्नदाता किसान आत्महत्या कर रहे थे। युवा पलायन को मजबूर थे। देश में उग्रवाद और नक्सल-वाद हावी था। वहीं 2014 के बाद देश की तस्वीर बदल गयी। आज दुनिया नए भारत का दर्शन कर रही है। इसमें सुरक्षा, समृद्धि, नौजवान को रोजगाार और आमजन को आस्था की गारंटी मिल रही है। आज दुनिया में देश का सम्मान बढ़ा है। आज लोग गर्व से कहते हैं कि मैं भारतवासी हूं, जिसका नेतृत्व दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पीलीभीत में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में कहीं। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और प्रदेश का नौजवान अब पलायन नहीं करता है बल्कि खुद का स्टार्टअप स्थापित कर रहा है। बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं,

बल्कि फाइटर पायलट बनकर भारत की सुरक्षा का सिंहनाद कर रही हैं। वहीं भारतवासी गौरव के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रहे हैं। आज हमारी सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं, कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर के राज्यों का उग्रवाद और नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म हो चुका है। देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। प्रदेश में अपराधी-माफिया पस्त और बेटी- व्यापारी सुरक्षित हैं। प्रदेश दंगा मुक्त हो चुका है। प्रदेश में कर्फ्यू पर पूरी तरह से लगाम लगी है, लेकिन कांवड़ यात्रा धूमधाम से निकल रही है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी विरासत और विकास दोनों में बेहतर समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है। पीलीभीत में मेडिकल कॉलेज, रोड और पुल के सारे प्रस्ताव को स्वीकृत कर सरकार ने विकास की नई धारा के साथ इसे जोड़ने का काम किया है। इतना ही नहीं इको टूरिज्म के बेहतरीन डेस्टिनेशन के लिए पीलीभीत को आगे बढ़ने का कार्य भी सरकार कर रही है। पीलीभीत में वन्य जीव और मानव के संघर्ष को रोकने के लिए जंगल के बीच में पड़ने वाली किसानों की जमीन के चारों ओर इलेक्ट्रिक फेंसिंग का काम किया गया है। इसके अलावा जंगली जानवरों से किसानों को बचाने और जनहानि को आपदा की श्रेणी में शामिल कर अन्नदाताओं के लिए मुआवजे की व्यवस्था प्रदेश सरकार लागू कर चुकी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब देश की बागडोर संभाली तो भारत दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था के रूप में जाना जाता था। उस समय देश को पिछलग्गू देश माना जाता था। वहीं आज देश पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के मात्र 3 वर्ष में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया जाएगा। इस बार यह चुनाव फैमिली फर्स्ट बनाम नेशन फर्स्ट और माफिया राज बनाम कानून व्यवस्था के बीच होने जा रहा है।

सीएम ने कहा कि याद करिए सपा हो या कांग्रेस उनकी पार्टी का अध्यक्ष केवल एक खानदान का ही व्यक्ति हो सकता है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सामान्य गरीब परिवार से निकलकर पूरा जीवन देश के लिए समर्पित करने वाले हैं। उनके लिये 140 करोड़ का भारत ही उनका परिवार है। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकाल को आपने देखा है जब युवाओं के हाथों में रोजगार की जगह तमंचे लहराते थे। हमने युवाओं को टैबलेट देने का काम किया है। प्रदेश में सपा, कांग्रेस और बसपा के लोग आएंगे तो माफिया राज साथ लेकर आएंगे। वहीं भाजपा कानून के राज में विश्वास करती है। यह चुनाव भ्रष्टाचार बनाम जीरो टॉलरेंस पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों और माफिया की जगह जेल होनी चाहिये यह तय करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति की सरकार चाहिए, यह कार्य भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में ही हो सकता है। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश सरकार के मंत्री संजय गंगवार, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, विधान परिषद सदस्य रजनीकांत माहेश्वरी, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जिला प्रभारी गुलशन आनंद आदि उपस्थित थे।

प्रबुद्ध सम्मेलन के जरिए सीएम योगी ने साधे रुहेलखंड के राजनीतिक समीकरण

बरेली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के बहाने रुहेलखंड के राजनीतिक समीकरण साधे। उन्होंने कहा कि अभी और चुनावी सभाएं होंगी, रैलियां निकलेंगी, रोड शो होंगे। लेकिन प्रबुद्ध वर्ग के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधि बनकर मतदाताओं को जागरूक करें। प्रबुद्ध वर्ग में कोई डॉक्टर, शिक्षक, अधिवक्ता, व्यापारी, कारोबारी, सामाजिक संगठनों का नेतृत्व करने वाले लोग हैं। वह सभी लोग मतदाताओं को जागरूक करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दस साल में देश को सुरक्षा के साथ समृद्धि तक पहुंचाया है। समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित और गौरवान्वित किया है। अब हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का मौका मिला है। मतदान के जरिए हम मोदी और देश के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेंगे।

भाजपा हाईकमान ने पीलीभीत में सांसद वरुण गांधी का टिकट काटकर उत्तर प्रदेश सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीलीभीत में लोकसभा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के समर्थन में जनसभा कर उन्हें जिताने की अपील की। इसके बाद मुख्यमंत्री बदायूं पहुंचे। बदायूं में उन्होंने भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष और बदायूं लोकसभा के प्रत्याशी दुर्विजय सिंह शाक्य के समर्थन में जनसभा की। इस दौरान मंच पर सांसद संघमित्रा मौर्य भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री योगी के साथ उनकी कैबिनेट के मंत्री धर्मपाल सिंह, डॉक्टर अरुण कुमार, गुलाब देवी, एमएलसी, विधायक और सांसद समेत कई जनप्रतिनिधि थे। मुख्यमंत्री ने बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य के समर्थन में सियासी हवाओं का रुख बदला। कहा कि सभी लोग एक परिवार की पार्टी के बजाय नेशन फर्स्ट मानने वाली पार्टी को चुने। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बरेली इंटर कॉलेज में जनसभा की। यहां उन्होंने पूर्व मंत्री और लोकसभा के प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार के समर्थन में प्रबुद्धवर्ग सम्मेलन को संबोधित कर उन्हें जिताने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी ने बरेली इंटर कॉलेज जनसभा से कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और बरेली के सांसद संतोष गंगवार ने 30 साल तक बरेली की जनता की सेवा की। उन्होंने पार्टी और बरेली के प्रति अपने कर्तव्य और उत्तरदायित्वों का अच्छे से निर्वहन किया। अब उनका आशीर्वाद हम सबको मिल रहा है। उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार के लिए कहा कि उन्हें संतोष गंगवार का आशीर्वाद प्राप्त है। छत्रपाल गंगवार को मोदी के प्रतिनिधि बनकर उनके लिए मतदाताओं को जागरूक करें और वोट करें। मंच पर सांसद संतोष गंगवार के साथ छत्रपाल गंगवार का प्रमुखता से जनता के बीच मुख्यमंत्री ने पुरजोर समर्थन कर कई अटकलों पर विराम लगा दिया।

यूपी के श्रमिक पूरा करेंगे योगी का संकल्प

प्रदेश की 80 में 80 सीट जीतने में श्रमिक वर्ग की होगी विशेष भूमिका

लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का श्रमिक वर्ग अपनी मेहनत और कौशल से प्रदेश के बुनियादी ढांचे के विकास में तो महत्वपूर्ण योगदान देता ही है, साथ ही वह सरकारों के गठन में भी महत्व-पूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में श्रमिक वर्ग की इसी ताकत को पहचानते हुए डबल इंजन की सरकार ने श्रमिकों के लिए अनेक योजनाएं बनाईं और हर पात्र व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचाने का प्रयास किया। नतीजा, प्रदेश का श्रमिक वर्ग भाजपा की सरकार का पुरजोर समर्थक बनकर सामने आया। सीएम योगी के सात वर्षों के कार्यकाल में अब तक श्रमिक वर्ग के लिए जो कार्य किए गए हैं, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि सीएम योगी ने 80 में 80 का जो संकल्प लिया है, वो श्रमिक वर्ग के समर्थन से पूरा हो सकेगा।

कोरोना काल के दौरान जब काम धंधे बंद हो गए थे, तब अन्य राज्यों में काम कर रहे यूपी के श्रमिक अपने घरों को लौट आए। तब सीएम योगी ने उन श्रमिकों को न सिर्फ यूपी में ही काम दिलाने का वादा किया, बल्कि उसे पूरा भी किया। करीब 38 लाख श्रमिकों की स्किल मैपिंग का कार्य किया गया, जबकि सेवायोजन पोर्टल पर प्राप्त सूचना के अनुसार कुल 10,47,522 श्रमिकों

को रोजगार भी उपलब्ध कराया गया। 9,50,042 श्रमिकों व अभ्यर्थियों को रोज-गार मेलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोज-गार प्रदान किया गया। मिशन रोजगार अभियान के अंतर्गत 1,16,28,561 श्रमिक/अभ्यर्थी लाभान्वित हुए, जबकि 58,62,55,304 मानव दिवसों का सृजन किया गया, जिससे उन्हें आजीविका के साधन उपलब्ध हुए। यही नहीं, 2023-24 में माह दिसंबर, 2023 तक कुल 33,070 निर्माण स्थलों का पंजीकरण कराया गया। वहीं, बीओसी बोर्ड के गठन से माह दिसंबर, 2023 तक कुल 3,66,953 निर्माण स्थलों का पंजीकरण किया गया।

इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के अंतर्गत भारत सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर उत्तर प्रदेश में 23 जनवरी 2024 तक पंजीकृत कामगारों की संख्या 8,33,25,459 पहुंच गई है। इस मामले में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए सरकार ने अटल आवासीय विद्यालयों का शुभारंभ किया है, जहां पर 3 वर्ष से अधिक समय से पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। जल्द ही इसका दूसरा सत्र शुरू होने जा रहा है। इससे श्रमिकों पर से बच्चों की पढ़ाई और उसके खर्च का बोझ भी सरकार ने हल्का कर दिया है। वहीं, बीओसीडब्ल्यू बोर्ड से कुल 1,45,912 अभ्यर्थी लाभान्वित हुए, जिन पर 714.65 करोड़ रुपए का व्यय किया गया। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को मुफ्त राशन का भी लाभ मिल रहा है। ये सारे फैक्टर श्रमिक वर्ग को पीएम मोदी, सीएम योगी और भाजपा सरकार के करीब लाने में अहम फैक्टर साबित हो रहे हैं।

नए प्रत्याशियों का हाथ थाम सीएम ने प्रबुद्धजनों से किया संवाद

पहले गुंडे बम धमाका करते थे अब बम-बम होता है: योगी

बरेली/बदायूं/पीलीभीत, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पीलीभीत, बरेली व बदायूं पहुंचे। इन तीनों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने नए उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। पार्टी ने पीलीभीत से जितिन प्रसाद, बदायूं से दुर्विजय सिंह और बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार को टिकट दिया है। योगी आदित्यनाथ ने तीनों का हाथ थाम प्रबुद्धजनों से संवाद स्थापित किया और कमल खिलाकर इन्हें सदन में भेजने की अपील की। वहीं दो रैलियों में सीएम ने आंवला से धर्मेंद्र कश्यप को भी जिताने का आह्वान किया। सीएम जहां सपा-कांग्रेस समेत समूचे इंडी गठबंधन पर हमलावर रहे तो वहीं पीएम मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियां भी गिनाईं। सीएम ने इस चुनाव को स्वार्थ के परिवार बनाम मोदी के परिवार के बीच का बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीलीभीत से जितिन प्रसाद को जिताने की अपील की। बोले कि देश और प्रदेश का नौजवान अब पलायन नहीं करता है बल्कि खुद का स्टार्टअप स्थापित कर रहा है। बेटियां असुरक्षित नहीं महसूस कर रही हैं, बल्कि फाइटर पायलट बनकर भारत की सुरक्षा का सिंहनाद कर रही हैं। प्रदेश दंगा मुक्त हो चुका है। पीलीभीत में मेडिकल कॉलेज, रोड और पुल के सारे प्रस्ताव को स्वीकृत कर सरकार ने विकास की नई धारा के साथ जोड़ने का काम किया है। इको टूरिज्म के बेहतरीन डेस्टिनेशन के लिए पीलीभीत को आगे बढ़ने का कार्य भी सरकार कर रही है। पीलीभीत में वन्य जीव और मानव के संघर्ष को रोकने के लिए जंगल के बीच में पड़ने वाली किसानों की जमीन के चारों ओर इलेक्ट्रिक फेंसिंग का काम किया गया है। इसके अलावा जंगली जानवरों से किसानों को बचाने और जनहानि को आपदा की श्रेणी में शामिल कर अन्नदाताओं के लिए मुआवजे की व्यवस्था प्रदेश सरकार लागू कर चुकी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बदायूं में कहा कि इस लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस का गठबंधन है। यह लोग प्रदेश को बाहर बदनाम करते हैं। अराजकता फैलाते थे। कांवड़ यात्रा पर बैन लगाते थे। यह कर्फ्यू के समर्थक हैं। इनके समय गुंडे जगह-जगह बम विस्फोट करते थे, लेकिन हमने कहा कि उप्र में बमबाजी नहीं, हर-हर-बम-बम होगा। हमें भी पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत के लिए जुटना है। मोदी जी ने वह कार्य किए, जो असंभव लगते थे। तीन तलाक की प्रथा पर रोक लगी, धारा-370 हटी, राम मंदिर का निर्माण हुआ और रामलला विराजमान हो गए। यहां कई लोगों ने भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की। सीएम ने कहा कि एक तरफ हमने दो माह पहले दातागंज में कंप्रेस्ड बायो गैस के प्लांट का उद्घाटन किया और अब गंगा एक्सप्रेस वे भी उद्घाटन की प्रतीक्षा कर रहा है। गंगा एक्सप्रेस वे यहां की इकॉनमी की रीढ़ बनने जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे लाखों रोजगार व नौकरी लेकर आएगा।

महाकुंभ-2025: फसाड लाइट से रौशन होंगे शहर के प्रमुख मंदिर

प्रयागराज, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज में महाकुंभ को दिव्य, भव्य और नव्य स्वरूप देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत शहर के प्रमुख मंदिरों को अलौकिक स्वरूप देने के लिए नव्य प्रयोग के रूप में फसाड लाइट का काम किया जा रहा है। इसमें कुंभ मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर के प्रमुख प्राचीन मंदिरों को शामिल किया गया है।

महाकुंभ में पर्यटन विभाग को 27 प्रोजेक्ट दिए गए हैं। इनकी लागत 106 करोड़ है । इसमें ज्यादातर प्रोजेक्ट पर विभाग के कार्य रफ्तार पकड़ चुके हैं। इसमें एक प्रोजेक्ट मंदिरों में फसाड लाइट का भी है। कुंभ मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर के सभी प्रमुख मंदिर महाकुंभ में आधुनिक रंगीन फसाड लाइट से जगमगाएंगे। पर्यटन विभाग को इसकी जिम्मेदारी मिली है।

प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि महाकुंभ में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए शहर के प्रमुख मंदिर और धार्मिक महत्व के स्थानों को विशेष आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए फसाड लाइट से सुसज्जित किया जा रहा है। शहर के इन प्रमुख मंदिरों में 924 लाख की लागत से फसाड लाइट का कार्य कराया जा रहा है। कुंभ के दौरान शाम होते ही कुंभ मेला क्षेत्र और उसके बाहर शहर के सभी मंदिर रंग-बिरंगी रोशनी से नहा उठेंगे।

प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन के पहले कुंभ क्षेत्र में पड़ने वाले और क्षेत्र के बाहर के पांच प्रमुख प्राचीन मंदिरों में फसाड लाइट का कार्य किया जाएगा। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि इसके लिए टेंडर भी जारी हो चुके हैं। कुंभ क्षेत्र में शंकर विमान मंडपम मंदिर, दारागंज के नागवासुकी मंदिर और दारागंज का ही श्री अलोप शंकरी देवी मंदिर शामिल है। कुंभ क्षेत्र के बाहर सिविल लाइंस में श्री हनुमंत निकेतन मंदिर और श्रृंगवेरपुर धाम का प्रमुख मंदिर शामिल है। इसमें शंकर विमान मंडपम मंदिर के लिए सबसे अधिक 355 लाख खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा नागवासुकी मंदिर के लिए 195 लाख, श्री अलोप शंकरी देवी के लिए 166 लाख, श्रृंगवेरपुर के लिए 107 लाख और हनुमंत निकेतन मंदिर सिविल लाइंस के लिए 101 लाख शामिल हैं। इसमें सिविल लाइंस के हनुमंत निकेतन मंदिर में इसकी शुरुआत हो चुकी है। शेष सभी मंदिरों पर कार्य महाकुंभ के पूर्व पूरा कर लिया जाएगा।

प्रदेश भर के सभी नगर निगमों ने कर और राजस्व संग्रह में की 133% वृद्धि

लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश नगर विकास विभाग के अंतर्गत नगर निगमों द्वारा कुल कर और राजस्व संग्रह में वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में 133 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल राजस्व संग्रह 2340.35 करोड़ था, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह बढ़कर 3102.08 करोड़ हो गया है। नगर निगमों ने कर राजस्व, विज्ञापन, दुकान किराया, नामांतरण, डॉग लाइसेंस, सिंगल यूज प्ला-स्टिक बैन संग्रह और फूड वैन/कैंटीन यूजर चार्जेज जैसे विभिन्न टाइटल्स के अंतर्गत अपने राजस्व में वृद्धि दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने विगत वर्ष नगर निगमों में बोर्ड के गठन के बाद सभी महापौर के साथ बैठक में राजस्व संग्रह बढ़ने के लिए कदम उठाने को कहा था। ये वृद्धि उसी का प्रतिफल है।

कर राजस्व में, नगर निगमों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1,585.59 करोड़ रुपए का संग्रहण किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 124.8% की वृद्धि दर्शाता है। विज्ञापन मद के अंतर्गत, राजस्व 7,817.08 लाख रुपए तक पहुंच गया, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है। दुकान किराया से संग्रहण 3,174.74 लाख रुपए रहा, जबकि नामांतरण से 7,446.26 लाख रुपए संग्रहित किए गए। कुत्ते के लाइसेंस के तहत राजस्व 85.62 लाख रुपए रहा। सिंगल यूज प्लास्टिक बैन संग्रह से 716.10 लाख रुपए और फूड वैन/कैंटीन यूजर चार्जेज से 2722.63 लाख रुपए का संग्रहण किया गया।

राजस्व संग्रह में इस वृद्धि का श्रेय विभाग द्वारा अपनाई गई नीतियों और प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग को दिया जा सकता है। विभाग ने संपत्ति कर संग्रह और बिल भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग पर बल दिया है। इसके अलावा, विभाग ने राजस्व संग्रह में सुधार के लिए क्षेत्र-वार निगरानी भी शुरू की है। इसके साथ, विभाग ने जीआईएस आधारित सर्वेक्षण की तकनीक का उपयोग करते हुए राजस्व संग्रह में सुधार के लिए क्षेत्र-वार निगरानी भी शुरू की है।

हेल्थ अलर्ट

एलर्जी, नाक बंद साइनस प्रॉब्लम में लाभकारी है जलनेति

एलर्जी, नाक बंद होना, बदलते मौसम में नजला-जुकाम होना, दमा और ब्रोंकाइटिस आदि रोगों में जलनेति बड़ी लाभकारी है। इसके अभ्यास से नाक के अंदर इकट्ठे म्यूकस और बैक्टीरिया की सफाई हो जाती है, जिससे साइनस ब्लॉकेज दूर होती है। यह मस्तिष्क को तरो-तरोताजा रखती है। दिमाग शांत, हल्का, तनाव व थकान मुक्त रहता है। आंख, कान व गले के रोगों की रोकथाम के लिए बड़ी उपयोगी है। इसके फायदों और करने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं योग गुरु सुरक्षित।

इसके लिए टोंटीदार लोटे की आवश्यकता है। इसे लेकर सुबह खाली पेट एक लीटर पानी उबालकर ठंडा होने रख दें। जब पानी गुनगुना रह जाए, तब उसमें एक चम्मच नमक मिला दें। पानी को लोटे में भर लें, फिर कागासन में बैठ जाएं और जिस नासिका से सांस आ जा रही हो, उसी हाथ की हथेली पर लोटा रख लें। अब टोंटी को चलती हुई नासिका पर लगाएं, गर्दन को दूसरी तरफ थोड़ा झुकाएं, मुंह खोलकर मुंह से सांस लेना व निकालना शुरू करें। लोटे को थोड़ा ऊपर की ओर उठाएं, ऐसा करते ही दूसरी नाक से पानी आना शुरू हो जाएगा। पूरे लोटा खाली होने पर फिर पानी भरें व दूसरी नासिका से इसका अभ्यास कर लें। इसके बाद खड़े होकर हाथों को पीछे बांधकर कमर को थोड़ा आगे झुकाकर कपालभाति का अभ्यास करें। जिसमें गर्दन को सामने, नीचे, दाएं व बाएं घुमाकर कपालभाती करें, ऐसा करने से नाक के अंदर रुका पानी भी निकल जाएगा।

सावधानी

शुरू में इसका अभ्यास योग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में ही करें । अपने योग टीचर अपने आप बनें योग की बारीकियों को सीखाने के लिए लाइफ गुरु सुरक्षित जी बेसिक योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स शुरू करने जा रहे हैं। जिसमे आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि योग की बारीकियों के साथ-साथ यौगिक चिकित्सा की जानकारी और योग कराने के तरीके को भी सिखाया जाएगा। जो सुबह 8 बजे से 1 बजे तक, दिनांक 13 मई शनिवार से शुरू होगा और आने वाले तीन शनिवार व तीन रविवार क्लास होगी। तीस घंटे यह कोर्स ईस्ट दिल्ली में होगा। इच्छुक जिज्ञासु surakshityoga@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं।

एक दूसरे को मेसेज करने से मजबूत होते हैं रिश्ते

लंदन। अगर अपने जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में उथल-पुथल चल रही है तो इसमें सुधार के लिए आप एक दूसरे को मेसेज भेज सकते हैं। इससे दोनों व्यक्तियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ रिश्ते में संतुष्टि का भाव भी पैदा होता है। हाल ही में सामने आए एक शोध में पाया गया है कि एक दूसरे को मेसेज भेजने से आप संबंधों में स्थिरता ला सकते हैं। ब्रिटेन में नॉर्थ ब्रिआ यूनिवर्सिटी से सैयुरी नरुस ने कहा, शारीरिक और मानसिक रूप से रिश्ते में सुधार के लिए एक दूसरे को प्यार दिखाने का सरल और प्रभावी तरीका है मेसेजिंग यानी संदेश भेजना। संदेश से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह भावनात्मक है और संदेश पाने वाले और भेजने वाले के संबंधों के लिए बेहतर होता है। यह परिणाम ब्राइटन में ब्रिटिश साइकोलॉजिकल सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में पेश किए गए थे।

हमारे जीवन पर रंगों का आध्यात्मिक दृष्टि से प्रभाव

ईश्वरीय दृष्टि से रंगों धार्मिक मान्यता- भगवान कृष्ण को पीतांबरधारी भी कहते हैं, क्योंकि वे पीले रंग के वस्त्रों से सुशोभित रहते हैं। दरअसल, पीला रंग शुद्ध और सात्विक प्रवृत्ति का परिचायक है। यह सादगी और निर्मलता का भी प्रतीक है। सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु को भी पीला रंग प्रिय है। पीला रंग धारण करने से हमारी सोच सकारात्मक होती है। यह हमारे सृजन का भी प्रतीक है। यह हमें परोपकार करने की प्रेरणा देता है। माता सरस्वती सफेद वस्त्र धारण करती है, दुर्गाजी सभी रंगों के वस्त्रों को धारण करती है जो की उनके स्वरुप के अनुसार होते है।

रंगों की आध्यात्मिक दृष्टि- सात्विक अथवा तामसिक, जो भी मूल स्वभाव होता है, लाल रंग उसे गतिमान करता है। श्वेत, पीले तथा नीले जैसे रंग हमारे सर्व ओर की पवित्रता (शुद्धता) में वृद्धि करने में सहायक होते हैं। दूसरी ओर काले रंग में हानिकारक स्पंदन होते हैं, जो न केवल अनिष्ट शक्तियों को आकर्षित करते हैं; अपितु अच्छी शक्तियों को दूर भी करते हैं।

प्रतिदिन हम रंगों के संदर्भ में चयन करते हैं। उदाहरण के लिए यह चयन करना कि दिन में कौन से रंग के वस्त्र पहनें। आध्यात्मिक स्तर पर हमें ज्ञात हुआ है कि अपनी रुचि के रंग के अनुसार (चाहे वह वस्त्र हों अथवा आसपास की वस्तुएं) हम आध्यात्मिक स्तर पर प्रभावित होते हैं। सूक्ष्म तथा अदृश्य स्तर पर संपूर्ण ब्रह्मांड सत्त्व, रज और तम इन तीन सूक्ष्म गुणों से बना है। तीन सूक्ष्म-गुणों के आधार पर रंगों का वर्गीकरण भी सात्त्विक, राजसिक अथवा तमासिक; इस प्रकार किया गया है। सत्त्व का अर्थ है, आध्यात्मिक शुद्धता और रज तथा तम का क्रमश: अर्थ है, क्रिया और आध्यात्मिक अज्ञान। सात्त्विक रंग के वस्त्र पहनना साधना के लिए सहायक होता है, जबकि रज-तम प्रधान रंग आध्यात्मिक प्रगति के लिए हानिकारक है। रज-तमप्रधान वस्त्र पहनने से हमारे आसपास नकारात्मक स्पंदन बढ जाते हैं। इससे हमारी ओर अनिष्ट शक्तियों के आकर्षित होने की संभावना अधिक होती है; क्योंकि वे भी रज-तम प्रधान होती हैं। अर्थ यह है कि संबंधित रंग सकारात्मक स्पंदनों को आकर्षित करता है और नकारात्मक स्पंदनों को दूर हटाता है। हानिकारक का अर्थ है, नकारात्मक स्पंदनों को आकर्षित करने की क्षमता के साथ ही आध्यात्मिक दृष्टि से सकारात्मक स्पंदनों को हमसे दूर करने की क्षमता।

जानें, खाना खाने के तुरंत बाद पानी क्यों नहीं पीना चाहिए

खाने की टेबल सजाते वक्त पानी ही वह चीज है, जिसे हम सबसे पहले डाइनिंग टेबल पर रखते हैं। घर के बुजुर्ग हमें अक्सर खाना खाते वक्त पानी न पीने की सलाह देते हैं। आइए जानते हैं कि आखिर उनकी इस सलाह के पीछे क्या वजह है...

» खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने से हमारे पाचन तंत्र की वह ऊर्जा जो भोजन पचाने का काम करती है, मंद हो जाती है। जिससे खाना पचने में बहुत वक्त लगता है और सेहत को नुकसान होता है।

»जब खाना बहुत देर तक नहीं पच पाता तो शरीर में कभी ऐसिड की मात्रा बढ़ जाती है तो कभी गैस की समस्या हो जाती है।

»खाना खाने से तुरंत पहले भी ज्यादा पानी न पिएं। खाना खाने के दौरान पानी का सेवन न करने की सलाह भी आयुर्वेद में दी जाती है।

» खाने के दौरान धसका उठने या फंदा लगने पर आप सीमित मात्रा में पानी का सेवन कर सकते हैं।

» बच्चों में यह आदत बचपन से ही डालनी शुरू कर देनी चाहिए। ताकि बड़े होने पर ऐसा करने में उन्हें दिक्कत न आए।

सौंदर्य

इस तरह करें गर्मी के मौसम में बालों की केयर

गर्मी के मौसम के साथ कई परेशानियां भी हो सकती है और उसमें भी हमारे बालों की केयर की भी एक चिंता लगी रहती है। इस मौसम में ह्यूमिडिटी और पसीने के कारण परेशानी होती है तो तेज धूप भी इसे डैमेज करते हैं। आइए ऐसे में जानते हैं कि आप बालों की केयर इस गर्मी में कैसे कर सकते हैं।

शैंपू करें पर ध्यान से

ह्यूमिडिटी और पसीने की वजह से आपके बाल चिपके तो हो सकते हैं लेकिन इसके साथ ही धूप की वजह से वो ड्राई भी होते हैं इसलिए रोजाना शैंपू न करें। हफ्ते में दो बार शैंपू करना काफी है। ज्यादा गंदे होने पर तीन बार शैंपू किया जा सकता है। क्लीन करने के लिए कूलिंग इंग्रेडिएंट्स वाले माइल्ड हर्बल शैंपू सिलेक्ट करें। सिर्फ स्कैल्प पर शैंपू करें। बालों में अलग से शैंपू लगाने से वो ड्राई हो जाते हैं।

धूप में बालों को ढंक बाहर निकलें

सबसे पहले तो धूप में बाहर निकलने से बचें पर, अगर आपको धूप में निकलना ही पड़ता है तो बाल स्कार्फ, हैट या कैप से ढ़ककर निकलना चाहिए। इसके साथ ही लीव-इन कंडीशनर्स का यूज जरूर करें ताकि बाल प्रोटेक्टेड रहें। सनस्क्रीन वाले लीव-इन कंडीशनर्स को प्रिफरेंस दें क्योंकि ये बालों को धूप से बचाने में हेल्प करेंगे। बालों में हेयर सीरम लगाने से भी वो सुरक्षित रहते हैं।

कंडीशनर लगाना कभी ना भूलें

वैसे तो आप बालों को कंडीशन करते ही हैं, लेकिन गर्मियों में इसका खास ध्यान रखें क्योंकि गर्म हवाओं की वजह से बाल ड्राई हो जाते हैं इसलिए शैंपू करने के बाद कंडीशनर का यूज जरूर करें। वैसे कहा जाता है कि कंडीशनर सिर्फ बालों में लगाना चाहिए, बालों की रूट्स पर नहीं, लेकिन ये सही नहीं है। रूट्स पर कंडीशनर लगाने से बालों को मॉइश्चर मिलता है और वो हेल्दी रहते हैं। आप चाहें तो हेयर मास्क के जरिए भी कंडीशनिंग कर सकते हैं।

बालों को दो मुहा ना होने दें

ह्यूमिडिटी और ड्राइनेस दोनों ही बालों को नुकसान पहुंचाती हैं और इससे डैंड्रफ, हेयरफॉल, फ्रिजिनेस की प्रॉब्लम कॉमन हो जाती है। दोमुहे को कंट्रोल करने का सबसे अच्छा तरीका है कि बालों को ज्यादा से ज्यादा बांधकर रखें। इससे उनमें मॉइश्चर लॉक रहता है और वो डैमेज भी नहीं होते। इसके अलावा बालों की डीप कंडीशनिंग करें ताकि उनमें मॉइश्चर बना रहे।

ट्रिमिंग कराते रहें

अगर आपके बालों के सिरे तेजी से फट रहे हैं तो ये बताता है कि या तो वो दो मुहे हो रहे हैं या फिर डैमेज या दोनों। अगर ऐसा है तो बालों की ट्रिमिंग करवाएं। आइडियली 6 से 8 हफ्तों में ट्रिमिंग करवा ही लेनी चाहिए। इसके अलावा हीटिंग प्रोडक्ट्स जैसे ब्लो ड्रायर, स्ट्रेटनर से दूर रहें क्योंकि इनसे निकलने वाली हीट बालों को ड्राई करती है।

अच्छे और विश्वसनीय उत्पादों का इस्तेमाल करें

सही हेयर प्रोडक्ट्स यूज करना सबसे इंपॉर्टेंट हेयर केयर रिजीम है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों के टाइप को कंसीडर करें और उसके अकॉर्डिंग प्रोडक्ट चुनें। ऐसे प्रोडक्ट्स यूज करें जिनमें रेपलिनिशिंग, हायड्रेटिंग और मॉइश्चराइजिंग लिखा हो। वॉल्यूमाइजिंग और बाउंसी टैग वाले हेयर प्रोडक्ट्स को न यूज करें।

रूखे बालों के लिए

एक-चौथाई कप दही में बराबर मात्रा में मेयोनीज और एक अंडे का व्हाइट पार्ट मिलाकर बालों में करीब 30 मिनट के लिए लगाएं। इससे बालों की ड्राइनेस खत्म होगी।

शाइनी बालों के लिए

डीप कंडीशनर एक कप मेयोनीज में आधा कप ऑलिव ऑयल और तीन अंडों के येलो पार्ट को मिक्स करके 20 मिनट के लिए लगाएं और फिर साफ पानी से धो लें।

ये 5 टिप्स अपनाएंगे तो घूमने-फिरने के दौरान होगी बचत

गर्मी की छुट्टियों में आप परिवार के साथ घूमने-फिरने का प्लान बना रहे हैं तो आपको ट्रेवल बजट के बारे में भी सोचना होता है। आप अपने बजट में घूमने का आनंद तभी ले सकते हैं जब आप बेफिजुल के खर्चे से बचें। लेकिन ऐसा मुश्किल से हो पाता है। यहां ऐसे ही 5 टिप्स दिए जा रहे हैं जो कि आपके खर्चे पर लगाम लगा सकते हैं और ऐसी चीजों को अपना सकते हैं जो कि आपके लिए फायदेमंद हो। अब इन टिप्स के साथ आप घूमने-फिरने का भरपूर आनंद ले सकते हैं।

पॉड्स इन होटल

यह छोटा और कॉम्पैक्ट कैप्सूल की तरह होता है। जहां यात्री आराम कर सकता है। मुंबई में खुले सबसे पहले पॉड होटल का नाम अर्बन पॉड है। यह 140 पॉड्स ऑफर करता है जिसमें आपको बेड, एसी, वाई-फाई, टी.वी., यूएसबी पोर्ट और पर्सनल सेफ समेत कई फैसिलटी मिलेगी। इन पॉड्स में एक रात रुकने के लिए 2,030 रु चुकाने पड़ सकते हैं।

सोशल मीडिया

यात्रा के दौरान आप सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके भी पैसा बचा सकते हैं। इसके लिए एयरलाइन कंपनी के ट्विटर हैंडल पर साइन-इन करना होगा। जहां आपको लास्ट मिनट फ्लाइट डिस्काउंट और फ्लैश सेल के बेनिफिट्स मिल सकते हैं। इसके अलावा स्टेट टूरिज्म के फेसबुक पेज पर भी कई तरह के डिस्काउंट ऑफर किए जाते हैं।

यहां से बुक करें फ्लाइट

गूगल फ्लाइट्स, और अन?य साइट्स के जरिए आप मल्टीपल एयरलाइन और सिंगल एयरलाइन कंपनियों में से सबसे सस्ती फ्लाइट का चुनाव कर सकते हैं। इसके अलावा आप और साइटों को भी चेक कर सकते हैं। जहां आपको लिस्टिंग डिस्काउंट्स, पेबैक्स और क्रेडिट कार्ड पर अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है।

कुछ घंटो के पैसे

माइक्रो स्टे का प्रचलन भी भारत में धीरे-धीरे जोर पकड़ रहा है। भारत में कई होटल्स, वेबसाइट और ऐप्स भी रेगुलर कॉस्ट के स्थान पर घंटों के हिसाब से पेमेंट का ऑप्शन दे रहे हैं। बिजनेस ट्रैवलर और किसी स्थान पर कुछ घंटों के लिए समय बिताने के लिए यह पैसा बचाने का सबसे बढ़िया तरीका है। इसे आप अपनी जर्नी में प्रयोग कर सकते हैं।

इन साइट को करें चेक

यात्रा के दौरान कई वेबसाइट आप की बहुत मदद कर सकती हैं। इसलिये ऑनलाइन रहना आप के लिये फायदेमंद साबित हो सकता है। कुछ साइट्स आपको ट्रैवल एग्रीगेटर की तरह डिस्काउंट और डील ऑफर करती हैं। इसमें आपको होटल, फ्लाइट, रेल बुकिंग, कैब बुकिंग जैसी कई और चीजें एक ही जगह मिल जाएंगी।

रेसिपी

पोहा कटलेट

सामग्री

1 कप पोहा, 2 चम्मच मैदा, 3 आलू (उबले और मैश किए हुए),1/2 चम्मच राई, तेल **तलने के लिए,**1 प्याज (बारीक कटा हुआ),1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर,2 चम्मच हरी मिर्च (बारीक कटी हुई),1/4 हल्दी पाऊडर,1/2 चम्मच नींबू का रस, थोड़ा सा हरा धनिया(बारीक कटा हुआ),नमक स्वादअनुसार

विधि

सबसे पहले पोहे को पानी में 5 मिनट के लिए भिगो कर रख दें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, प्याज और मैदा डाल कर फ्राई करें। अब इसमें लाल मिर्च पाऊडर, हरी मिर्च, हल्दी पाऊडर डालकर मिक्स करें। इस मिश्रण को एक कटोरे में निकाल लें। इस मिश्रण में भिगोया हुआ पोहा, नमक, हरा धनिया,आलू और नींबू का रस डाल कर मिक्स करें। अब इस मिश्रण को थोड़ा सा हाथ में ले और कटलेट की शेप दें। ऐसे ही बाकी कटलेस तैयार करें।अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें कटलेट्स को फ्राई करें। पोहा कटलेट तैयार है। इन्हें गरमा-गर्म चटनी के साथ परोसे।

थर्मोमीटर से थायरॉयड की जांच..

आजकल थायरॉयड की समस्या बहुत आम है। ऐसा कोई संदेह लग रहा हो तो घर बैठे थर्मोमीटर से ही आप इसको जांच सकते हैं। अगर किसी को सुबह उठने में परेशानी होती हो या कब्ज, थकान, एकाग्रता की कमी, रूखी त्वचा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो ये सारे लक्षण अंडरऐक्टिव थायराइड यानी हाइपोथायरायडिज्म के हैं। अगर ऐसी परेशानी हो तो घर बैठे थर्मोमीटर से ही इस बात का पता लगा सकते हैं कि थायराइड है या नहीं। थर्मोमीटर से थायराइड जांचने के स्टेप्स पढ़े।

इम्यून सिस्टम में गड़बड़ी

हाइपोथायरायडिज्म शुरू में थायरॉयड की समस्या के रूप में पैदा नहीं होती है। इम्यून सिस्टम में गड़बड़ी से इसकी शुरुआत होती है लेकिन ज्यादातर डॉक्टर एंटी बॉडी टेस्ट नहीं करते हैं जिससे ऑटो इम्युनिटी दिखाई देती है। इसलिए, थायराइड का इलाज करने के लिए, आपको असंतुलन की जड़ तक जाना जरूरी है, दवा लेते हुए लक्षणों को बढ़ते हुए देखना तो एक गलत दिशा में जाने जैसा है ।

बेसल तापमान

बेसल तापमान का मतलब होता है रातभर की नींद से सुबह उठते ही जो शरीर का पहला तापमान होता है। जैसे ही आप बिस्तर से उठ जाते हैं आपकी मांसपेशिया शरीर के तापमान को बढ़ा देती है। इसलिए थायराइड की सही जांच के लिए इसे सुबह उठते ही किया जाना आवश्यक होता है।

मरकरी थर्मोमीटर अगर आप मरकरी थर्मोमीटर का प्रयोग कर रहे हैं तो सुबह बिस्तर छोड़ने से पहले 10 मिनट के लिए इसे अपनी आर्मपिट मे लगाए। थर्मोमीटर को आर्मपिट मे लगाकर वापस से रिलैक्स होकर लेट जाए। 10 मिनट बाद इसका तापमान को कहीं लिख लें।

ब्रेड भजीया

सामग्री

5 किलो ब्रेड स्लाईस, 1/2 कप ताजा गाढ़ा दही, 3/4 कप बेसन, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर

1/4 टी-स्पून हींग, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, नमक स्वादअनुसार, तेल , तलने के लिए, **परोसने के लिए,** टमैटो कैचप

विधि

ब्रेड स्लाईस के किनारे निकाल लें। ब्रेड को छोटे टुकड़ो में तोड़ लें, सभी सामग्री के साथ एक गहरे बाउल में डाल लें और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, चम्मच भर घोल डालकर, सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल ले। टमैटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

विपक्षी एकता के मायने

राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के समर्थक और भाजपा-विरोधी बड़े नेता मौजूद थे। एकजुटता साफ नजर आ रही थी। उनमें से अधिकतर ने देश को आगाह किया कि यदि तीसरी बार भी मोदी सरकार बनी, तो देश का संविधान बदलने की शुरुआत होगी। शासन और भी एकाधिकारवादी हो जाएगा। भारत रूस बन सकता है। लोकतंत्र की आत्मा खत्म कर दी जाएगी। जिस तरह रूस पर पुतिन का राज है, उसी तरह भारत में मोदी की स्थिति होगी। यह आशंका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने जताई थी। संविधान को बदलने की बात राहुल गांधी ने की, जिन्हें किन्हीं भाजपा नेताओं ने 'ब्रीफ' किया था। यहां तक आगाह किया गया कि देश में आग लग जाएगी। इनके अलावा अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, शरद पवार, सीताराम येचुरी, भगवंत मान आदि विपक्षी नेताओं ने रोजगार का संकट, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों का एमएसपी, जांच एजेंसियों की निरंकुशता और प्रशासन आदि के साझा मुद्दे उठाकर अपने लोकसभा चुनाव अभियान को गति दी। सारांश में विपक्ष की साझा रैली कई मायनों में असर छोड़ गई। एक बार फिर 'इंडिया' बिखरने के बजाय लामबंद होता दिखाई दिया। आपसी विरोधाभास को भी उन्होंने स्वीकार किया। बेशक ममता बनर्जी और स्टालिन सरीखे मुख्यमंत्री रैली में नहीं आए, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिनिधि भेजकर स्पष्ट किया कि वे आज भी 'इंडिया' के घटक हैं। बहरहाल विपक्षी नेताओं ने चुनावों को 'लोकतंत्र-संविधान बचाने' की सामूहिक कोशिश चित्रित किया। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने 1857 की प्रथम क्रांति की मूलभूमि मेरठ से चुनाव के दूसरे हिस्से का आगाज किया। उन्होंने 'भारत-रत्न' चौधरी चरण सिंह के 'गौरव समारोह' के जरिए पश्चिमी उप्र के किसानों, जाटों और 'मसीहा' के भक्त-समर्थकों को साधने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने 'भ्रष्टाचार' के मुद्दे पर चुनावी लड़ाई की चेतावनी भी कबूल की और देश से साझा किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी, क्योंकि जनता का जो पैसा लूटा गया है, वह उसे लौटा रहे हैं। अभी तक 17,000 करोड़ रुपए से अधिक लोगों को वापस किए जा चुके हैं, यह प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को 'मोदी की गारंटी' करार दिया और कहा कि वह विपक्ष के रुदन और चिल्लाने से घबराने वाले नहीं हैं। इन दोनों जनसभाओं का आकलन करने के बाद चुनाव विश्लेषकों की व्याख्या है कि जितना एकतरफा आम चुनाव माना जाता रहा है, उतना नहीं है। कुछ गंभीर जन-समस्याओं पर लोगों में ध्रुवीकरण होने लगा है। 'अंडर करंट' भी माना जा रहा है। उप्र और राजस्थान सरीखे राज्यों में जिस तरह एकतरफा 'मोदी लहर' आंकी जा रही थी, अब वह स्थिति नहीं है। प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के काडर को अनुरोध किया है कि वे घर-घर जाएं और कहें कि मोदी जी ने नमस्कार भेजा है। बेशक भाजपा के पक्ष में भ्रष्टाचार के अलावा, अयोध्या राम मंदिर निर्माण, लाभार्थी योजनाएं, महिला वोट बैंक और मोदी सरकार की विभिन्न परियोजनाएं आदि हैं। यदि समूचा विपक्ष आज से ही एक सीट, एक साझा उम्मीदवार की रणनीति को अमलीजामा पहना दे और देश भर में सघन अभियान चलाए, तब भी मोदी और भाजपा-एनडीए 'दुर्जेय' हैं। चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि तमिलनाडु, केरल सरीखे दक्षिण भारतीय राज्यों में इस बार प्रधानमंत्री मोदी, राम मंदिर, सनातन आदि को लेकर एक अनूठी लहर महसूस की जा रही है, लिहाजा भाजपा इस बार इन राज्यों में 'शून्य' नहीं रहेगी। यदि विपक्षी दल आपस में भाजपा-विरोधी वोटों को कम काटें और भरपूर मतदान हो, तब भी भाजपा को परास्त करना बहुत मुश्किल काम है, क्योंकि चुनाव घोषणा से पहले ही भाजपा के काडर ने सभी बुनियादी बंदोबस्त कर दिए थे।

भारत रूस बन सकता है। लोकतंत्र की आत्मा खत्म कर दी जाएगी। जिस तरह रूस पर पुतिन का राज है, उसी तरह भारत में मोदी की स्थिति होगी। यह आशंका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने जताई थी। संविधान को बदलने की बात राहुल गांधी ने की, जिन्हें किन्हीं भाजपा नेताओं ने 'ब्रीफ' किया था। यहां तक आगाह किया गया कि देश में आग लग जाएगी। इनके अलावा अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, शरद पवार, सीताराम येचुरी, भगवंत मान आदि विपक्षी नेताओं ने रोजगार का संकट, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों का एमएसपी, जांच एजेंसियों की निरंकुशता और प्रशासन आदि के साझा मुद्दे उठाकर अपने लोकसभा चुनाव अभियान को गति दी। सारांश में विपक्ष की साझा रैली कई मायनों में असर छोड़ गई। एक बार फिर 'इंडिया' बिखरने के बजाय लामबंद होता दिखाई दिया। आपसी विरोधाभास को भी उन्होंने स्वीकार किया। बेशक ममता बनर्जी और स्टालिन सरीखे मुख्यमंत्री रैली में नहीं आए, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिनिधि भेजकर स्पष्ट किया कि वे आज भी 'इंडिया' के घटक हैं।

नजाकत को देखते हुए दोनों देशों को अपनी-अपनी सेनाएं हटाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए

गाजा पट्टी में युद्ध विराम की जरूरत

ललित गर्ग

हमास एवं इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को विराम देकर, शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को दृढ़ता से शांति प्रयास एवं युद्ध विराम को लागू करना ही चाहिए। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देनी चाहिए। इन दोनों देशों को अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को, ग़ाज़ा पट्टी में युद्ध और मानवीय पीड़ा पर विराम लगाने के लिए, तत्काल युद्धविराम लागू किए जाने और तमाम बन्धकों की तत्काल व बिना शर्त रिहाई की मांग करने वाला एक नया प्रस्ताव पारित कर दिया है। यह प्रस्ताव, 11 मार्च को शुरू हुए रमजान के महीने की करुण एवं मानवीय पुकार है, साथ ही, इसराइल पर हमलों के दौरान बन्धक बनाए लोगों में से शेष 130 लोगों को रिहा किए जाने की मांग है। हमास एवं इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को विराम देकर, शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को दृढ़ता से शांति प्रयास एवं युद्ध विराम को लागू करना ही चाहिए। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देनी चाहिए। इन दोनों देशों को अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी। यह समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी है और इस जरूरत को महसूस करते हुए दोनों देशों को अपनी-अपनी सेनाएं हटाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। ग़ाज़ा में विशाल स्तर पर उपजी आवश्यकताओं और ज़रूरतमन्द आबादी तक मानवीय सहायता पहुँचाएं जाने की भी जरूरत है, क्योंकि वहां के लोग भुखमरी के कगार पर पहुँच चुके है। छह महीने से जारी इस भयंकर जंग के दौरान यह पहला मौका है, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का प्रस्ताव पारित किया है। यह इसलिए संभव हुआ कि अमेरिका ने इसे वीटो करने से परहेज किया। निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद का यह प्रस्ताव विश्व जनमत से उपजे दबाव की अभिव्यक्ति है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध विराम देने के प्रस्ताव को बल देना चाहिए और इसे लागू करने के प्रयास करने चाहिए। पिछले सात अक्टूबर को हमास की ओर से किए गए आतंकी हमले के खिलाफ जब इस्राइल ने कार्रवाई की बात कही तो अमेरिका और भारत समेत तमाम देशों की सहानुभूति उसके साथ थी। लेकिन इस्राइल ने जिस तरह से गाजा में हवाई हमले शुरू किए और वहां से आम लोगों के हताहत होने की खबरें आने लगीं, उसके बाद यह आवाज तेज होती गई कि इस्राइल को अपने अभियान का स्वरूप बदलना चाहिए। अब तक गाजा में करीब 32 हजार लोगों के मारे जाने की खबरें हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। भारत हमेशा युद्ध-विरोधी रहा है, युद्ध-विराम की उसकी कोशिशें निरन्तर चलती रही है। किसी भी देश में यह भ्रम पैदा नहीं होना चाहिए कि भारत हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा है। भारत ने उचित ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह भी बता दिया है कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह कर रहा है। निस्संदेह, भारत को मानवता के पक्ष में शांति, युद्ध-विराम और राहत के प्रयासों में जुटे रहना चाहिए। भारत के ऐसे प्रयासों का ही परिणाम है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का ऐसा प्रस्ताव पारित किया है। गाजा पट्टी में हिंसक टकराव पर विराम लगाने के लिए सुरक्षा परिषद की कई बैठकें हो चुकी हैं, मगर फिलहाल यह सम्भव नहीं हो पाया है। नवम्बर 2023 में एक सप्ताह के लिए लड़ाई रोकी गई थी और गाजा से बंधकों और इस्राइल से फलस्तीनी बंदियों की अदला-बदली हुई थी। मगर, इसके बाद लड़ाई फिर भड़क उठी और इसमें तेजी आई है। गाजा में मृतक संख्या और भूख व कुपोषण से प्रभावित फलस्तीनियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इसके मद्देनजर लड़ाई को जल्द से जल्द रोके जाने और मानवीय पीड़ा पर मरहम लगाने की मांग भी प्रबल हो रही है। दुनिया के किसी भी हिस्से में मानवता का इस तरह पीड़ित एवं मर्माहत होना शर्म की बात है। इस शर्म को लगातार ढ़ोते रहना शक्तिसम्पन्न एवं निर्णायक राष्ट्रों के लिये शर्मनाक ही है। अब एक सार्थक पहल हुई है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। समूची दुनिया और उसके देश हमास एवं इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को विराम देने की अपेक्षा महसूस करते हुए लगातार मांग कर रहे हैं, लेकिन अफसोस की बात थी कि अलग-अलग देशों में हो रहे प्रदर्शनों में व्यक्त होती जनभावना एवं मानवता की पुकार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के रूप में बाहर नहीं आ पा रही थी। खुद अमेरिका इससे पहले गाजा युद्ध विराम से जुड़े तीन प्रस्ताव को वीटो कर चुका था। सोमवार को मतदान से अलग रहते हुए भी उसने इस प्रस्ताव को पारित होने दिया, जो उसके अब तक के रुख में अहम बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी रुख में आए इस कथित बदलाव पर इस्राइल ने भले ही तीखी प्रतिक्रिया जताई। इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने इसी सप्ताह बातचीत के लिए अमेरिका जाने वाले एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम को रद्द करने की घोषणा कर दी। हालांकि अमेरिका ने अपने रुख में बदलाव से इनकार किया है, लेकिन फिर भी माना जा रहा है कि अमेरिका का ताजा कदम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि इस्राइल उसके समर्थन को तय मानकर न चले। भले ही अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की नाकामी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक क्षेत्र में एक रिक्तता पैदा करते हुए संकट को गहराया है लेकिन अब अमेरिका के बदले रूख से युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होने की संभावनाएं हैं। अमेरिका के रुख में यह बदलाव और सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन फिर भी इनके संभावित परिणामों को लेकर अभी धुंधलके ही छाये हैं, किसी निष्कर्ष एवं निर्णायक मोड में पहुंचने की बात अभी जल्दबाजी ही प्रतीत हो रही है। हालांकि अभी बात इस्राइल और फलस्तीन के बेहद लंबे और जटिल विवाद की नहीं, बस गाजा में चल रहे युद्ध को बंद करने और बंधकों को रिहा करने की संभावनाओं तक सीमित है। लेकिन यह सीमित लक्ष्य भी तमाम अनिश्चितताओं से घिरा है। ऐसे में फिलहाल सिर्फ यह उम्मीद और अपील की जा सकती है कि सभी संबंधित पक्ष इस मामले में सकारात्मक और लचीला रुख अपनाएं। बात भले ही अभी गाजा में युद्ध-विराम की हो, लेकिन युद्ध कहीं भी हो, विनाश का ही कारण है, विकास को अवरूद्ध करने एवं शांति एवं अमन को बाधित करने का जरिया है। युद्ध तो लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच भी चल रहा है। हमाम और इस्राइल भी लम्बे समय से युद्धरत है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। विश्वशांति एवं मानवता की रक्षा का ध्यान रखते हुए युद्धरत देशों को युद्ध विराम के लिये अग्रसर होना चाहिए।

दृष्टि कोण

प्राकृतिक खेती को पुनर्जीवित करने की जरूरत

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात से ही भारत को कृषि प्रधान देश के रूप में जाना जाता है। कई किसान पृष्ठभूमि से जुड़ी विभूतियां देश के शीर्ष राजनीतिक पद तक पहुंचीं, मगर उस समय देश की आर्थिकी बहुत कमजोर थी। कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए ज्यादा उत्पादन संभव नहीं था। आज हमारा देश चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है। विश्व भर के हर कार्य क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाएं अपनी चमक बिखेर रही हैं। आज देश के 58 फीसदी लोग कृषि पर निर्भर हैं। 10.07 करोड़ परिवार यानी देश के 48 फीसदी परिवार कृषि करते हैं। विश्व के 70 प्रतिशत लोग गैर कृषि व्यवसाय से जुड़े हैं। कम समय में ज्यादा पैसा कमाना भी सामाजिक परिवेश व सामाजिक मनोदशा के परिवर्तन का एक कारक है। कृषि के क्षेत्र में ज्यादा पैदावार की चाह हर किसान रखता है, जिसके कुछ कारण भी हैं। कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न तरह की रासायनिक खादें, कीटनाशक दवाइयां व कृषि यंत्र महंगे होते जा रहे हैं। आज कृषि क्षेत्र में खुद कार्य करने वाले

किसान नाममात्र के ही रह गए हैं, बाकी सब कृषि यंत्रों, खेतों में कार्य करने वाले श्रमिकों व कृषि में प्रयुक्त होने वाले रसायनों पर निर्भर हैं। सब कुछ दिन प्रतिदिन महंगा होता जा रहा है और अनाज के दाम जस के तस बने हुए हैं। वर्ष भर मेहनत करने वाले किसान फसल बेचकर कई बार उत्पादन खर्च भी पूरा नहीं कर पाते और आमदनी बढ़ाने के लिए वे फसल के ज्यादा उत्पादन की चाह में प्राकृतिक खेती से दूर होते जा रहे हैं। कुछ प्रभाव दीर्घकालिक होते हैं। पहले मनुष्य की औसत आयु 80-90 वर्ष होती थी, मगर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 60 से 70 वर्ष भी बमुश्किल है। वजह थी प्राकृतिक खेती और रसायनमुक्त अनाज। आज के रसायनयुक्त अनाजों से बहुत सी जटिल बीमारियों ने इनसान को जकड़ रखा है। कहते हैं कि पृथ्वी गोल है और इनसान तेजी से ज्यादा धन कमाने की चाह में आगे से आगे बढ़ता जा रहा है। किसान बेचारा कहीं पीछे भी रह जाता होगा, क्योंकि बिचौलिए कमाने की चाह में हमेशा आगे निकल जाते हैं। आखिर में इनसान वहीं पहुंच जाएगा जहां से यात्रा शुरू की थी, यानी अब इनसान को प्राकृतिक खेती के महत्त्व का एहसास होने लगा है। हिमाचल प्रदेश सरकार की 'प्राकृतिक खेती खुशहाल योजना' एक अच्छी शुरुआत है जिसके तहत प्रदेश की 3226 पंचायतों में से 2934 पंचायतों के 72193 परिवारों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस योजना हेतु 25 लाख रुपए के बजट का प्रावधान है जो कि नाकाफी है। पशुपालन हेतु भी किसानों को शुरुआती दौर में आर्थिक प्रोत्साहन की आवश्यकता है, अन्यथा कुछ मजबूरीवस व कुछ स्वार्थ के चलते पशुधन से दूर होते जा रहे हैं और बेचारे पशु इनसान के इस अमानवीय स्वभाव के चलते आवारा बनने को विवश हैं। पशुओं के आवारापन की दिशा में भी कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। गोबर जैसे प्राकृतिक जैविक पदार्थों की बहुमूल्यता को बनाए रखकर भी लोग पशुओं से जुड़े रहेंगे। गांव में प्राकृतिक खेती में काम आने वाले अदानों की आपूर्ति हेतु संसाधन भंडार के लिए 10000 रुपए की सहायता शीघ्रता से किसान समूह बनाकर उपलब्ध करवाई जाए। गौशाला के फर्श पक्का कर गौमूत्र इक_ा करने के लिए गड्ढा बनाने हेतु भी सरकार ने बजट का प्रावधान किया है, वह भी शीघ्रता से किसानों को मिले व भारतीय नस्ल की गाय की खरीद पर 50 फीसदी और अधिकतम 25000 रुपए के उपदान को जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाए। इसके अतिरिक्त परिवहन हेतु 5000 रुपए की राशि का भी विशेष प्रावधान है। छोटे किसानों के लिए यह योजना कारगर साबित होगी, यानी सही ढंग से विभाग द्वारा इसे अमलीजामा पहनाए जाने की जरूरत है।

कुछ अलग

एक ही नारा, एक ही नाम

मेरे प्रिय परिवारजनो! मैं लगातार 11वीं बार चाल क़िले की प्राचीर से झुन्नू लाल बोल रहा हूँ। अब तक आप बीजे पार्टी के चाल, चरित्र और चेहरे का अभ्यास बेहद असरदार तरीके से कर चुके होंगे। हमारी नज़र साल 2047 पर है। हमने विश्व गुरू को विकसित भारत बनाने का नया झुनझुना आपके हाथों में पकड़ा दिया है। जब आपका दिल चाहे आप पहले के झुनझुनों के साथ इसे बजा सकते हैं या चाहें तो अलग से बजा कर परपीड़ा की तान पर इसका आनंद ले सकते हैं। चुनाव आचार संहिता के दौरान देश की संसद के चुनाव जीतने के लिए अपनाए जा रहे हथकंडों से आप आने वाले समय का अंदाज़ा लगा सकते हैं। आपको जून तक पूरी छूट है कि आप जो चाहे लिखें। इसके बाद सरकार या विश्व गुरू की आलोचना, उसकी नीतियों, योजनाओं और कार्यों की समीक्षा और टिप्पणियाँ पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगी। किसी भी व्यक्तिगत या सांस्थानिक कुचेष्टा को सरकार गंभीरता से लेगी। ऐसा करने वाले उद्दंडियों के दिलो-दिमाग़ को दुरुस्त करने के लिए एकाग्रता शिविरों (कंसंट्रेशन कैंप) में भेज दिया जाएगा। ख़ासकर व्यंग्य लिखने वालों को अभी से भजन-चालीसा लिखने का अभ्यास आरम्भ कर देना चाहिए। लेखन की खाज मिटाने के लिए आप चाहें तो पुराणों-कथाओं का अंग्रेज़ी अनुवाद कर सकते हैं, मुझ पर या मेरी सरकार पर लेख और किताबें छाप सकते हैं। लेकिन व्यंग्य लिखने वाले एकाग्रता शिविरों में जाने के लिए तैयार रहें। हिटलर ने नाजियों को ठिकाने लगाने के लिए ज़हरीली गैसों का इस्तेमाल किया था। पर हम इसके लिए नाले की उस गैस का प्रयोग करेंगे, जिससे मैंने आपको चाय बनाना और पकौड़े तलना सिखाया है। हो सकता है आप में से कुछ कथित बुद्धिजीवियों ने जॉर्ज ऑरवेल के उपन्यास 'एनिमल फॉर्म' और '1984' पढ़े हों। 'एनिमल फॉर्म' की तजऱ् पर हम डिमोक्रेसी (लोकतंत्र) को बीस्टोक्रेसी (पशुतंत्र) में बदलने जा रहे हैं। जॉर्ज ऑरवेल चूँकि भारत के पश्चिम बंगाल के मोतीहारी में पैदा हुए थे, उन्होंने आर्यावर्त के भविष्य को काफी पहले भाँप लिया था। लेकिन वह समय का सही अंदाज़ा नहीं लगा पाए थे। नहीं तो अपने जगत विख्यात उपन्यास का नाम 1984 की बजाय 2024 रखते। जल्द ही उत्तरी कोरिया और रशिया को हम पशुतंत्र होने में मीलों पीछे छोड़ देंगे और विश्व के सबसे बड़े पशुतंत्र होंगे। लेकिन आप चिंता न करें, आपको ताउम्र पाँच किलो फ्री राशन मिलता रहेगा। जिस तरह कुत्ता सूखी हड्डी चबाते हुए अपने ही ख़ून का मज़ा लेता है, उसी तरह आप फ्री राशन का आनंद उठा सकते हैं। अन्यथा जीने के लिए सरकार आपको फ्री हवा मुहैया करवा रही है। आपको सरकार का शुक्रगुज़ार होना चाहिए कि अभी तक उसने इस पर जीएसटी या वैट नहीं लगाया है। पर मेरे व्यापारिक मित्रों के बैंक ऋणों के हितों की रखवाली के लिए आपको आने वाले सालों में इसके लिए तैयार रहना चाहिए। यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया पर वर्तमान में सरकार के विरुद्ध बनाए जा रहे वीडियोज़ पर जून में पूरी पाबंदी लागू कर दी जाएगी। इन सभी यूट्यूबर्स को अपनी रोज़ी-रोटी के लिए अभी से दूसरे प्रबंध कर लेने चाहिए। अन्यथा एकाग्रता शिविरों में मिलने वाले घटिया आधे पेट भोजन की तैयारी कर लेनी चाहिए। अभी तो फैक्ट चैक यूनिट पर सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से स्टे है। लेकिन चुनाव आयुक्तों की तरह जल्द ही सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति भी सरकार के हाथ में होगी। मैं गारंटी की गारंटी देता हूँ कि जिस तरह रशिया में सुप्रीम कोर्ट कोमा में गए विपक्षी नेता को जेल में डाल देते हैं, उसी तरह की कडक़ व्यवस्था भारत में सुनिश्चित करवाई जाएगी। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि इन नेक कामों के लिए भगवान ने मुझे चुना है।

देश दुनिया से

उत्तर-दक्षिण विभाजन की झूठी कहानी

दक्षिण भारतीय राज्य आर्थिक दृष्टि से शेष भारत से अलग हैं। क्योंकि भारत की केवल 20 प्रतिशत आबादी पांच दक्षिणी राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में रहती है, लेकिन इन राज्यों को कुल विदेशी निवेश का 35 प्रतिशत प्राप्त होता है। इन राज्यों ने देश के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक विकास किया है और जहां 1993 में ये राज्य देश की जीडीपी का 24 प्रतिशत उत्पन्न करते थे, वहीं अब यह बढक़र 31 प्रतिशत हो गया है। 46 प्रतिशत टेक यूनिकॉर्न दक्षिण भारत से हैं और भारत का 46 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात इन्हीं पांच दक्षिणी राज्यों से होता है। इतना ही नहीं, पत्रिका लिखती है कि 66 फीसदी आईटी सेवाओं का निर्यात भी दक्षिणी राज्यों से होता है।

हाल ही में लंदन से प्रकाशित 'दि इकोनॉमिस्ट' नाम की एक पत्रिका ने एक बेहद शरारती लेख के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन की नई परिभाषा गढऩे की कोशिश की है। पत्रिका यह दावा करने की कोशिश करती है कि दक्षिण भारतीय राज्य आर्थिक दृष्टि से शेष भारत से अलग हैं। क्योंकि भारत की केवल 20 प्रतिशत आबादी पांच दक्षिणी राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में रहती है, लेकिन इन राज्यों को कुल विदेशी निवेश का 35 प्रतिशत प्राप्त होता है। इन राज्यों ने देश के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक विकास किया है और जहां 1993 में ये राज्य देश की जीडीपी का 24 प्रतिशत उत्पन्न करते थे, वहीं अब यह बढक़र 31 प्रतिशत हो गया है। 46 प्रतिशत टेक यूनिकॉर्न दक्षिण भारत से हैं और भारत का 46 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात इन्हीं पांच दक्षिणी राज्यों से होता है। इतना ही नहीं, पत्रिका लिखती है कि 66 फीसदी आईटी सेवाओं का निर्यात भी दक्षिणी राज्यों से होता है। कुछ एजेंडाधर्मी लोगों को छोड़, सारा विश्व जनता है कि उत्तर से दक्षिण तक, पूर्व से पश्चिम तक भारत एक है। इस उपमहाद्वीप में रहने वाले सभी लोग विविध धर्मों, जातियों, भाषाओं, क्षेत्रों, वेशभूषा और खानपान के बावजूद स्वयं को भारतीय मानते हैं। विष्णु पुराण में कहा गया है : 'उत्तरं यत समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षम् तद् भारतम्नाम भारती यत्र सन्तिः।' इसका अर्थ है : समुद्र के उत्तर और हिमालय के दक्षिण में स्थित भूमि को भारत भूमि कहा जाता है और भारत की इस पवित्र भूमि पर रहने वाले लोगों को भारतीय कहा जाता है। यह सच है कि भारत में अलग-अलग क्षेत्रों पर अलग-अलग समय में अलग-अलग शासकों का शासन था, लेकिन पूरे भारत में रहने वाले सभी लोगों के बीच एक अटूट संबंध बना रहा। देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित हमारे ज्योतिर्लिंग, तीर्थ और धाम इस बात के गवाह हैं कि सभी भारतीय पूरे राष्ट्र को अपना राष्ट्र मानते रहे हैं और भाषायी, क्षेत्रीय, खानपान और अन्य विविधताएं कभी भी इसमें बाधक नहीं बनीं। लेकिन अफसोस की बात है कि विदेशी शासन के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा ऐसा साहित्य रचा गया और जानबूझ कर इतिहास लेखन के माध्यम से झूठी कहानियां गढ़ी गईं, जिससे दक्षिण भारत के लोगों के मन में उत्तर भारत के लोगों के खिलाफ जहर भर गया। झूठा इतिहास रचा गया कि, आर्य विदेशों से आए थे और उनके क्रूर आक्रमण से द्रविड़ लोग आहत होकर दक्षिण की ओर जाने को मजबूर हुए। ऐसी स्थिति में हिंदी भाषा के प्रति शत्रुता को दक्षिणी राज्यों में, तमिलनाडु में और भी अधिक तीव्रता से बढ़ावा दिया गया। कहा जाता है कि इस झूठी कहानी की शुरुआत एक जर्मन प्राच्यविद् और भाषाशास्त्री ने की थी। आज प्रचुर मात्रा में वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं जो साबित करते हैं कि आर्य आक्रमण सिद्धांत पूरी तरह से एक मिथक, मनगढ़ंत और काल्पनिक है, और अवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है। भारत, अमरीका और अन्य देशों के शोधकर्ताओं द्वारा हाल ही में प्रकाशित शोध पत्रों के अनुसार, हड़प्पा काल के वैज्ञानिक तथ्यों के साक्ष्य के आधार पर यह कहा जा सकता है कि मध्य एशिया से आर्यों का इतने बड़े पैमाने पर प्रवास कभी नहीं हुआ। इसके अलावा कई इतिहासकारों ने भी इस झूठी कहानी को उजागर करने का काम किया है। लेकिन उसके बावजूद भारत में हो रहे तेजी से विकास से ईर्ष्या करने वाले पश्चिमी दुनिया के देशों द्वारा यह एजेंडा लगातार चलाया जा रहा है। दक्षिण में हुए विकास के आंकड़ों का सहारा लेकर, पत्रिका ने शरारतपूर्ण तरीके से इस मुद्दे को राजनीति से जोड़ा और कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पास दक्षिणी राज्यों में मजबूत आधार नहीं है। पत्रिका का यह भी तर्क है कि इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान सरकार के पास पूरे देश का जनादेश नहीं है। गौरतलब है कि जिस देश (ब्रिटेन) में इकोनॉमिस्ट पत्रिका प्रकाशित होती है, वहां अब तक किसी भी प्रधानमंत्री को चुनाव में पूरे देश से समान जनादेश नहीं मिला है। क्या इसका मतलब यह है कि प्रधानमंत्री के पास पूरे देश का जनादेश नहीं है? दुनिया भर के लोकतंत्र के इतिहास में ऐसे बहुत कम उदाहरण हैं जब सभी क्षेत्रों से समान रूप से बहुमत वोट प्राप्त करके सरकार बनाई गई हो। इसी तरह दक्षिण भारत के कुछ नेता भी इसी प्रकार के तर्क देकर अपनी अलगाववादी राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। हम जानते हैं कि देश में कुछ भ्रष्ट और अयोग्य नेताओं के कारण कई राज्यों का विकास बाधित हुआ, जिनमें दक्षिणी राज्य भी शामिल थे। पूर्वोत्तर के कई राज्य पूर्ववर्ती केंद्र सरकार की उपेक्षा के शिकार रहे हैं।

आप का नजरिया

अपने-अपने मुगालते

हिमाचल विधानसभा का आचरण पहले जनादेश की काबिलीयत में प्रतिबिंबित होता था, वही अब अकालग्रस्त सियासी चरित्र की परिक्रमा में व्यस्त है। छोटे से प्रदेश में आखिर इतने बड़े नखरे क्यों सुशोभित होने लगे। आश्चर्य यह कि तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे अब खुराफाती मंजर की दुहाई देने लगे। न चैन की बांसुरी पहले विधानसभा चुनाव में बजी और न अब उपचुनाव की संगत में मुंह छुपाने की होड़ असरदार दिखाई देती है। मुगालते में लोकतंत्र को यह भी मालूम नहीं कि नैतिकता के इस्तीफे किस करवट सही और किसके कसूर से गलत। कांग्रेस के छह विधायक इस्तीफों के परचम से उपचुनाव में मापे जाएंगे, तो यही दस्तूर निर्दलीय विधायकों को कौन सा पाठ पढ़ा रहा है। बहरहाल घोषित उपचुनाव का कारवां विधानसभा के अध्यक्ष की दहलीज पर थमा है। बाईस मार्च को तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे पर कुंडली मार कर बैठी लोकतंत्र की लाज की व्याख्या स्पीकर कर रहे हैं या खिचड़ी पका कर ही फैसला होगा कि ये कदम कब किस पर भारी पड़ेंगे। पहली बार तीन निर्दलीय विधायक अपने इस्तीफों की इज्जत बचाना चाहते हैं, जो लोकतांत्रिक प्रणाली के अनिश्चित व्यवहार में फंसी है। जाहिर है राजनीतिक घटनाक्रम के दरिया अभी सूखे नहीं और न ही सियासी गणित में इस्तीफों का जहाज डूबा है। लोकतांत्रिक अधिकारों की व्याख्या में समीक्षा है ही कहां। विधानसभा अध्यक्ष का दायित्व इस खोजबीन में है कि कहीं किसी दबाव में निर्दलीय अपनी विधायकी न छोड़ रहे हों, लेकिन दबाव है कहां, अभी तक मालूम नहीं। जिस तरह से विधायक सदन में आए, उससे बड़ी वजह खोजी जा रही है। कारणों की भी लड़ाई कई बार इस तरह होती है, जहां नैतिकता का हवाला भी एक कारण है। कारण समझने के बजाय अपने कारणों से विधानसभा के पात्र एक दूसरे के खिलाफ इतना आगे बढ़ गए हैं कि अब जो इस्तीफा देना चाहते हैं, उन्हें इससे दूर रखने की वजह दिखाई दे रही है। पहली बार विधानसभा परिसर में ऐसा भी एक सदन लगा है, जहां तीन विधायक अपनी विधायकी को खोना चाहते हैं। यहां सत्ता बनाम विपक्ष देखा जा सकता है, लेकिन उससे भी आगे निकल कर निर्दलीय विधायक फिर से चुनाव को आजमाना चाहते हैं, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार ये भाजपा के रंग में मतदान को भुनाना चाहते हैं। बावजूद इसके इस्तीफों को मंजूर कराने के लिए अगर विधायक धरने पर बैठे हैं, तो यह बदलती राजनीति को भी प्रमाणित करता है। विधायक पुनः परीक्षा में उतरने के लिए मान मनौव्वल कर रहे हैं, तो यह जनादेश का अंतिम प्रश्न नहीं। जनादेश को पलटने की शिरकत में देश की गलियां खामोश रहेंगी या इंकलाब जनता के परिवेश में भी आएगा। विधायकों का धरना उस अवधारणा को जन्म दे रहा है कि अब सियासत की रात हमेशा उजालों से लड़ेगी या कब नेताओं की बारात अपना रास्ता बदल लेगी। देहरा, नालागढ़ और हमीरपुर की जनता ने दो प्रमुख दलों को ठुकरा कर क्यों निर्दलीयों को आजमाया, यह विषय जानने के लिए सियासत फिर इन्हीं इलाकों में लौट रही है। इस बार निर्दलीयों ने भाजपा का दामन थाम कर चुनाव की बोली लगाई है।

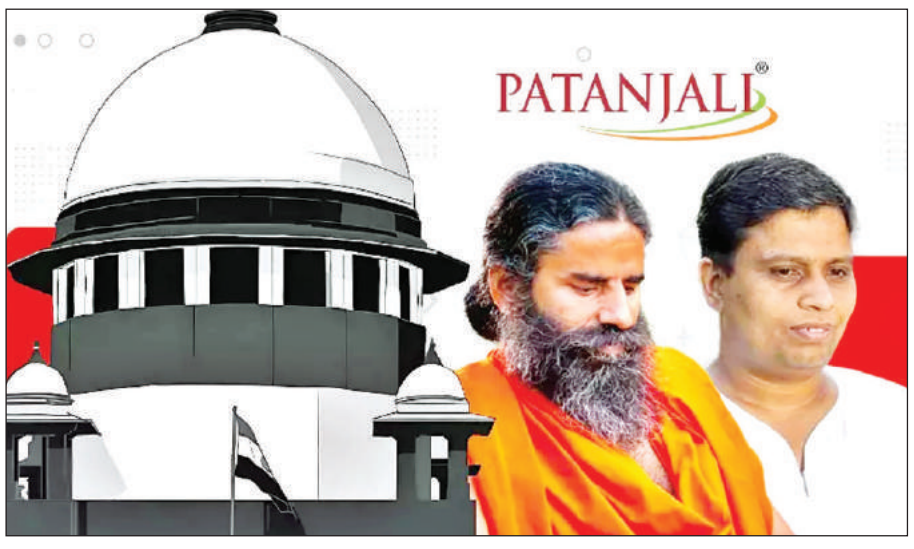

भ्रामक विज्ञापन केस में रामदेव ने सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगी, अदालत ने कहा- यह मान्य नहीं, सरकार से सवाल- आंखें क्यों मूंदे रखीं

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के मैनेजिंग डायरेक्टर आचार्य बालकृष्ण को जवाब दाखिल करने के लिए आखिरी मौका दिया। अदालत ने कहा कि एक हफ्ते में जवाब दाखिल कीजिए। अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। अदालत ने कहा कि सुनवाई पर रामदेव और बालकृष्ण मौजूद रहें।

आज सुनवाई के दौरान रामदेव के वकील बलवीर सिंह ने कोर्ट से कहा कि योगगुरु माफी मांगने के लिए यहां मौजूद हैं। भीड़ की वजह से कोर्टरूम नहीं आ पाए। अदालत ने एफिडेविट देखने के बाद फटकार लगाई और कहा कि यह प्रॉपर एफिडेविट नहीं है।

जब बलवीर सिंह ने माफीनामा पढ़ा तो अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में आदेशों का उल्लंघन करने वाला माफी मांगता है। हमें रामदेव के वकील का माफीनामा नहीं सुनना। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच ने कहा, हम दोनों के खिलाफ झूठी बयानबाजी का केस चलाने का निर्देश रजिस्ट्रार को देते हैं।

अदालत ने बलबीर सिंह से कहा- आप तैयार रहिएगा। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद रामदेव और बालकृष्ण कोर्ट रूम पहुंचे और रामदेव ने बिना शर्त माफी मांगी।

बेंच ने कहा, केवल सुप्रीम कोर्ट नहीं, देश की हर अदालत के आदेश का सम्मान होना चाहिए। आपको अदालत के निर्देशों का पालन करना था और आपने हर सीमा लांघी।

अदालत ने कहा कि जब पतंजलि हर कस्बे में जाकर कह रही थी कि एलोपैथी से कोविड में कोई राहत नहीं मिलती तो केंद्र ने अपनी आंखें क्यों बंद कर रखी थीं।

सही एफिडेविट फाइल ना करने पर केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए था। मेहता ने रामदेव और पतंजलि के वकीलों को सहयोग करने की पेशकश की।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। वहीं खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा किया।

न्यूज ब्रीफ

मांग में तेजी और नए ऑर्डर से विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 16 साल के उच्चतम स्तर पर, पीएमआई 59.1 हुआ

नई दिल्ली। मांग में आई तेजी और उत्पादन व नए ऑर्डरों में अक्टूबर 2020 के बाद सबसे मजबूत वृद्धि के बाद मार्च में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 16 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च में 16 साल के उच्च स्तर 59.1 पर पहुंच गया, जो फरवरी में 56.9 पर था। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे रहना संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, भारत में मार्च का विनिर्माण पीएमआई 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विनिर्माण कंपनियों ने मजबूत उत्पादन और नए आर्डर के बाद भर्ती का विस्तार किया। मजबूत मांग और क्षमता में मामूली सख्ती के कारण मार्च में इनपुट लागत मुद्रास्फीति में तेजी आई। मार्च में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 33वें महीने और अक्टूबर 2020 के बाद से सबसे बड़ी वृद्धि दिखी। इस दौरान उपभोक्ता, मध्यवर्ती और निवेश वस्तुओं के क्षेत्रों में तेजी दिखी। घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों से नए काम की आमद मजबूत हुई।

प्रवासी भारतीयों ने तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड 29 अरब डॉलर भेजे, भारतीय एफसीएनआर पर ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। प्रवासी भारतीयों ने दिसंबर तिमाही में भारत में रिकॉर्ड 29 अरब डॉलर की रकम भेजी है। इसका कारण यह है कि विदेशी मुद्रा-गैर निवासी यानी एफसीएनआर से मिल रहे रिटर्न में लगातार तेजी आ रही है। इस वजह से पश्चिमी देशों के बैंकों के जमा की तुलना में यहां पर ज्यादा ब्याज मिल रहा है। 2023 में कुल 100 अरब डॉलर की रकम मिलने का अनुमान जताया गया है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 1991 में उदारीकरण के बाद से अब तक का यह रिकॉर्ड है। कोविड के बाद के सर्वेक्षण से पता चला है कि सबसे ज्यादा रकम 23 फीसदी अमेरिका से भारत भेजी जा रही है। खाड़ी देशों से आने वाली रकम में गिरावट आ रही है। विश्लेषकों के मुताबिक, पिछला वित्त वर्ष वैश्विक स्तर पर एक अच्छा वर्ष रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक, इस रिकॉर्ड रकम के आने के कई कारण हो सकते हैं। एक तो त्योहारी सीजन में परिवारों की जरूरतों के लिए पैसा भेजना। दूसरा डॉलर की तुलना में रुपये में गिरावट और तीसरा बैंकों की ओर से एफसीएनआर में ज्यादा ब्याज। अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान एफसीएनआर जमा में कुल 4.15 अरब डॉलर की रकम आई है। यह उसके पहले के साल की तुलना में तीन गुना अधिक है।

सोने-चांदी में तेजीः सोना 68,600 और चांदी का भाव 76 हजार के पार पहुंचा

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी 76 हजार रुपये और सोना 68,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 249 रुपये की तेजी के साथ 68,580 रुपये के भाव पर खुला। सोने के वायदा भाव ने 69,487 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 218 रुपये की तेजी के साथ 75,750 रुपये के भाव पर खुला। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,272.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,257.10 डॉलर था। जो 16.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,273.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.23 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.07 डॉलर था। जो 0.32 डॉलर की तेजी के साथ 25.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

हैवीवेट शेयरों में बिकवाली से लुढ़का शेयर बाजार, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई तेजी

सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट के बावजूद निवेशकों को 2.52 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हैवीवेट शेयरों में हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को दबाव में कारोबार करते रहे। हालांकि छोटे और मंझोले शेयरों में मंगलवार को जमकर खरीदारी हुई, जिसके कारण बाजार के गिरने के बावजूद निवेशकों को ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा हो गया। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचे। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के दौरान खरीदार और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश करते रहे, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, रियल्टी, मीडिया, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल और पावर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर टेलीकॉम, आईटी और बैंकिंग इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बेंचमार्क इंडेक्स में

गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 395.67 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 393.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार के कारोबार से करीब 2.52 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,959 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,840 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,005 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,278 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,761 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 517 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 7.75 अंक की सांकेतिक तेजी के तहत 74,022.30 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ समय बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 85.23 अंक की मजबूती के साथ 74,099.78 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इसने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में पूरे दिन लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार चढ़ाव होता नजर आया। बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक 270.78 अंक टूट कर 73,743.77 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक ने निचले स्तर से 150 अंक से अधिक की रिकवरी करके 110.64 अंक की गिरावट के साथ 73,903.91 अंक के स्तर पर मंगलवार को कारोबार का अंत किया।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 3.20 अंक की कमजोरी के साथ 22,458.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 35.60 अंक की मजबूती के साथ 22,497.60 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से निफ्टी 73.85 अंक फिसल कर 22,388.15 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने भी लिवाली का दम दिखाया, जिसके कारण इस सूचकांक ने निचले स्तर से करीब 65 अंक की रिकवरी करने में सफलता हासिल की। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 8.70 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 22,453.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 4.07 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.92 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.59 प्रतिशत, बीपीसीएल 2.51 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स 2.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, हीरो मोटोकॉर्प 2.56 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 1.86 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.82 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.68 प्रतिशत और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ मंगलवार के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

टाटा टेक्नोलॉजीज और बीएमडब्लू ग्रुप के बीच जॉइंट वेंचर

पुणे, बेंगलुरू और चेंन्नई में सॉफ्टवेयर और आईटी डेवलपमेंट हब स्थापित करेंगी कंपनियां

नई दिल्ली,02 अप्रैल ।

टाटा टेक्नोलॉजीज और बीएमडब्लू ग्रुप ने जॉइंट वेंचर स्थापित करने के लिए एक समझौते पर साइन किया है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां पुणे, बेंगलुरू और चेंन्नई में एक ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और आईटी डेवलपमेंट हब स्थापित करेंगी। टाटा टेक्नोलॉजीज ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है।

इस जॉइंट वेंचर में दोनों कंपनियों की 50 प्रतिशत-50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। इस खबर के बाद टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर में 6 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 12 बजे कंपनी का शेयर 67 रुपए की तेजी के साथ 1,117.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। टाटा टेक्नोलॉजीज के सीईओ और एमडी वॉरेन हैरिस ने कहा, बीएमडब्लू ग्रुप के साथ हमारा कोलैबोरेशन हमारे कमिटमेंट को दर्शाता है कि हम दुनिया भर के कस्टमर्स को ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और डिजिटल इंजीनियरिंग को टॉप-टियर सॉल्यूशन प्रोवाइड करें।

एक बेहतर दुनिया को बनाने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप, हम अपनी एक्सपर्टीज को सामने लाने के लिए उत्साहित हैं। बीएमडब्लू ग्रुप के प्रीमियम प्रोडक्ट्स को इंजीनियरिंग करने में मदद करना, उनके कस्टमर्स को ग्रेट डिजिटल एक्सपीरियंस प्रोवाइड करना और उनके बिजनेस में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी को आगे बढ़ाना है।

टाटा टेक्नोलॉजीज के ऑटोमोटिव सेल्स के प्रेसिडेंट, नचिकेत परांजपे ने कहा,हम बीएमडब्लू ग्रुप के साथ मिलकर अपने डीप डोमेन नॉलेज और एसडीवी एक्सपर्टीज का इस्तेमाल व्हीकल्स इंजिनियरिंग में करेंगे, जो न केवल टेक्निकल रूप से एडवांस हैं। बल्कि, दुनियाभर के कस्टमर्स को एक्सेप्शनल एक्सपीरियंस को डिलीवर करता है। बीएमडब्लू ग्रुप के सॉफ्टवेयर और आर्किटेक्चर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट क्रिस्टोफ ग्रोटे ने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ हमारा कोलैबोरेशन हमारी सॉफ्टवेयर-डिफाइन व्हीकल के क्षेत्र में प्रोगेस को बढ़ाएगा।

इंटरनेशनल कंपैरिजन में इंडिया में सॉफ्टवेयर स्किल्स के साथ बड़ी संख्या में टैलेंटेड लोग हैं, जो हमारी सॉफ्टवेयर कैपेबिलिटी में कॉन्ट्रिब्यूशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीएमडब्लू ग्रुप के साथ डेवलपिंग व्हीकल सॉफ्टवेयर डेबलप करने का मतलब टॉप-क्लास प्रोसेसिंग टूल्स के साथ काम करना। जो बदले में भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को हाई-एंड ऑटोमोटिव एक्सपीरिंय देता है।

2023-24 में एचएएल ने हासिल किया 29810 करोड़ से अधिक राजस्व, 11 प्रतिशत की हुई वृद्धि

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रक्षा पीएसयू हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 29,810 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व दर्ज किया है। एचएएल ने बताया कि उसने लगभग 11 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है।

गौरतलब है कि पीएसयू बंगलूरू में स्थित है। वहीं, एक्स पर जारी एक पोस्ट में, एचएएल ने लिखा कि उसने परिचालन से अब तक का सबसे अधिक राजस्व दर्ज किया है। साथ ही वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 29,810 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) से अधिक, पिछले वित्तीय वर्ष में 9 प्रतिशत की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत की दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई।

बता दें कि पिछले वर्ष का यह आंकड़ा 26,928 करोड़ रुपये था। एचएएल ने आगे बताया कि भूराजनीतिक मुद्दों के कारण उत्पन्न होने वाली प्रमुख आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों के बावजूद, कंपनी ने पूरे वर्ष बेहतर प्रदर्शन किया और अपेक्षित राजस्व वृद्धि हासिल की है।

अतिरिक्त ऑर्डर मिलने की उम्मीद-कंपनी की ऑर्डर बुक 31 मार्च, 2024 तक, 94,000 करोड़ रुपये से अधिक है और अतिरिक्त बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने विकास की गति को बरकरार रखा है और बेहतर प्रदर्शन हासिल किया है।

तेजस श्रृंखला का पहला विमान एलए5033 28 मार्च को बेंगलुरु में एचएएल सुविधा से उड़ान भरने के बाद सफलतापूर्वक लांच हुआ। एचएएल के मुताबिक, तेजस एमके1ए विमान ने 18 मिनट की सफल उड़ान भरी। विमान का संचालन मुख्य परीक्षण पायलट ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) केके वेणुगोपाल ने किया।

इंफोसिस को मिला आयकर विभाग से 341 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस को असेसमेंट ईयर 020-21 के लिए 341 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड मिला है। इस आदेश के खिलाफ कंपनी अपील दायर करने का विचार कर रही है।

बेंगलुरु में स्थित इंफोसिस मुख्यालय ने कहा कि वह 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अपने वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन कर रही है। ऐसे में कंपनी इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करने का मूल्यांकन कर रही है।

इंफोसिस ने बीएसई फाइलिंग में कहा कि इसके अलावा कंपनी की एक सहायक कंपनी को भी असेसमेंट ईयर 2014-15 के लिए आयकर विभाग से रिफंड आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें आदेश के अनुसार रिफंड राशि 15 करोड़ रुपये है।

इंफोसिस को इन मामलों में मिला विभाग द्वारा नोटिस

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इंफोसिस ने हाल ही में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 6,329 करोड़ रुपये के रिफंड की उम्मीद है। कंपनी ने विभिन्न मूल्यांकन आदेशों का हवाला देते हुए 2,763 करोड़ रुपये की कर मांग की भी जानकारी दी थी।

पिछले हफ्ते इंफोसिस लिमिटेड ने बीएसई फाइलिंग में कहा कि उसे तिमाही के दौरान मूल्यांकन वर्ष 07-08 से 15-16, 17-18 और 18-19 के लिए आयकर विभाग से आदेश प्राप्त हुए। इन आदेशों के अनुसार, कंपनी को 6,329 करोड़ रुपये (ब्याज सहित) की वापसी की उम्मीद है। कंपनी 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही और वर्ष के वित्तीय विवरणों पर इन आदेशों के निहितार्थ का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया में है।

इंफोसिस 18 अप्रैल को चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा करेगा।

कंपनी को मूल्यांकन वर्ष 22-23 के लिए ब्याज सहित 2,763 करोड़ रुपये की कर मांग के साथ और मूल्यांकन वर्ष 11-12 के लिए ब्याज सहित 4 करोड़ रुपये की टैक्स डिमांड का ऑर्डर मिला है।

इंफोसिस को सहायक कंपनियों के लिए भी कुल 277 करोड़ रुपये के मूल्यांकन आदेश मिले हैं। खबर लिखते वक्त इंफोसिस कंपनी के शेयर गिरावट के साथ 1,487.30 प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

विस्तारा एयरलाइन की उड़ानों की लेटलतीफी और रद्द होना बन सकती है बड़ी मुसीबत

एयर इंडिया में मर्जर से पहले क्यों मुश्किल में फंसा एयरलाइन

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

देश का एयरलाइन उद्योग फिर चर्चा में है। इस बार चर्चा में टाटा समूह की स्वामित्व वाली विस्तारा एयरलाइन है। विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय होना है, पर इस विलय से पहले एयरलाइन की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। पिछले कुछ दिनों में विस्तारा के विमानों के रद्द होने और देरी से चलने की खबरें आ रही है। एयरलाइन को बीते कुछ दिनों में अपनी उड़ानों की संख्या को अस्थाई रूप से कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

विस्तारा की विमानों के साथ क्या हुआ-विस्तारा एयरलाइन की लगभग 50 उड़ानें रद्द की गई है। वहीं लगभग 160 के करीब विमान देरी से उड़े। आशंका है करीब 70 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। अगर ऐसा होता है विस्तारा के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार विस्तारा एयरलाइन 300 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन करती है। विमानन कंपनी प्रभावित यात्रियों का बैकलॉग हटाने के लिए घरेलू मार्गों पर बड़े आकार के ड्रीमलाइनर और एयरबस ए321 तैनात करने की योजना बना रही है।

विमानों के रद्द होने का एयर इंडिया के साथ होने वाले मर्जर से क्या संबंध है-एयर इंडिया में विस्तारा के विलय की प्रक्रिया चल रही है। इस विलय से पहले विमानन कंपनी के परिचालन में आ रही दिक्कतों को इस मर्जर से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विस्तारा एयरलाइन के कर्मचारियों में इस बात को लेकर असंतोष है कि मर्जर के बाद उनके वेतन में कटौती हो सकती है। हाल के महीनों में कई पायलट्स ने बीमार होने की भी जानकारी दी है। ऐसी स्थिति में चालक दल की अनुपलब्धता विमानों के देर होने और रद्द होने का

कारण बनी है। विशेष रूप से पिछले 2-3 दिन एयरलाइन के लिए चिंताजनक रहे हैं। इस दौरान सोशल मीडिया पर शिकायतों की बाढ़ आ गई है। एयरलाइन ने परिचालन में बाधा आने की खबरों को स्वीकार भी किया। हालांकि मुंबई में अन्य एयरलाइनों की उड़ानों में भी 30-40 मिनट की देरी हुई, लेकिन इसकी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई यात्रा से जुड़ी वीवीआईपी गतिविधियों को माना गया।

परिचालन में आ रही दिक्कतों पर एयरलाइन क्या कह रही है-विस्तारा ने कहा कि उसने अपने नेटवर्क में पर्याप्त कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए उड़ानों की संख्या अस्थायी रूप से कम करने का फैसला किया है, और प्रभावित ग्राहकों को वैकल्पिक उड़ान विकल्प या रिफंड की पेशकश की जा रही है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हम समझते हैं कि परिचालन से जुड़ी बाधाओं से हमारे ग्राहकों को असुविधा हुई है और हम उनसे ईमानदारी से माफी मांगते हैं। हम स्थिति को स्थिर करने की दिशा में काम कर रहे हैं और बहुत जल्द अपनी नियमित क्षमता के साथ संचालन फिर से शुरू करेंगे।

जहां विस्तारा के पायलट संभावित वेतन कटौती की शिकायत कर रहे हैं, वहीं अन्य कर्मचारियों में भी असंतोष है। एयरलाइन के एक कर्मचारी ने कहा, मुद्दा यह है कि विलय के बाद बनने वाली एयरलाइन में हम किस स्तर पर होंगे। सूत्रों का कहना है कि विस्तारा का एयर इंडिया में विलय के बाद वरिष्ठ भूमिकाओं पर तो अधिक असर नहीं पड़ेगा पर एयललाइन के अन्य कर्मियों को समायोजित करने की बहुत गुंजाइश नहीं है। हालांकि इससे पहले, एयरएशिया इंडिया के एयर इंडिया एक्सप्रेस में विलय के दौरान इसी तरह की समस्या देखने को नहीं मिली थी।

यात्रियों की परेशानी दूर करने के लिए सरकार क्या कर रही-विस्तारा एयरलाइंस की बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने और फ्लाइट्स में देरी होने पर लोगों ने नाराजगी के बाद सरकार भी हरकत में आ गई है। सोशल मीडिया पर यूजर्स कंपनी की सर्विस को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस की इतनी बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने और उड़ानों में देरी होने पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भी कंपनी से जवाब मांग लिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइन से क्या कहा?

उड़ानों के रद्द और देर होने की खबरों के बीच डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइन को परिचालन में आई दिक्कतों की दैनिक जानकारी और विवरण देने को कहा है। एयरलाइन को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सीएआर सेक्शन-3, सीरीज एम, पार्ट -4 के प्रासंगिक प्रावधानों जैसे बोर्डिंग से इनकार किए जाने, उड़ानों के रद्द होने और उड़ानों में देरी के कारण एयरलाइनों द्वारा यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं जैसे अग्रिम सूचना, वापसी का विकल्प, मुआवजा (यदि लागू हो) आदि का अनुपालन किया जाए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि इसके अतिरिक्त, नियामक के अधिकारी उपर्युक्त सीएआर के अनुपालन को सुनिश्चित करने और यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

चार्ल्सटन ओपन टेनिस : वोज्नियाकी, अनिसिमोवा जीतीं वॉलिनेट्स ने 2024 का सबसे लंबा मैच जीता

चार्ल्सटन,02 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व विश्व नंबर 1 और 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता कैरोलिन वोज्नियाकी ने चार्ल्सटन ओपन में विजयी वापसी करते हुए लकी लूजर अमेरिका की मेकार्टनी केसलर को केवल 61 मिनट में 6-0, 6-1 से हरा दिया।

वोज्नियाकी की 2019 में चार्ल्सटन में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति के बाद से क्ले कोर्ट पर यह पहली जीत थी, जब वह अब तक अपने तीन फाइनल में से तीसरे में पहुंची थी। वोज्नियाकी, जो 2019 में लोकंट्री में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति में उपविजेता रही थीं, 2023 के मध्य में खेल में लौटने से पहले 2020 की शुरुआत में टेनिस से दूर हो गई थीं। दूसरे दौर में, वोज्नियाकी अब नंबर 15 वरीयता प्राप्त एन्हेलिना कलिनिना के खिलाफ खेलेंगी, जिसके खिलाफ वह मियामी के उसी चरण में मैच प्वाइंट से यूक्रेनी को बाहर करने में विफल रही, कलिनिना टूर-स्तर पर चौथी सबसे लम्बी जीत 5-7, 7-5, 6-4 से हासिल करने में सफल रही।

इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा दूसरे दौर में वोज्नियाकी से जुड़ गईं। पूर्व चार्ल्सटन सेमीफाइनलिस्टों के बीच हुए मुकाबले में अनिसिमोवा ने फ्रांस की एलिजे कॉर्नेट को 1 घंटे 25 मिनट में 6-3, 6-0 से हराया। अनिसिमोवा अब दूसरे दौर में अपनी साथी अमेरिकी और नंबर 1 वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी। बाद में शाम को, 22 वर्षीय अमेरिकी क्वालीफायर केटी वॉलिनेट्स ने नीदरलैंड की 54वीं रैंकिंग वाली अरांटेक्सा रस को 6-2, 6-7(6-8), 7-6(8-6) से हराने से पहले दो मैच प्वाइंट बचाए। यह 3 घंटे और 43 मिनट की अवधि के साथ सीज़न का नया सबसे लंबा डब्ल्यूटीए टूर मैच था। यह मैच इस साल के पिछले सबसे लंबे मैच की तुलना में एक मिनट अधिक समय तक चला, जब अबू धाबी के दूसरे दौर में मैग्डा लिनेट पर बीट्रिज़ हद्दाद माइया ने 3 घंटे और 42 मिनट में जीत दर्ज की थी।

वोलिनेट्स अब दूसरे दौर में हमवतन एम्मा नवारो से भिड़ेंगी, जो 10वीं वरीयता प्राप्त हैं। घरेलू उम्मीद शेल्बी रोजर्स ने साथी अमेरिकी क्लेयर लियू पर 6-1, 6-1 की निर्णायक जीत के साथ रात के सत्र की शुरुआत की। अन्य विजेताओं में एकल में मैग्डा लिनेट और डारिया सैविले शामिल थे, जबकि मैडिसन कीज़ और टेलर टाउनसेंड ने युगल में नंबर 3 वरीयता प्राप्त मियू काटो और एल्डिला सुत्जियादी पर 6-1, 2-6, 10-7 से जीत हासिल की।

न्यूज ब्रीफ

चानू का ओलंपिक टिकट पक्का, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विश्व कप में खेलीं

फुकेट (थाईलैंड)। हांगझोऊ एशियाई खेलों में बुरी तरह चोटिल होने के बाद पुनर्वास के दौर से गुजरीं मीराबाई चानू ने विश्वकप में वापसी कर पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का कर लिया। मीरा ने बीते वर्ष अक्तूबर में हुए एशियाई खेलों के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में वजन उठाया। मीरा ने रणनीति के मुताबिक काफी कम वजन से शुरुआत करते हुए कुल 184 किलो वजन उठाया और पांच लिफ्ट पास कीं। हालांकि वह ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रहीं। पेरिस के टिकट के लिए मीरा का इस टूर्नामेंट में भाग लेना अनिवार्य था। यहां खेलना अनिवार्य नहीं होता तो मीरा विश्वकप में नहीं खेलतीं। उन्होंने अमेरिका से अपनी चोट का इलाज कराने के बाद कुछ सप्ताह पूर्व वजन उठाना शुरू किया है। कोच विजय शर्मा की रणनीति के मुताबिक उन्हें एकदम से ज्यादा वजन उठाने के लिए नहीं दिया जा सकता। विजय ने बताया सब कुछ रणनीति के मुताबिक हुआ और वह मीरा के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। मीरा का सर्वश्रेष्ठ 205 किलो है, लेकिन उन्हें स्नैच में 75, 79, 81 किलो और क्लीन एंड जर्क में 98, 103, 106 वजन दिया गया। उन्होंने 106 वजन भी उठाया, लेकिन इसे अयोग्य करार दिया गया। मीरा का कहना है कि वापसी के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उनका लक्ष्य पेरिस ओलंपिक के लिए स्थान सुरक्षित करना था, जो उन्होंने कर लिया है।

दिनेश ने पारिवारिक जरूरत के कारण बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट छोड़ा

चटगांव। श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश चांडीमल बांग्लादेश के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन पारिवारिक चिकित्सा जरूरत के कारण चटगांव से वापस कोलंबो लौट गए। चांडीमल की अनुपस्थिति के परिणामस्वरूप श्रीलंका को शेष मैच के लिए एक स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक को मैदान पर लाना पड़ा। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने एक बयान जारी कर इस कठिन समय में चांडीमल को अपना पूरा समर्थन देने पर जोर दिया और जनता से उनकी और उनके परिवार की निजता का सम्मान करने का आग्रह किया। दिनेश चंडीमल पारिवारिक चिकित्सा जरूरत के कारण तत्काल प्रभाव से बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच खेलने वाली टीम से हट गए हैं। इसके मुताबिक खिलाड़ी तुरंत घर लौट आएगा। एसएलसी द्वारा दिए गए एक बयान में कहा गया है, श्रीलंका क्रिकेट, उनके टीम के साथी और कोचिंग स्टाफ जरूरत के इस क्षण में दिनेश चांडीमल का पूरा समर्थन करते हैं और अनुरोध करते हैं कि जनता उनकी और उनके परिवार की गोपनीयता का सम्मान करे। तीसरी शाम को छह विकेट खोने के बावजूद, श्रीलंका ने दूसरी पारी में 353 रन की बढ़त लेकर टेस्ट पर नियंत्रण बनाए रखा। इस पारी में चांडीमल नौ रन बनाकर विकेट के पीछे कैच आउट हो गए थे। वह अर्धशतक तक पहुंचने वाले छह बल्लेबाजों में से एक थे, क्योंकि मेहमान टीम ने शुरुआती पारी में 531 रन बनाए थे। सिलहट में जीत के बाद श्रीलंका फिलहाल दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

पूर्व पाक क्रिकेटरों ने भी मयंक यादव को शीर्ष स्तर का तेज गेंदबाज बताया

लाहौर। पहली बार आईपीएल खेल रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव अपने डेब्यू मैच से ही खासे लोकप्रिय हो गये हैं। मयंक ने अपने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। मयंक की तारीफ देश ही नहीं देश से बाहर भी हो रही है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों ने भी मयंक को एक बेहतरीन गेंदबाज बनाया है।

21 साल के मयंक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 150 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की गति से 9 गेंदें फेंकी थीं। उन्होंने इस मैच में 155.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंद भी फेंकी। मैच में मयंक ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए। इसी प्रदर्शन को देखकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने भी इस गेंदबाज की प्रशंसा की है। राशिद ने कहा कि उसका एक्शन भी अच्छा है क्योंकि 155 की रफ्तार से गेंदबाजी करना आसान नहीं होता है। लतीफ ने कहा कि अगर वह अपनी सेहत का ध्यान रखकर शरीर को ओर मजबूत बनाता है तो भविष्य में और आगे तक जाएगा। लतीफ ने कहा कि उनके पास गति के साथ ही सटीकता भी है और वह तेज बाउंसर भी डालता है। जिससे उसमें एक शीर्ष स्तर का तेज गेंदबाज बनने की सभी खूबियां हैं। वहीं पाक के ही एक और पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा कि वह एक बेहतरीन गेंदबाज है ओर अपनी फिटनेस अच्छी कर अपनी गेंदबाजी को और निखार सकता है।

मयंक यादव की रफ्तार का कहर, चिन्नास्वामी पर आरसीबी की एक और हार, लखनऊ ने मारा मैदान

बेंगलुरु, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को तीसरी हार मिल गई है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आरसीबी को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 28 रन से हराया। अपने घरेलू मैदान पर आरसीबी को लगातार दूसरी हार मिली है। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 181 रन बनाये। बेंगलुरु में यह स्कोर बड़ा रहा था लेकिन आरसीबी की बैटिंग मयंक यादव की तेज गेंदबाजी के सामने पूरी तरह फेल रही। टीम आखिरी ओवर में 153 रनों पर ऑलआउट हो गई। मयंक ने 4 ओवर में 13 रन देकर 3 विकेट लिए। आरसीबी की यह चार मैच में तीसरी हार है जबकि लखनऊ की तीन मैच में दूसरी जीत।

सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की 56 गेंद में 81 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। डिकॉक ने अपनी पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाने के साथ पहले विकेट के लिए केएल राहुल (14 गेंद में 20 रन) के साथ 53 रन और मार्कस स्टोइनिस (15 गेंद में 24 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी की। निकोलस पूरन ने आखिरी ओवरों में 21 गेंद में पांच छक्के की मदद से नाबाद 40 रन बनाये। आरसीबी के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने चार ओवर में महज 23 रन देकर दो विकेट चटकाये। रीस टॉप्ली, यश दयाल और मोहम्मद सिराज को एक-एक सफलता मिली। दयाल ने चार ओवर में सिर्फ 24 रन दिये।

डिकॉक और राहुल ने लखनऊ को तेज शुरुआत दिलाई। पहले ओवर में रीस टॉप्ली के खिलाफ डिकॉक तीन चौके लगाने के बाद सिराज के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्के जड़कर अपने इरादे जाहिर कर दिये। राहुल ने पांचवें ओवर में यश दयाल और छठे ओवर में मैक्सवेल की गेंद को दर्शकों के पास भेजा लेकिन अगली गेंद पर फिरकी में फंस गए। देवदत्त पडिक्कल का संघर्ष इस मैच में जारी रहा जो 11 गेंद में सिर्फ छह रन बनाकर सिराज का शिकार बने।

डिकॉक ने 12वें ओवर में डागर पर चौके के साथ अपना अर्धशतक जबकि छक्के के साथ टीम की रनों का शतक पूरा किया। उन्होंने इसके बाद स्टोइनिस के साथ रन गति को तेज करने पर ध्यान दिया और कैमरून ग्रीन के ओवर से 19 रन बटोरे। स्टोइनिस ने मैक्सवेल पर छक्का लगाकर डिकॉक के साथ 26 गेंद में अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। मैक्सवेल ने इसी ओवर में स्टोइनिस को पवेलियन की राह दिखायी। टॉप्ली ने 17वें ओवर में डिकॉक की शानदार पारी का अंत किया लेकिन उनके अगले ओवर में शानदार लय में चल रहे पूरन ने हैट्रिक छक्का जड़ दिया। पूरन ने आखिरी ओवर में सिराज के खिलाफ दो छक्के लगाकर टीम के स्कोर को 180 के पार पहुंचाया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस ने अच्छी शुरुआत दी। शुरुआती 4 ओवर में टीम के 36 रन हो गए थे। लेकिन 5वें ओवर की पहली गेंद पर चौका मारने के बाद दूसरी गेंद पर विराट कोहली एम सिद्धार्थ का शिकार हो गए। उन्होंने 22 रनों का योगदान दिया। मयंक यादव 5वां ओवर लेकर आए और पहली ही गेंद पर देवदत्त पडिक्कल ने डायरेक्ट हिट मारकर फाफ (19) को वापस भेज दिया।

भारतीय हॉकी टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। भारतीय हॉकी टीम को इस दौरे पर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम छह अप्रैल को अपना पहला मैच खेलेगा। इसके बाद सात, 10, 12 और 13 अप्रैल को मैच होंगे। सभी मैच पर्थ में खेले जाएंगे।

इस दौरे को लेकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह बेहद उत्साहित हैं उनका कहना है कि पांच मैचों की सीरीज से उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। हरमनप्रीत का मानना है कि आगामी पेरिस ओलंपिक में जीत के लिए उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार की जरुरत है।

हरमनप्रीत ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उनकी टीम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार 34 साल पहले साल 1980 में मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीता था।

उसके बाद से ही टीम इसके करीब भी नहीं पहुंच पायी। टोक्यो ओलंपिक में हालांकि टीम ने कांस्य पदक जीतकर पदक का लंबा इंतजार खत्म किया था।

हरमनप्रीत ने कहा कि अगर हम टीम के प्रदर्शन पर ध्यान दें तो यह अच्छा है। हम अतिआत्मविश्वास में नहीं हैं पर हम सभी बड़ी टीमों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है। इसके अलावा हम किसी अन्य चीज पर विचार नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई अन्य लक्ष्य नहीं है।

भारतीय टीम छह अप्रैल को अपना पहला मैच खेलेगी, इसके बाद 7, 10, 12 और 13 अप्रैल को मैच खेले जाएंगे

भारतीय टीम ने पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज करने के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। इसके बाद उसने एफआईएच प्रो लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम इस लीग में आठ मैच में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि प्रो लीग के सभी मैच कठिन थे, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने इन मैचों से काफी कुछ सीखा और टीम ने काफी सुधार किया। कुल मिलाकर हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

पराग की खेल के प्रति जागरूकता मुझे पसंद है शेन:वॉटसन

मुम्बई,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस को छह विकेट से हराकर टाटा आईपीएल 2024 में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। रॉयल्स ने एमआई के 126 रन के लक्ष्य को 4.3 ओवर शेष रहते पार कर लिया।

जियोसिनेमा टाटा आईपीएल विशेषज्ञ शेन वॉटसन, पार्थिव पटेल और प्रज्ञान ओझा ने मैच सेंटर लाइव पर रियान पराग (54*) और ट्रेंट बोल्ट (3/22) के मैच जीतने वाले योगदान का विश्लेषण किया। शेन वॉटसन, ने कहा, मुझे एहसास नहीं था कि वह इतना युवा था, वह केवल 22 वर्ष का है। किसी के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ अपने कौशल पर नियंत्रण रखना, अपने संयम और खेल से समर्थित होना चाहिए। समझदारी, समय के बारे में जागरूकता, सही गेंदबाज़ और कहाँ मारना है यह प्रभावशाली है। मुझे उसका इस बारे में बात करना अच्छा लगता है कि उसने हर चीज़ को कैसे सरल बना दिया है। एक बल्लेबाज के रूप में, आपके पास इरादा है और आप गेंद को देख रहे हैं, प्रतिक्रिया के लिए तैयार हैं, और वह इतने समय के साथ ऐसा कर रहा है। अब, जब ऑरेंज कैप की बात आती है तो वह शीर्ष पर है।

पार्थिव पटेल ने कहा, ट्रेंट बोल्ट की गेंदबाजी देखिए जिस तरह से उन्होंने रोहित शर्मा को आउट किया। उस समय, उनके पास डीप स्क्वायर लेग और डीप फाइन लेग था। हर कोई सोचता है कि बोल्ट अपनी ताकत पर कायम रहेंगे और इन-स्विंगिंग गेंद फेंकेंगे क्योंकि रोहित ऐसी परिस्थितियों में एलबीडब्ल्यू के कारण अपना विकेट खो देते हैं। लेकिन ट्रेंट बोल्ट ने सोचा, नहीं, मैं डगमगाती सीम के साथ गेंद फेंकूंगा और यह वहीं से पकड़ लेगी। रोहित ने खुद को यह सोचकर तैयार कर लिया था कि गेंद अंदर आ जाएगी। हमने कहा है कि अगर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद देर से स्विंग होती है, तो यह क्रिकेट की सबसे खतरनाक गेंदों में से एक है। इस तरह उन्होंने नमन धीर को आउट किया, उन्होंने डेवाल्ड ब्रेविस को उछाल से आउट किया।

उसके पास ताकत है, वह कई वर्षों से ऐसा कर रहा है। वह एक अद्भुत गेंदबाज है, इसमें कोई संदेह नहीं है। प्रज्ञान ओझा ने कहा, आपको अपनी गति बरकरार रखनी होगी। उन्हें देखकर आपको परिपक्वता और धैर्य नजर आता है। उन्होंने जो निरंतरता दिखाई है और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं वह सराहनीय है। ऐसा नहीं लग रहा था कि वह रन ढूंढ रहा था, वह जानता था कि अगर वह विकेट पर रहेगा तो रन आएंगे।

धोनी के बल्लेबाजी क्रम बदलने की संभावनाएं नहीं : क्लार्क

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि महेंद्र सिंह धोनी शायद ही अपना बल्लेबाजी क्रम बदलें। धोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अंतिम ओवरों में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम की ओर से तेजी से रन बनाये थे पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

ऐसे में ये मांग तेज हो गयी है कि धोनी को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा जाये पर क्लार्क का मानना है कि धोनी शायद ही ऐसा करें। कैपिटल्स के खिलाफ हार के बाद धोनी के प्रशंसक उनसे ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए आने की अपील कर रहे हैं। इसी को लेकर क्लार्क ने कहा कि धोनी पहले की तरह ही फिनिशर की भूमिका ही निभाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब वह बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करेंगे।

इसकी जगह मेरा मानना है कि वह वर्तमान समय में जारी क्रम में ही बल्लेबाजी करेंगे। ये सही है कि धोनी का प्रत्येक प्रशंसक उन्हें ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहता है। उनके पूरे अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान भी सभी उन्हें ऊपरी क्रम पर आने और पारी की शुरुआत करने को कहते रहे हैं।

क्लार्क ने कहा, 'वह अभी अपने करियर के अंतिम दौर में हैं और इसी कारण उन्होंने कप्तानी भी छोड़ दी है, ऐसे में मुझे नहीं लगता कि वह बल्लेबाजी के लिए ऊपरी क्रम में आएंगे। मेरा मानना है कि अगर टीम के लिए आपात स्थिति होगी तभी वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। क्लार्क ने कहा, 'वह गेंद को अच्छी तरह से खेल रहे हैं पर मुझे नहीं लगता कि वह पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। मैंने जितने भी फिनिशर देखे हैं उनमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। इसलिए मुझे लगता है कि टीम उनकी इस भूमिका का उपयोग आगे भी करती रहेगी।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के ही एक अन्य पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भी मानते हैं कि एमएस धोनी अभी बेहतरीन शॉट लगा रहे हैं, इसलिए उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिये।

टूट गया 37 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड, चार्ली ने एक पारी के अंतर से पलट दी रिकॉर्ड बुक

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लैंड की चार्ली डीन ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। डीन महिला वनडे इतिहास में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। चार्ली डीन इंग्लैंड की तरफ से सबसे तेज 50 विकेट लेने वाली गेंदबाज भी बनीं।

चार्ली डीन ने ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की स्पिनर लिन फुलस्टोन का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। वो ऐसे कि डीन ने 26वीं पारी में 50 विकेट पूरे किए। इससे पहले यह रकिॉर्ड फुलस्टोन के नाम दर्ज था, जिन्होंने 27 पारियों में 50 विकेट पूरे किए थे।

डीन की शानदार गेंदबाजी

डीन ने नया रिकॉर्ड सोमवार को वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में स्थापित किया। डीन ने न्यूजीलैंड की ब्रूक हालीडे को अपना 50वां शिकार बनाया। ऑफ स्पिनर ने इसके अलावा डीन ने सूजी बेट्स और ला ताहुहू के विकेट भी लिए। डीन का गेंदबाजी स्पेल 9 ओवर में 57 रन देकर तीन विकेट लेना रहा। डीन के शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 48.2 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट किया।

डीन का बल्ले से भी बेहतरीन प्रदर्शन

23 साल की चार्ली डीन ने गेंदबाजी के अलावा बल्ले से भी काफी प्रभावित किया। उन्होंने 70 गेंदों में एक चौके की मदद से नाबाद 42 रन बनाए, जिसकी मदद से मेहमान टीम ने 8.4 ओवर शेष रहते चार विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की टीम एक समय 79 रन पर छह विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। तब डीन ने एमी जोंस के साथ सातवें विकेट के लिए 130 रन की अविजित साझेदारी की।

महिला वनडे में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाली गेंदबाज

चार्ली डीन (इंग्लैंड) - 26 पारी
लिन फुलस्टोन (ऑस्ट्रेलिया) - 27 पारी
लौरा मार्श (इंग्लैंड) - 28 पारी

राजेश्वरी गायकवाड़ (भारत) - 28 पारी
चार्मेन मेसन (ऑस्ट्रेलिया) - 29 पारी
डान वान निर्कक (दक्षिण अफ्रीका) - 29 पारी

गिलेस्पी-कर्स्टन को टेस्ट और सीमित ओवरों के लिए कोच बनाना चाहता है पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब टीम का टीम का प्रदर्शन बेहतर बनाने के लिए टेस्ट ओर सीमित ओवरों के प्रारुप में अलग-अलग कोच रखने पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि पीसीबी कोच के तौर पर किसी विदेशी खिलाड़ी को ही रखेगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी और पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज गैरी कर्स्टन कोच पद की दौड़ में सबसे आगे बताये जा रहे हैं। कर्स्टन को सीमिल ओवरों जबकि गिलेस्पी को टेस्ट क्रिकेट के लिए कोच बनाया जाएगा। पीसीबी ने हालांकि आधिकारिक तौर पर लाल गेंद और सफेद गेंद प्रारुप में कोच पद के लिए विज्ञापन भी दिया है। इसके तहत सभी उम्मीदवार 15 अप्रैल तक अपने-अपने आवेदन दे सकते हैं। सभी उम्मीदवारों के पास कम से कम दो कोचिंग सत्र की पात्रता होने के साथ ही घरेलू, अंतरराष्ट्रीय या फ्रेंचाइजी टीम को कोचिंग देने का कम से कम पांच साल का अनुभव भी होना चाहिए। वहीं उच्च स्तर की कोचिंग पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने कोच के लिए कर्स्टन और गिलेस्पी के साथ बातचीत की शुरु कर दी है। बोर्ड इन दोनो को आवेदन करने पर लंबे समय तक के लिए कोच नियुक्त करना चाहता है। कर्स्टन को सीमिल ओवरों जबकि गिलेस्पी को टेस्ट क्रिकेट के लिए कोच बनाया जाएगा। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी सभी प्रकार के कदमों की जानकारी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को दे रहे हैं। जिससे कि किसी भी प्रकार का विवाद न उठे। इसी का कोच पद के लिए विज्ञापन भी दिया गया है। इसमें कहा गया है कि जिसे भी कोच के रूप में नियुक्त किया जाएगा उसे अपनी योग्यता दिखाने के लिए उचित अनुबंध और कार्यकाल दिया जाएगा जिससे कि कोच को कोई अध्यक्ष मनमर्जी से न बदल सके। ये लंबे समय के बाद देखा जा रहा है जब पीसीबी ने इस प्रकार कोच पद के लिए विज्ञापन दिया है।

पुल से टकराए जहाज में भरा था जहरीला पदार्थ, श्रीलंका सरकार को नहीं था पता कि कोलंबो क्यों आ रहा जहाज

वॉशिंगटन, 02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बीते दिनों एक मालवाहक जहाज अमेरिका के बाल्टीमोर में पुल से टकराकर हादसे का शिकार हो गया था। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पुल से टकराने वाले जहाज में जहरीला पदार्थ भरा है और यह जहाज श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर आ रहा था। खुलासे के बाद श्रीलंका की सरकार ने कहा है कि उन्हें नहीं पता कि जहाज में क्या जहरीला पदार्थ भरा था। कोलंबो बंदरगाह के अधिकारियों का कहना है कि कोलंबो पहुंचने से 72 घंटे पहले ही जहाज को कंटेनर्स में भरे सामान की जानकारी देनी थी। ऐसे में उन्हें नहीं पता कि जहाज में क्या भरा हुआ था।

कोलंबो बंदरगाह के बाद अफ्रीका जाता जहाज-सिंगापुर के झंडे वाला मालवाहक जहाज डाली, बीती 26 मार्च को अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट पुल से टकरा गया था, जिससे पूरा पुल भरभराकर गिर गया था। अमेरिका के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, जहाज पर 764 टन जहरीला पदार्थ लदा हुआ है और जहरीले पदार्थ से भरे जहाज के 57 कंटेनर न्यूयॉर्क और नॉरफोक वर्जीनिया के बंदरगाह पर रुकने के बाद श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर रुकने वाले थे। इसके बाद इस जहाज को दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप जाना था, जहां पहुंचने में जहाज को कुल 27 दिन लगते।

श्रीलंका को नहीं थी कोई जानकारी-मीडिया के खुलासे के बाद श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के अध्यक्ष कीथ बर्नार्ड ने बताया कि जहाज पर लदे सामान की जानकारी बंदरगाह पहुंचने से सिर्फ 72 घंटे पहले दी जाती है। ऐसे में हमें नहीं पता कि जहाज पर कौन सा जहरीला पदार्थ था। जानकारी मिलने के बाद प्रोटोकॉल के तहत जहरीले पदार्थ वाले कंटेनर्स को अलग रखा जाता। श्रीलंका के भीतर इस जहरीले पदार्थ को भेजने के सवाल पर बर्नार्ड ने कहा कि इसके लिए पहले रक्षा मंत्रालय और अन्य विभागों से मंजूरी लेनी पड़ती। वहीं श्रीलंका के केंद्रीय पर्यावरण प्राधिकरण के प्रमुख ने कहा कि देश के भीतर इतने जहरीले पदार्थ को ले जाने की मंजूरी नहीं मिलनी थी। बता दें कि बाल्टीमोर पुल के गिरने की वजह से बाल्टीमोर बंदरगाह बंद है और इस वजह से करीब आठ हजार नौकरियां प्रभावित हो रही हैं। साथ ही रोजाना करीब 20 लाख डॉलर का नुकसान हो रहा है। अमेरिका के परिवहन मंत्री ने यह जानकारी दी है।

न्यूज ब्रीफ

धोखाधड़ी मामले में ट्रंप को राहत, 45.4 करोड़ डॉलर जुर्माने की बजाय महज इतनी राशि जमा करानी पड़ी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब कुछ राहत की सांस ले पाएंगे। उन्होंने न्यूयॉर्क के

नागरिक धोखाधड़ी मामले में 17.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना चुका दिया है। हालांकि, ट्रंप को 45.4 करोड़ डॉलर यानी करीब 29.46 अरब रुपये का जुर्माना चुकाना था। इस मामले में अदालत में सुनवाई चल रही है। गौरतलब है, ट्रंप ने 45.4 करोड़ के नागरिक धोखाधड़ी के मामले में अदालत के फैसले के खिलाफ अपील की है। न्यूयॉर्क की अदालत ने फरवरी में अदालत ने उन्हें 35.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना चुकाने का आदेश दिया था, जोकि अब बढ़कर 45.4 करोड़ डॉलर हो गया। अदालत ने ट्रंप के साथ-साथ उनके बेटों को भी सजा सुनाई थी और उन पर भी जुर्माना लगाया था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि इतने बड़े जुर्माने के कारण ट्रंप की वित्तीय स्थिति पर फर्क पड़ सकता है। पिछले हफ्ते, न्यूयॉर्क की एक अपील अदालत ने 45.4 करोड़ के जुर्माने में थोड़ी राहत देते हुए राशि घटाकर 17.5 करोड़ डॉलर कर दी थी। साथ ही इसे जमा करने के लिए 10 दिन का समय दिया था। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो पा रहा है कि ट्रंप की जुर्माना राशि पूरी तरह से कम कर दी गई है या उन्हें यह राशि किस्तों में जमा करवानी है। इससे पहले, एक रिपोर्ट में ट्रंप की स्थिति से अवगत लोगों के हवाले से बताया गया था कि ट्रंप के सामने परेशानी बढ़ गई है। वह काफी चिंता में हैं क्योंकि जुर्माने की आधी राशि भी इकट्ठा नहीं कर सके हैं। ट्रंप की कानूनी टीम विभिन्न विकल्पों को तलाशने के लिए बिना रुके दिन-रात काम कर रही है। पहले ट्रंप को बीमा कंपनी चब से थोड़ी बहुत उम्मीद थी, लेकिन अब यह भी धराशायी हो गई। दरअसल, चब ने अपने वकीलों को सूचिया किया था कि यह विकल्प अब मौजूद नहीं है। ट्रंप अब अपनी संपत्तियों को बेचने की योजना बना रहे थे। बताया जा रहा था कि उनकी टीम समर्थकों के पास पहुंच गई है और संपत्ति को जल्दी से बेचने की संभावना पर विचार किया है।

उत्तर कोरिया अपनी हरकत से नहीं आ रहा बाज, फिर दागी बैलिस्टिक मिसाइल, जापान के पीएम ने की निंदा

टोक्यो। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान की सेना के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया ने जापान सागर की ओर एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) दागी। यह मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर पानी में जाकर गिरी। बता दें कि उत्तर कोरिया ने स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 52 मिनट पर एक मिसाइल दागी गई। फिलहाल, विमान या जहाजों को नुकसान पहुंचने की कोई रिपोर्ट नहीं है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया की तरफ से एक के बाद एक मिसाइल दागने के यह अभ्यास दक्षिण कोरिया के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के उस दावे के बाद आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि उत्तर कोरिया एक इन्टरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) दाग सकता है। यह उत्तर कोरिया का इस साल का तीसरा बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण है। कहना है कि दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों को संदेह है कि यह मिसाइल हाइपरसोनिक वारहेड से लैस थी, जिसने पूर्वी सागर में गिरने से पहले लगभग 570 किलोमीटर की दूरी तय की थी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से एक मिसाइल दागने की जानकारी मिली है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

स्कॉटलैंड के नए घृणा अपराध कानून का विरोध शुरू, पीएम ने भी किया समर्थन

लंदन। घृणा अपराध के खिलाफ बनाए गए स्कॉटलैंड के नए कानून को लेकर विवाद शुरू हो गया है। हेट क्राइम एंड पब्लिक ऑर्डर (स्कॉटलैंड) एक्ट को स्कॉटलैंड की संसद से साल 2021 में पारित कर दिया गया था, लेकिन इसे अब लागू किया गया है। नए कानून के तहत उम्र, दिव्यांगता, नस्ल, धर्म और लैंगिक पहचान को नए कानून के तहत घृणा अपराध से सुरक्षित किया गया है। हालांकि बोलने की आजादी के अधिकार के तहत इस कानून की तीखी आलोचना भी हो रही है। नया कानून विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ नफरत पर प्रतिबंध नहीं लगाता है। सरकार का कहना है कि महिलाओं के खिलाफ नफरत से निपटने के लिए जल्द ही नया कानून लाया जाएगा। हालांकि इस कानून से महिलाओं को बाहर रखने का विरोध हो रहा है। मशहूर लेखक जेके राउलिंग ने भी स्कॉटलैंड के घृणा अपराध कानून की आलोचना की है। साथ ही मशहूर मानवाधिकार कार्यकर्ता पीटर टचेल ने भी इस कानून को लेकर नाराजगी जाहिर की है। मशहूर उद्योगपति एलन मस्क ने भी स्कॉटलैंड के नए कानून को अभिव्यक्ति की आजादी के लिए खतरा बताया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी जेके राउलिंग का समर्थन किया है। उन्होंने नए कानून को लेकर कहा कि उनकी पार्टी अभिव्यक्ति की आजादी की हमेशा रक्षा करेगी।

ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजराइली एयरस्ट्राइक

दूतावास का एक खंड ध्वस्त, 7 लोगों की मौत, तेहरान ने बदले की दी धमकी

दमिश्क, 02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इजराइल ने सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला किया। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारियों को भी मार गिराया। इजराइल ने अबतक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जबकि इसके सैन्य प्रवक्ता ने ईरान पर ही आरोप लगाए हैं कि उसने इजराइल पर ड्रोन हमले करवाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर छह मिसाइलें दागीं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इजराइल ने सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला किया। इस हमले में मारे गए लोगों में तीन वरिष्ठ कमांडर शामिल थे। यह घटना दमिश्क के माजेह जिले में हुई। सीरिया के विदेश मंत्री फैसल मेकदाद ने हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि हम इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसने दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास को निशाना बनाया और कई निर्दोष लोगों की हत्या कर दी।

ईरान के राजदूत हुसैन अकबरी ने बताया कि दूतावास की इमारत को निशाना बनाया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि उनका आवास सबसे ऊपर की दो मंजिलों पर है। हालांकि, उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इजराइल के हमले में सेना के सलाहकार और ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजी) के कमांडर मोहम्मद रेजा जाहादी समेत सात लोगों की मौत हुई है। जनरल जाहादी ने 2016 तक लेबनान और सीरिया में ईरान के एलिट कुद्स फोर्स का नेतृत्व किया था। हालांकि, इजराइल ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाता रहता है, पर यह पहली बार है जब उसने दूतावास पर हमला किया है।

इजराइल ने इस हमले पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चार इजराइली अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर स्वीकार किया कि हमले को इजराइल ने ही अंजाम दिया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने कहा कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनयिक एवं दूतावास परिसरों की अनुल्लंघनीयता के मूलभूत सिद्धांत का उल्लंघन है। उसने कहा कि तेहरान

के पास निर्णायक जवाब लेने का अधिकार सुरक्षित है।

ईरानी दूतावास पर हुए हमले पर लेबनानी समूह हिजबुल्ला ने जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है। समूह ने एक बयान में कहा जबतक अपराध का बदला नहीं ले लिया जाएगा तब तक शांति से नहीं बैठेंगे। वहीं, रूस के साथ-साथ ईराक, जॉर्डन, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सहित मुस्लिम देशों ने भी हमले की निंदा की।

हमले में मारे गए लोगों में हाजी रहीमी भी शामिल हैं। इन्हें कुद्स फोर्स का समन्वयक बताया जाता है। हमले में हुसैन अमन इलाही, मेहदी जलालाटी, मोहसिन सेदाघाट, अली अगाबाबी और अली सालेही रूजबहानी की भी मौत हो गई। ईरान का कहना है कि हवाई हमले के लिए एफ-35 युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया गया था। अकबरी ने कहा, यह शायद पहली बार है जब यहूदी शासन ने ईरान दूतावास की आधिकारिक इमारत पर हमला करने की अनुमति दी है।

इजराइल के सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हागरी का कहना है कि इमारत में महज एक वाणिज्य दूतावास नहीं था, बल्कि एक नागरिक सुविधा के रूप में कुद्स बलों का सैन्य ठिकाना बना हुआ था। उन्होंने कहा कि इजराइल में एक नौसैनिक अड्डे पर हुआ एक ड्रोन हमला ईरान ने कराया था। हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। इस बीच, अकबरी ने बदला लेने की कसम खाई। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। वाशिंगटन में काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के एक विश्लेषक स्टीवन कुक ने कहा कि ईरान हिजबुल्ला को इजराइल पर अपने हमलों को बढ़ाने का निर्देश दे सकता है। आईआरजीसी ईराक और सीरिया में युद्ध पर लगे प्रतिबंधों में ढिलाई दे सकता है। इससे अमेरिकी सेना फिर से खतरे में पड़ सकती है। ईरानी हिजबुल्ला को इजराइल पर अपने हमलों को बढ़ाने का निर्देश भी दे सकते हैं, जो अधिक साहसी और अधिक संख्या में बढ़ रहे हैं।

इजराइल सात अक्तूबर से गाजा में एक लंबा युद्ध लड़ रहा है, क्योंकि हमास ने देश के अंदर 1200 लोगों को मार डाला था। तब से जवाबी हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए हैं। इजराइल को निशाना बनाने वाले कई आतंकवादी समूह कथित तौर पर ईरान द्वारा समर्थित हैं।

मंदिरों में तोड़फोड़

हिंदुओं के खिलाफ हेट क्राइम का डेटा दें, भारतवंशी सांसदों ने एफबीआई-डीओजे को लिखा पत्र

वॉशिंगटन, 02 अप्रैल ।

अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ते हेट क्राइम और हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाओं में पिछले कुछ समय में इजाफा हुआ है। इस बीच पांच भारतवंशी अमेरिकी सांसदों ने अमेरिकी न्याय विभाग और एफबीआई से संबंधित मामले में इस साल हुई घटनाओं की जानकारी मांगी है।

आरोपियों के बारे में कोई सुराग नहीं यह दुर्भाग्य

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और अमी बेरा ने न्याय विभाग के सिविल विभाग के क्रिस्टन क्लार्क को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा कि न्यूयॉर्क से लेकर कैलिफोर्निया तक हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों के कारण हिंदू अमेरिकी समुदाय चिंतित है। पत्र में उन्होंने कहा कि दर्भाग्य है कि इन हमलों के आरोपियों के बारे में भी कोई सुराग नहीं है। इस वजह से भी समाज के लोग भी डरे हुए हैं।

एक साथ काम करने की आवश्यकता

पत्र में उन्होंने कहा कि हमें अमेरिका में धार्मिक, जातीय, नस्लीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत का मुकाबला करने के लिए एक साथ काम करना होगा। हम आपसे अनुरोध करते हैं हमें यह बताया जाए कि हेट क्राइम को रोकने के संबंध में विभाग की क्या रणनीति है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमें 18 अप्रैल से पहले हुई हिंदुओं के खिलाफ हुए हेट क्राइम और मंदिरों में हुई तोड़फोड़ से संबंधित डेटा की जानकारी दें।

अमेरिका में बढ़े हिंदू मंदिरों पर हमले

2024 की शुरुआत में ही, कैलिफोर्निया के बे एरिया में स्थित हिंदू मंदिर शेरावाली मंदिर पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन मंदिर समिति से जुड़े लोगों के संपर्क में है। घटना की पुलिस में शिकायत की गई है। इसके कुछ दिन पहले ही कैलिफोर्निया के शिव दुर्गा मंदिर में भी चोरी की घटना हुई थी। वहीं, कैलिफोर्निया के स्वामी नारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था। विदेश विभाग ने अपने बयान में कहा था कि हम कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर श्री स्वामीनारायण मंदिर पर हमले की निंदा करते हैं। साथ ही हम नेवार्क पुलिस विभाग द्वारा दोषियों को जवाबदेय ठहराने की कोशिशों की भी तारीफ करते हैं।

अफगानिस्तान में बारूदी सुरंगों के दो विस्फोटों में 10 बच्चों की मौत, बाढ़ ने भी मचाई तबाही

काबुल, 02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान में बारूदी सुरंगों में विस्फोट का दो अलग-अलग घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा बाढ़ ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। घटनाएं गजनी और हेरात प्रांतों में हुईं। यूनिसेफ ने पीड़ित परिवारों के साथ गहरी संवेदना व्यक्त की है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

यूएन माइन कार्रवाई सेवा का कहना है कि अफगानिस्तान में 1989 से अभी तक, बारूदी सुरंगों या युद्ध की शेष बची विस्फोटक सामग्री के फटने से लगभग 44 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। यह संख्या औसतन 110 प्रतिमाह के आसपास नजर आती हैं।

यूनिसेफ ने 2022 के दौरान विस्फोटक सामग्री के प्रभाव पर तैयार की गई रिपोर्ट में ऐसे 700 बच्चों के मामले दर्ज किए हैं, जो या तो अपंग हो गए या उनकी मौत हो गई। ये संख्या औसतन हर दिन लगभग दो बच्चों के बराबर है।

बाढ़ की तबाही

इस बीच देश में 29 और 30 मार्च को हुई भारी बारिश से आई बाढ़ में सात प्रांतों में 1,500 एकड़ फसल तबाह गई है और लगभग 540 घरों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उनमें

छह पुलों और 450 किलोमाटर लंबी सड़क को नुकसान शामिल है।

यूएन आपदा राहत समन्वय एजेंसी के आंकड़ों में शुरुआती खबरों के आधार पर बताया गया है कि इस बाढ़ से प्रभावित होने वाले प्रांतों में प्रमुख हैं- उत्तरी क्षेत्र में फरयाब प्रांत, पूर्वी क्षेत्र में नांगरहार प्रांत और केंद्रीय क्षेत्र में डाइकूंडी प्रांत। यह तीसरा मौका है जब उत्तरी क्षेत्र को एक महीने में तीसरी बार बाढ़ का सामना करना पड़ा है। इस क्षेत्र में 21 मार्च और 26-27 मार्च को हुई भारी वर्षा से आई बाढ़ में कम से कम सात लोग मारे गए और 384 परिवार प्रभावित हुए हैं। हालांकि, 30 मार्च को आई बाढ़ से लोगों के किसी विस्थापन की खबरें नहीं हैं।

पाकिस्तान की सीनेट में 30 सांसदों को चुनने के लिए मतदान, निर्विरोध चुने गए 18 सीनेटर

इस्लामाबाद, 02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में पिछले महीने सीनेट की सीट खाली होने के बाद 30 सांसदों (सीनेटर) को चुनने के लिए मतदान जारी है। मार्च में छह साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने के बाद सीनेटर के 52 सीट खाली हो गए थे। सीनेट में कुल 96 सदस्य हैं, जिनमें से चार प्रांतों से 23-23 और इस्लामाबाद के फेडरल कैपिटल रीजन से चार सदस्य शामिल हैं।

30 खाली सीनेट सीटों पर चुनाव

प्रांतों का प्रतिनिधित्व करने वाले सीनेटरों का चुनाव प्रोविंशियल असेंबली करती है, जबकि इस्लामाबाद रीजन के एक सीनेटर का चयन नेशनल असेंबली से होता है। सीनेट एक सतत निकाय है, जिनके आधे सदस्य प्रत्येक तीन वर्षों बाद सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने 48 सीटों पर चुनाव कराने की योजना की घोषणा की थी, क्योंकि क्षेत्र के

खैबर पख्तूनख्वा में विलय के बाद चार आदिवासी क्षेत्र के सीनेटरों के चार सीट को समाप्त कर दिया गया था। विलय से पहले आठ सीनेटर फाटा (एफएटीए) नामक संघीय प्रशासित जनजातीय क्षेत्रों से चुने जाते थे।

18 सीनेटर निर्विरोध चुने गए

अबतक 18 सीनेटर निर्विरोध चुने जा चुके हैं, जिनमें से 11 सीनेटर बलुचिस्तान और बाकी के पंजाब और सिंध से चुने गए हैं। नेशनल असेंबली हॉल में दो सीनेटरों का चुनाव हो रहा है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएलएन) के इशाक डार सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के राजा अंसार कयानी टेक्नोक्रैट सीट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। मुकाबला पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के राणा महमूद उल हसन और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के फरजंद हुसैन शाह के बीच है।

पंजाब में महिला और टेक्नोक्रैट की दो-दो सीटों और प्रांत में महिलाओं की एक अल्पसंख्यक सीट पर मतदान हो रहा था। सिंध में सात जनरल सीट, दो महिलाओं की सीट, दो टक्नोक्रैटसीट और एक गैर-मुस्लिम महिला की सीट समेत 12 सीटों पर मतदान जारी है। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा में आरक्षित सीटों पर निर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण को लेकर विवाद 11 सीनेट सीटों पर मतदान शुरू नहीं हो पाया।

लोकसभा चुनाव के बाद सुधर सकते हैं भारत से रिश्ते : ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उम्मीद जताई है कि भारत में आम चुनाव के बाद दोनों देशों के रिश्तों में सुधार आ सकता है। ख्वाजा आसिफ का यह बयान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने सिंगापुर में कहा कि पाकिस्तान में आतंकवाद उद्योग का रूप ले चुका है और अब भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस्लामाबाद में पाकिस्तानी संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत के साथ हमारे रिश्ते वहां आम चुनाव के बाद सुधर सकते हैं।

रिपोर्ट में दावा : स्टॉकहोम में कुरान जलाने वाले सलवान मोमिका की मौत

वॉशिंगटन, 02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

सलवान मोमिका जैसा व्यक्ति हर दिन पैदा नहीं होता है। एक इराकी सशस्त्र संगठन का नेता रहा मोमिका इस्लामिक विचारों और मान्यताओं का आलोचक था। पिछले साल कुरान जलाने के बाद दुनियाभर में उसने एक अलग पहचान बना ली थी। अब एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि उसकी संदिग्ध हालातों में मौत हो गई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। सलवान मोमिका वो शख्स था, जो स्वीडन में बार बार कुरान जला रहा था, जिसकी वजह से दुनिया भर में प्रदर्शन हो चुके हैं।

कौन है सलवान मोमिका

37 साल का सलवान मोमिका इराकी ईसाई शरणार्थी है। वह अप्रैल 2018 में स्वीडन आया था और अप्रैल 2021 में शरणार्थी का दर्जा मिला था। वह अपने फेसबुक पर खुद को नास्तिक और लेखक बताता था। मोमिका ने साल 2023 में 28 जून को उस वक्त दुनिया को चौंका दिया, जब उन्होंने मुसलमानों की पवित्र पुस्तक कुरान की एक प्रति पर हमला किया और फिर उसे स्टॉकहोम की सबसे बड़ी मस्जिद के सामने जला दिया। उनके एक दोस्त ने इस पूरे दृश्य को फिल्माया था। कुरान को ईद-उल-अजहा के दिन जलाया था। इसकी वजह से पूरी दुनिया में उसकी आलोचना की गई थी।

सलवान की मौत

एक रेडियो चैनल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सलवान मोमिका की मौत हो चुकी है। हालांकि थोड़ी देर बाद एक और पोस्ट कर बताया कि इस खबर की पुष्टि होने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि जिस पोस्ट के माध्यम से

यह जानकारी दी गई थी, वह अब हटा दिया गया है। इससे पहले कहा गया कि इराकी शरणार्थी और इस्लामी आलोचक सलवान सबा मट्टी मोमिका नॉर्वे में मरा हुआ मिला। मोमिका स्वीडन में प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता था, जहां उसने सार्वजनिक रूप से कुरान को कई बार जलाया था।

ईरान से भागकर नॉर्वे पहुंचा

सलवान मोमिका स्वीडन से नॉर्वे जाने के बाद से ही काफी चर्चा में था। उसे 2021 में स्वीडिश रेजिडेंसी परमिट दिया गया था। मोमिका शरण की तलाश में 2018 में इराक से बाहर चला गया था। इसके अलावा, पूर्व मुसलमानों के बीच भी सलवान मोमिका काफी चर्चित चेहरा बन गया था। आपको बता दें, कि इंटरनेट की मदद से पूर्व मुसलमानों के एक आंदोलन ने दुनिया भर में अपनी पकड़ बना ली है। सलवान मोमिका ने 27 मार्च को पोस्ट किया था, कि आज मैंने स्वीडन छोड़ दिया और अब नॉर्वे में अधिकारियों की सुरक्षा में हूं।

कब क्या हुआ

28 जून-मोमिका ने स्टॉकहोम की सेंट्रल मस्जिद के सामने दो स्वीडिश झंडे लहराए फिर उसका राष्ट्रीय गान गाया। इसके बाद उसने कुरान फाड़कर उसे आग में झोंक दिया। 29 जून-तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोवन ने इस घटना को लेकर स्वीडिन की निंदा की और कहा कि उनका देश इस तरह की भड़काने वाली कार्रवाई बर्दाश्त नहीं करेगा। 2 जुलाई-57 इस्लामी देशों के संगठन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून लागू करने और मिलजुलकर कदम उठाने की जरूरत है।स्वीडन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि ये इस्लामोफोबिया है।3 जुलाई- पोप फ्रांसिस ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि वो इससे गुस्से में है। 7 जुलाई- कुरान जलाए जाने की घटना के खिलाफ इस्लामाबाद, कराची और लाहौर में रैलियां की गईं। 11 जुलाई- मुस्लिम देशों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संगठन में इसके खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। 12 जुलाई- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने नफरत और धर्मांधता के खिलाफ प्रस्ताव को मंजूरी दी।

अटलांटा एफबीआई फील्ड कार्यालय के प्रवेश द्वार से टकराया वाहन, आरोपी अरेस्ट

अटलांटा। अटलांटा एफबीआई फील्ड कार्यालय के प्रवेश द्वार से एक वहन जबरदस्ती टकरा गया। सूत्रों के अनुसार, एफबीआई अटलांटा के प्रवक्ता टोनी थॉमस ने इसे जानबूझ कर सुविधा का उल्लंघन करने का प्रयास बताया है। वाहन चला रहा अज्ञात व्यक्ति इस घटना के तुरंत बाद वाहन से बाहर निकलकर भागने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसे पकड़ लिया गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसे जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। वह फिलहाल डेकाल्ब काउंटी पुलिस की हिरासत में है।

जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी ये 5 रोचक बातें

बुधवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित होता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण संग राधा रानी की पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु व्रत रखा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण बेहद दयालु एवं कृपालु हैं। अपने भक्तों पर सदा कृपा बरसाते हैं। अतः उनके भक्तों पर कभी कोई आंच नहीं आती है। इतना ही नहीं, मृत्यु उपरांत कृष्ण भक्तों को मोक्ष यानी वैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। धार्मिक मत है कि भगवान श्रीकृष्ण एवं श्रीजी की पूजा करने से साधक को परमानंद की अनुभूति होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। लेकिन क्या आपको पता है कि भगवान श्रीकृष्ण कितनी बार भूलोक पर भोजन प्राप्त किए हैं ? आइए, भगवान श्रीकृष्ण की जीवनी से जुड़ी रोचक बातें जानते हैं–

* सनातन शास्त्रों में निहित है कि भगवान श्रीकृष्ण ने वैकुंठ में भूलोक या भूलोक से प्राप्त अनाज से तीन बार भोजन ग्रहण किया था। इनमें एक बार सुदामा जी से भोजन प्राप्त हुआ था, दूसरी बार द्रौपदी और तीसरी बार विदुर जी से भोजन प्राप्त किया था।
* भगवान श्रीकृष्ण की छवि की कल्पना या वर्णन सर्वप्रथम उत्तरा ने किया था। ऐसा कहा जाता है कि उत्तरा के पुत्र की रक्षा भगवान श्रीकृष्ण ने किया था। इसके उपलक्ष्य पर बिहार एवं उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर जितिया पर्व मनाया जाता है।
* त्रेता युग में जगत जननी आदिशक्ति मां सीता को अग्नि परीक्षा हेतु विवश करने वाले धोबी को भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में सबक सिखाया था। कालांतर में भगवान राम ने उसे क्षमा कर दिया था।
* विभिन्न प्रकार के माध्यमों से भगवान श्रीकृष्ण को अन्य वर्ण (गोरा) में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण असल में श्याम वर्ण के थे। आसान शब्दों में कहें तो भगवान श्रीकृष्ण सावलें थे।
* शास्त्रों में वर्णित है कि त्रेता युग में वानरों ने भगवान श्रीराम की सहायता माता जानकी को रावण के चंगुल से बचाने में की थी। अतः द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण चुराए हुए माखनों को स्वयं पाते थे और शेष को वानरों के मध्य वितरित कर देते थे।

विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग का झरना करता है जलाभिषेक

यहां आने से इंसान होता है मालामाल

सनातन धर्म में भगवान शिव को सबसे उच्च स्थान प्राप्त है। देवों के देव महादेव को समर्पित कई मंदिर ऐसे हैं, जो अपने रहस्य की वजह से प्रसिद्ध हैं। कई मंदिरों में आस्था के साथ ही कई रहस्य भी शामिल हैं। देश में एक ऐसा मंदिर है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग विराजमान हैं। यह मंदिर अरुणाचल प्रदेश स्थित जीरो घाटी की करडा पहाड़ी पर स्थित है। इसको सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस विशालकाय शिवलिंग के दर्शन करने से साधक मालामाल हो जाता है।

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान शिवलिंग 25 फीट ऊंचा है और इसका व्यास 22 फीट है। इस मंदिर में भगवान शिव भगवान गणेश, मां पार्वती, कार्तिकेय, नंदी के साथ विराजमान हैं। मंदिर भगवान महादेव के भक्तों के लिए महत्वपूर्ण तीर्थ जगहों में से एक है।शिव पुराण के 17वें अध्याय के रुद्र खंड के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में एक प्राकृतिक शिवलिंग स्थित थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, विश्व का सबसे ऊंचा शिवलिंग की खोज कुछ लकड़हारों ने वर्ष 2004 में की थी। बताया जाता है कि लकड़हारों के द्वारा लकड़ी काटने के दौरान उन पर एक लकड़ी गिरी, जिसे हटाने के पश्चात उन्हें शिवलिंग दिखी। इसके बाद बाजार से यहां तक आने का रास्ता बनाया गया।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह शिवलिंग हरे-भरे जंगलों में मौजूद है। शिवलिंग की रोजाना सुबह और शाम पूजा-अर्चना की जाती है। यहां कुआं और हवन कुंड भी है। इस शिवलिंग के नीचे झरना बहता है, जो भगवान शिव का जलाभिषेक करती है। इस शिवलिंग के दर्शन करने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। मान्यता है कि यहां आने के बाद श्रद्धालु खाली हाथ नहीं लौटते हैं।

पापों से मुक्ति दिलाने वाला व्रत है पापमोचनी एकादशी

पापमोचनी एकादशी हिन्दू धर्म में एक महत्व-पूर्ण दिन होता है। पापमोचनी एकादशी हिन्दू कैलेण्डर के अनुसार चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को रखा जाता है। वर्ष में लगभग 24 से 26 एकादशी होती है और प्रत्येक एकादशी का अपना विशेष महत्व होता है, इस प्रकार पापमोचनी एकादशी का भी है। पापमोचनी एकादशी के नाम से ज्ञात होता है कि यह पापों से मुक्ति कराने वाला व्रत है। इस व्रत का वर्णन 'भविष्योत्तर पुराण' और 'हरिवासर पुराण' में किया गया है। हिन्दू धर्म में 'पाप' का अर्थ ऐसे कर्म जो गलत होते हैं। 'मोचनी' का अर्थ, मुक्ति करना है।

ऐसा माना जाता है कि पापमोचनी एकादशी सभी पापों को नाश करती है और पामोचनी एकादशी का व्रत पूरी भक्ति से करने वाले व्यक्ति को कभी भी राक्षसों या भूतों का डर नहीं होता हैं। पापमोचनी व्रत को अत्यंत शुभ माना जाता है।

पापमोचनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। सबसे पहले पापमोचनी व्रत के बारे में राजा मानधाता को ऋषि लोमसा ने बताया था। फिर पापमोचनी एकादशी के महत्व के बारे में भगवान 'भविष्योत्तर पुराण' और 'हरिवासर पुराण' में किया गया है। ऐसा कहा गया है कि पापमोचनी व्रत सभी पापों के प्रभाव से मुक्त करता है। पापमोचनी एकादशी व्रत पालन करने से हिन्दू तीर्थ स्थलों पर जानें व गायों के दान से भी अधिक पुण्यदायी होता है। इस शुभ व्रत का पालन करने वाले सभी सांसारिक सुखों का आनंद लेते हैं और अंततः भगवान विष्णु के स्वर्गीय राज्य 'वैकुंठ' में स्थान पाते हैं।

पापमोचनी एकादशी व्रत कथा

प्राचीन समय में चित्ररथ नामक एक रमणीक वन था। इस वन में देवराज इन्द्र गन्धर्व कन्याओं तथा देवताओं सहित स्वच्छन्द विहार करते थे। मेधावी नामक ऋषि भी वहाँ पर तपस्या कर रहे थे। ऋषि शिव उपासक तथा अप्सराएँ शिव द्रोहिणी अनंग दासी थी।

एक बार कामदेव ने मुनि का तप भंग करने के लिए उनके पास मंजुघोषा नामक अप्सरा को भेजा। युवावस्था वाले मुनि अप्सरा के हाव भाव, नृत्य, गीत तथा कटाक्षों पर काम मोहित हो गये। रति-क्रीड़ा करते हुए 57 वर्ष व्यतीत हो गये। एक दिन मंजुघोषा ने देवलोक जाने की आज्ञा माँगी।

श्रीकृष्ण ने राजा युधिष्ठिर को बताया था। जिसके यह व्रत प्रचलित हुआ है।

पापमोचनी एकादशी पूजा

पापमोचनी एकादशी के दिन पूरे समर्पण के साथ भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। व्रत करने वाले व्यक्ति को सूर्योदय के समय उठना चाहिए और स्नान करना चाहिए। भगवान विष्णु की एक छोटी मूर्ति पूजा स्थल पर रखी जाती है और भक्त भगवान को चंदन का लेप, तिल, फल, दीपक और धूप चढ़ाते हैं। इस दिन 'विष्णु सहस्त्रनाम' और 'नारायण स्तोत्र' का पाठ करना शुभ माना जाता है। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन करवा कर उन्हें विदा करें फिर भोजन करें।

एकादशी व्रत की पूजा का फल और महत्व

पापमोचनी एकादशी व्रत के महत्व का वर्णन मंजुघोषा के आज्ञा माँगने पर मुनि की चेतना जगी और उन्हें आत्मज्ञान हुआ कि मुझे रसातल में पहुँचाने का एकमात्र कारण अप्सरा मंजुघोषा ही है। उन्होंने मंजुघोषा को पिशाचनी होने का श्राप दे डाला। श्राप सुनकर मंजुघोषा ने काँपते हुए मुक्ति का उपाय पूछा। तब मुनि ने पापमोचनी एकादशी का व्रत रखने को कहा। वह मुक्ति का उपाय बताकर पिता च्यवन के आश्रम में चले गये। श्राप की बात सुनकर च्यवन ऋषि ने पुत्र की घोर निन्दा की तथा उन्हें पापमोचनी चैत्र कृष्ण एकादशी का व्रत करने की आज्ञा दी। ऋषि मेधावी ने भी पापमोचनी व्रत किया और अपने पाप से मुक्त हुए। पापमोचनी व्रत के प्रभाव से मंजुघोषा अप्सरा पिशाचनी देह से मुक्त होकर देवलोक चली गई।

घर की खिड़की पर अगर बांधेंगे फिटकरी तो होगा बड़ा फायदा

वास्तु शास्त्र में हर एक चीज का अपना महत्व है । इसमें दिशाओं का खास ध्यान रखा जाता है। इसलिए घर बनाते समय वास्तु शास्त्र का लोग बहुत ध्यान देते हैं। ऐसे में आज हम आपको यहां पर किचन की खिड़की में फिटकरी बांधने के क्या फायदे होते हैं, उसके बारे में बताएंगे, तो आइए बिना देर किए जानते हैं।

- अगर आप फिटकरी को कमरे की खिड़की पर लटका देते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। इससे वास्तु दोष दूर होता है। इसके अलावा आप फिटकरी को काले कपड़े में बांधकर खिड़की पर लटकाएं इससे आर्थिक स्थिति अच्छी होती है।

- वहीं, खिड़की पर फिटकरी लटकाने से शुक्र दोष भी दूर होता है। इससे शरीर भी स्वस्थ रहता है। यह निगेटिव एनर्जी को दूर करता है। इससे क्लेश नहीं होता है।

- फिटकरी का उपाय करने से घर में क्लेश नहीं होता है। लेकिन महीने में एकबार फिटकरी को बदल जरूर दें। इससे फायदा होगा।

- रात को अगर आप सही ढंग से सो नहीं पाते हैं तो फिर फिटकरी से जुड़ा ये उपाय जरूर करें। इस नुस्खे से आपको बुरे सपने भी नहीं आएंगे। फिटकरी के टुकड़े को खिड़की पर बांधने से बुरी नजर दूर रहती है।

सूर्य – चंद्र ग्रहण के दौरान भी खुला रहता है श्रीकालहस्तीश्वर मंदिर

श्री कालहस्तीश्वर मंदिर भारत के आंध्र प्रदेश के तिरूपति जिले के श्रीकालहस्ती शहर में स्थित है। स्थानीय परंपरा के अनुसार, यह पवित्र स्थल ऐसा माना जाता है जहां कन्नप्पा लिंग से रक्त के प्रवाह को रोकने के लिए अपनी आंखों का बलिदान देने के लिए तैयार थे, जिसे भगवान शिव ने रोका और फिर उन्हें मोक्ष प्रदान किया। आंतरिक मंदिर 5वीं शताब्दी का है, जबकि बाहरी मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में राजेंद्र चोल प्रथम, राजादित्य चोल, राजराजा चोल प्रथम, राजाधिराज चोल प्रथम, कुलोत्तुंगा चोल प्रथम, कुलोत्तुंगा चोल तृतीय जैसे चोल सम्राटों द्वारा किया गया था। विजयनगर के राजा, विशेषकर कृष्णदेवराय। वायु रूप में शिव को कालहस्तीश्वर के रूप में पूजा जाता है। मंदिर को राहु-केतु क्षेत्र और दक्षिण कैलासम के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

तिरुपति से 36 किमी दूर स्थित, श्रीकालहस्ती मंदिर अपने वायु लिंगम (पवन लिंगम) के लिए प्रसिद्ध है, जो पंच भूत स्थलमों में से एक के रूप में वायु तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। आइए इस प्राचीन मंदिर के आध्यात्मिक सार, सांस्कृतिक महत्व और स्थापत्य चमत्कारों का पता लगाने के लिए एक यात्रा शुरू करें।

ऐतिहासिक महत्व

श्री कालहस्तीश्वर मंदिर की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई तक फैली हुई हैं। किंवदंती है कि यह मंदिर भगवान शिव के कट्टर भक्त ऋषि कन्नप्पा से जुड़ा है। उनकी अटूट भक्ति और बलिदान मंदिर के इतिहास में अमर है। मंदिर के गर्भगृह में लिंगम है, जो कालहस्तीश्वर की दिव्य उपस्थिति का प्रतीक है।

धार्मिक महत्व

यह मंदिर पंच भूत स्तंभों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित है जहां पीठासीन देवता को वायु लिंग (वायु) के रूप में पूजा जाता है। इस मंदिर को दक्षिण की काशी माना जाता है। पहली शताब्दी के शैव संतों ने इस मंदिर के बारे में गाया था। यह भारत का एकमात्र मंदिर है जो सूर्य और चंद्र ग्रहण के दौरान खुला रहता है, जबकि, अन्य सभी मंदिर बंद रहते हैं। यह मंदिर राहु-केतु पूजा के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि इस पूजा को करने से लोगों को राहु और केतु के ज्योतिषीय प्रभावों से बचाया जा सकेगा। हिंदू किंवदंती के अनुसार, सभी चार युगों के दौरान ब्रह्मा द्वारा इस स्थान पर कालहस्तेश्वर की पूजा की गई थी। माना जाता है कि महाभारत के दौरान पांडव राजकुमार अर्जुन ने इष्टदेव की पूजा की थी। कन्नप्पा की किंवदंती, जो एक शिकारी था और संयोग से शिव का एक उत्साही भक्त बन गया, मंदिर से जुड़ी हुई है। मंदिर का उल्लेख तिरुमुरा के विहित कार्यों में नकीरार और नलवर, अर्थात् अप्पार, सुंदरार, संबंदर और मणिकावसागर के कार्यों में भी मिलता है। चूँकि

यह मंदिर तेवरम में प्रतिष्ठित है, इसे पाडल पेट्रा स्थलम के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो उन 275 मंदिरों में से एक है जिनका उल्लेख शैव सिद्धांत में मिलता है।

वास्तुशिल्प चमत्कार

श्री कालहस्तीश्वर मंदिर एक अद्वितीय स्थापत्य शैली का दावा करता है जो दक्षिण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। जटिल नक्काशी, राजसी गोपुरम (प्रवेश टावर), और विशाल मंदिर परिसर इस स्थल की आध्यात्मिक आभा में योगदान करते हैं। मंदिर की वास्तुकला प्राचीन काल के कारी-गरों की कलात्मक कौशल के लिए एक श्रद्धांजलि के रूप में भी खड़ी है।

आध्यात्मिक महत्व

यह मंदिर पंच भूत स्थलों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित है, जो वायु तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। भक्तों का मानना है कि कालहस्तीश्वर की पूजा करने से स्वास्थ्य, समृद्धि और आध्यात्मिक कल्याण का आशीर्वाद मिलता है। मंदिर का शांत वातावरण, लयबद्ध मंत्रोच्चार और अनुष्ठानों के साथ, आत्मनिरीक्षण और दिव्य संवाद के लिए एक शांत स्थान प्रदान करता है।

तीर्थयात्रा का अनुभव

तिरूपति जाने वाले तीर्थयात्री अक्सर अपने आध्यात्मिक यात्रा कार्यक्रम में श्री कालहस्तीश्वर मंदिर की यात्रा भी शामिल करते हैं। भगवान विष्णु को समर्पित प्रसिद्ध तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर के कारण यह शहर हिंदू तीर्थयात्रा में एक विशेष स्थान रखता है। इन दोनों मंदिरों की संयुक्त आध्यात्मिक यात्रा एक अद्वितीय और समग्र तीर्थ अनुभव का निर्माण करती है।

सांस्कृतिक टेपेस्ट्री

अपने धार्मिक महत्व के अलावा, श्री कालहस्तीश्वर मंदिर तिरुपति की जीवंत सांस्कृतिक टेपेस्ट्री में योगदान देता है। मंदिर परिसर में विभिन्न मंदिर, मंडप और मूर्तियां हैं, जिनमें से प्रत्येक पौराणिक महत्व की कहानियां सुनाती है। मंदिर में आयोजित होने वाले त्यौहार और समारोह क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि और परंपराओं को प्रदर्शित करते हैं।

निष्कर्ष

तिरूपति में श्री कालहस्तीश्वर मंदिर केवल पत्थर और गारे की एक संरचना नहीं है; यह आस्था, इतिहास और भक्ति की स्थायी भावना का जीवंत प्रमाण है।

जैसे-जैसे तीर्थयात्री और आगंतुक इसके पवित्र मैदानों का पता लगाते हैं, वे शांति में सांत्वना पाते हैं और इस प्राचीन स्थल में व्याप्त दिव्य ऊर्जा से जुड़ते हैं। श्री कालहस्तीश्वर मंदिर आध्यात्मिकता का एक प्रतीक बना हुआ है, जो सभी को इसके शांत आलिंगन में भाग लेने और दिव्यता और शांति के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है।

विस्तार

पता: मंदिर, कोंडामिट्टा, श्रीकालहस्ती, आंध्र प्रदेश 517644।

खुलने और बंद होने का समय: सुबह 05:00 बजे से रात 09:00 बजे तक

निकटतम रेलवे स्टेशन: श्रीकालहस्ती रेलवे स्टेशन, श्रीकालहस्तीश्वर मंदिर से लगभग 4.6 किलोमीटर की दूरी पर।

निकटतम हवाई अड्डा: तिरूपति हवाई अड्डा, चित्तूर श्रीकालाहस्तीश्वर मंदिर से लगभग 25.3 किलोमीटर की दूरी पर है।

देवता: श्रीकालाहस्तीश्वर (शिव), ज्ञान प्रसुनम्बिका देवी (पार्वती)।

क्या आप जानते हैं : श्रीकालाहस्तीश्वर मंदिर को जल, वायु का प्रतीक माना जाता है। वायु रूप में शिव को कालहस्तीश्वर के रूप में पूजा जाता है। मंदिर को राहु-केतु क्षेत्र और दक्षिण कैलासम के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

साल के पहले सूर्य ग्रहण के बाद इन 4 राशियों को हो सकता है कारोबार में मुनाफा

पंचांग के अनुसार, साल का पहला सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल, दिन सोमवार को लगने वाला है। हालांकि यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसी कारण से इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। हालांकि सूर्य ग्रहण एक ज्योतिषीय घटना जिसका प्रभाव प्रत्येक राशि पर पड़ता ही पड़ता है। ठीक ऐसे ही साल के पहले सूर्य ग्रहण के प्रभाव से कुछ राशियों को कारोबार में मुनाफा हो सकता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि किन राशियों पर पड़ने वाला है पहले सूर्य ग्रहण का शुभ प्रभाव।

साल के पहले सूर्य ग्रहण का वृषभ राशि पर प्रभाव

वृषभ राशि के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे। साल के पहले सूर्य ग्रहण के प्रभाव से आपका जो भी काम रुका हुआ है वह जल्दी ही पूरा होगा। इसके अलावा, इस राशि के व्यापारियों को खासा लाभ होने के प्रबल संकेत भी हैं।

साल के पहले सूर्य ग्रहण का मिथुन राशि पर प्रभाव

साल के पहले सूर्य ग्रहण पर मिथुन राशि के जातकों का भाग्य उनका साथ देगा। मिथुन राशि के लोगों को कारोबार में तो लाभ होगा ही लेकिन अगर आप नौकरीपेशा हैं तो आपके प्रमोशन के प्रबल योग बनते नजर आ रहे हैं।

साल के पहले सूर्य ग्रहण का कर्क राशि पर प्रभाव

साल के पहले सूर्य ग्रहण के बाद से कर्क राशि के जातकों की किस्मत भी करवट लेने वाली है। कर्क राशि के जातक नया व्यापार शुरू कर सकते हैं या पुराने चले आ रहे व्यापार की ही नई शाखा खोल सकते हैं। यह लाभदायक सिद्ध होगा ।

साल के पहले सूर्य ग्रहण का मीन राशि पर प्रभाव

साल के पहले सूर्य ग्रहण के बाद से मीन राशि के जातकों को काफी नए अनुभव हो सकते हैं जो उनके व्यापार को बढ़ाने में उनकी मदद करेंगे। आपको न सिर्फ व्यापारिक लाभ होगा बल्कि पारिवारिक रूप से भी शांति महसूस होगी।

इस टीवी एक्ट्रेस का बैकलेस लुक होता है किलर

हर बार दिखाती हैं बेहद ग्लैमरस अंदाज, पहचाना कौन?

कुछ सितारे अपने काम के साथ-साथ पहनावे के लिए भी फेमस हो जाते हैं। निक्की तंबोली का का नाम भी ऐसे ही सितारों की लिस्ट में शामिल है। वो हर बार एक नया स्टाइल और अंदाज दिखाकर फैंस का दिल जीत लेती हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम हैंडल पर भी बैकलेस अंदाज वाली कई सारी तस्वीरें मौजूद हैं।

निक्की तंबोली को जब भी देखा जाता है, वो फैंस को अपने लुक से खुश कर देती हैं। हर एक आउटफिट को कैसे कैरी कर अपने लुक को खास बनाना है, यह बात निक्की तंबोली बहुत अच्छे से जानती हैं। बता दें कि निक्की तंबोली अपने आउटफिट्स से अच्छे-अच्छे सितारों को टक्कर देती दिखती हैं। हर बार उन्हें एक नए और यूनीक स्टाइल वाले आउटफिट में कहर ढाते हुए देखा जाता है।

बता दें कि निक्की तंबोली को रिएलिटी शो बिग बॉस 14 का हिस्सा बनने के बाद बहुत फेम मिला। फैंस ने उनके गेम को भी बहुत पसंद किया था। शो के दौरान भी एक्ट्रेस खूबसूरत लुक्स में दिखाई देती थी।

निक्की तंबोली का साड़ी कलेक्शन बहुत खास है। उनकी ब्लैक और सिल्वर कलर की इस साड़ी को भी मैटेलिक अंदाज दिया गया है। साथ में उन्होंने कमाल का मेकअप और ज्वेलरी भी कैरी की है। निक्की तंबोली को इंस्टाग्राम पर 5 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। हर वक्त उनकी कोई ना कोई तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो रही होती है। साथ में वीडियो पर भी ढेर सारे व्यूज आते हैं।

भारतीय इतिहास को बखूबी दर्शाता था ओम पुरी और लकी अली का धारावाहिक 'भारत एक खोज'

80 से 90 के दशक में सभी के लिए मनोरंजन का जरिया केवल एक ही चैनल हुआ करता था और वो था दूरदर्शन। इसी एक चैनल पर कई धारावाहिक, समाचार और फिल्में आया करती थी। फिर चाहे वो बच्चों के लिए हो या बड़े के लिए ये एक टीवी चैनल सभी की जरूरत के हिसाब चीजें दिखाया करते थे। ऐसे में इंडस्ट्री के जाने-माने निर्देशक श्याम बेनेगल ने भी अपने दौर में कई कई फिल्में बनाईं।

इसके साथ ही उन्होंने कई डोक्युमेंटरी और टीवी शो भी बनाएं। उन्हीं में से एक भारत के इतिहास पर बना धारावाहिक 'भारत एक खोज' भी था, जो 1988 में दूरदर्शन पर आया करता था और इस शो को देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की किताब 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' पर आधारित था। इस शो में कई बड़े स्टार्स नजर आए थे, जिन्होंने अपने-अपने किरदारों को बखूबी निभाया था। शो को दर्शकों का बेहद प्यार भी मिला था।

'भारत एक खोज' के कुल 53 एपिसोड आए थे और ये शो 1988 से 1989 तक टीवी पर टेलीकास्ट हुआ था, दो हर रविवार सुबह 11 बजे प्रसारित होता था। इस शो के निर्माता और निर्देशक श्याम बेनेगल थे। वहीं, इस शो में रोशन सेठ, ओम पूरी, लकी अली, पीयूष मिश्रा, अलोक नाथ, शबाना आज़मी, अमरीश पूरी और नसरुद्दीन शाह जैसी कई मशहूर हस्तियों ने भी अपने-अपने किरदार निभाए हैं। शो के अंकुर, निशांत, मंथन जैसे किरदार खूब फेम हुए थे।

इस शो की कहानी भारत के इतिहास पर आधारित थी। बताया जाता है कि इस शो की स्क्रिप्ट साल 1986 से बननी शुरू हुई थी और इस दौरान 10,000 से भी ज्यादा इतिहास सम्बन्धित किताबों से बेनेगल और उनकी टीम घिरी रहती थी, जिसके बाद शो की कहानी बनकर तैयार हुई थी। बता दें, जवाहरलाल नेहरू की किताब 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' में भारत के 5,000 सालों के इतिहास को लिखा है, जिसके बेस पर ये धारावाहिक बनाया गया था।

एक सीन, एक डायलॉग... परफेक्शन के लिए बिग बी ने जया बच्चन और बच्चों से बात करनी छोड़ी, घर में करते थे सख्त बर्ताव!

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की आइकॉनिक ब्लॉकबस्टर हिट 'कभी खुशी कभी गम' तो आपको याद ही होगी। जी हां.....वही फिल्म, जिसमें अमिताभ बच्चन अपने बेटे शाहरुख खान को घर से निकाल देते हैं, क्योंकि वह बिना अपने पिता की मर्जी के शादी कर आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं जब शाहरुख खान, काजोल को शादी करके घर लाते हैं तब उस सीन और डायलॉग को कैमरा के सामने परफेक्शन से लाने के लिए अमिताभ बच्चन ने वाइफ जया बच्चन और बच्चों से बात करना छोड़ दिया था।

एक सीन के लिए बीवी-बच्चों से बात करनी छोड़ी!

कभी खुशी कभी गम एसोसिएट डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने एक बार रिडिफ को इंटरव्यू दिया था, जहां उन्होंने फिल्म का किस्सा शेयर किया था। आडवाणी ने कहा, 'एक सीन था, जिसमें अमिताभ बच्चन का किरदार अपने बेटे शाहरुख को घर से निकाल देता है। तो उस सीन में अमिताभ को एक डायलॉग बोलना था- 'आज तुमने साबित कर दिया कि तुम मेरे खून नहीं हो'।

अमिताभ बच्चन इस डायलॉग को इतना परफेक्शन से करना चाहते थे कि उन्होंने अपनी वाइफ और बच्चों से बात करना बंद कर दिया था। निखिल आडवाणी ने यह भी कहा था कि उनसे उस दौरान एक गलती हो गई थी। दरअसल, उन्होंने बिग बी से कह दिया कि सीक्वेंस को शूट होने में दो दिन का टाइम लगेगा, लेकिन असल में टाइम 3 दिन का बताया जाना था। एडी निखिल आडवाणी ने इंटरव्यू में बताया था कि जया जी को अंदाजा ही नहीं था कि क्या चल रहा है। निखिल ने कहा,जब वह माफी मांगने गए थे तो जया जी ने आगे से कहा- 'उन्हें नहीं पता क्या चल रहा है, वह पिछले दो दिनों से उनसे और बच्चों से बात नहीं कर रहे हैं, बस इधर-उधर घूमते रहते हैं और सभी से रूडली बात करते हैं'। निखिल ने कहा, कि तब जाकर सबको पता लगा था कि बिग बी ने उस सीन में परफेक्शन देने के लिए ऐसा किया था।

जब 'पुकार' का गाना शूट करते वक्त ठंड से जम गई थीं माधुरी दीक्षित, नीले पड़ गए थे होंठ

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने ढेर सारी कमाल की फिल्मों में काम किया है। साल 2000 में धक-धक गर्ल की फिल्म 'पुकार' भी रिलीज हुई थी। इस फिल्म की कहानी को लोगों ने बहुत बार देखा होगा, पर वो शायद ही जानते होंगे कि शूट के दौरान माधुरी का हाल कितना बुरा हो गया था। इसी फिल्म के एक गाने की शूटिंग अलास्का के ग्लेशियर पर हुई थी, जहां माधुरी से साड़ी पहनी थी। जब शूटिंग शुरू हुई, तो एक्ट्रेस ठंड की वजह से जम गई। आइए जानते हैं फिल्म 'पुकार' के शूट से जुड़ा यह अनसुना किस्सा।

जब शूट के दौरान जम गए थे माधुरी के होंठ – रिपोर्ट के मुताबिक माधुरी ने खुद इस बारे में बताया था। एक्ट्रेस बताती हैं कि सितारों को गानों को शूट करते वक्त साथ में लिप सिंक भी करने होते हैं। पर कई बार ऐसी भी जगह शूट होते हैं, जहां होंठ हिलाना मुश्किल हो जाता है। फिल्म 'पुकार' के गाने में माधुरी दीक्षित ने नीले रंग की शिफॉन साड़ी पहनी थी। माधुरी ने बताया था कि जैसे ही शूट शुरू हुआ उन्होंने गाना शुरू किया। मगर एक्ट्रेस के होंठ जम गए थे। इस गाने का नाम था 'किस्मत से हम तुमको मिले' था।

ऐसी बचाई गई थी जान – शूट पर एक डॉक्टर को भी लेकर गए थे क्योंकि ठंड बहुत थी। माधुरी का हाल देख डॉक्टर उनके पास पहुंची और उन्होंने कहा कि शूट को रोकना होगा। माधुरी के होंठ नीले पड़ गए थे। इसके बाद पूरी तैयारी की गई। माधुरी के लिए एक हिटर मंगाया गया। फिर जाकर गाने को जैसे-तैसे शूट किया गया था।

खूब मस्तीखोर हैं टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार को यूं बना दिया अप्रैल फूल

देखने लायक है 'बड़े मियां' का रिएक्शन

बॉलीवुड में अपने को-स्टार्स के साथ प्रैंक करने के लिए अक्षय कुमार फेमस हैं। अक्षय कुमार कभी अपने को-स्टार को प्रसाद बोलकर लस्सन खिला देते हैं तो कभी किसी को-एक्ट्रेस को फोन पर मैरिज प्रपोजल दे देते हैं। लेकिन इस बार अप्रैल फूल के दिन खिलाड़ी कुमार पर उनका ही दांव उलटा पड़ गया है। जी हां।।।अक्षय कुमार को टाइगर श्रॉफ ने अप्रैल फूल बना डाला है। अप्रैल फूल बनने के बाद अक्षय कुमार का फनी रिएक्शन सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

टाइगर श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में शर्टलेस टाइगर एक कोल्डड्रिंक की बोतल को खूब जोर से शेक करते नजर आ रहे हैं। फिर वह बोतल को कुर्सी पर रखकर अन्य लोगों के साथ खेलने लग जाते हैं। तभी दूसरी तरफ से अक्षय कुमार दौड़ते नजर आते हैं। जैसे ही अक्षय ग्राउंड में पैर रखते है, तभी टाइगर कुर्सी की तरफ इशारा करके कोल्ड ड्रिंक देने के लिए कहते हैं। अक्षय पीछे मुड़ते हैं और कोल्ड ड्रिंक की बोतल टाइगर की तरफ बढ़ा देते हैं। लेकिन टाइगर कहते हैं कि खोलकर दीजिए। अक्षय बोतल खोलने लगते हैं और गैस बनी कोल्डड्रिंक सारी छलक कर अक्षय के मुंह पर आ जाती है, जिसके बाद टाइगर समेत ग्राउंड में मौजूद अन्य लोग जोर-जोर से हंसने लगते हैं।

अप्रैल फूल बनने के बाद अक्षय कुमार के फेशियल एक्सप्रेशन देखने लायक है। अक्षय फिर बची हुई कोल्ड ड्रिंक को सभी पर डालने के लिए जोर से घूमकर उड़ा देते हैं। टाइगर श्रॉफ ने अक्षय को अप्रैल फूल बनाने के इस वीडियो के साथ इंस्टाग्राम पर एक कैप्शन भी शेयर किया है। टाइगर ने कैप्शन में लिखा- 'अप्रैल फूल बड़े मियां।' बता दें, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ जल्द ही 'बड़े मियां छोटे मियां' एक्शन-थ्रिलर से भरपूर फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अक्षय-टाइगर के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, अलाया एफ, मानुषी छिल्लर और सोनाक्षी सिन्हा अहम रोल में नजर आने वाली हैं।

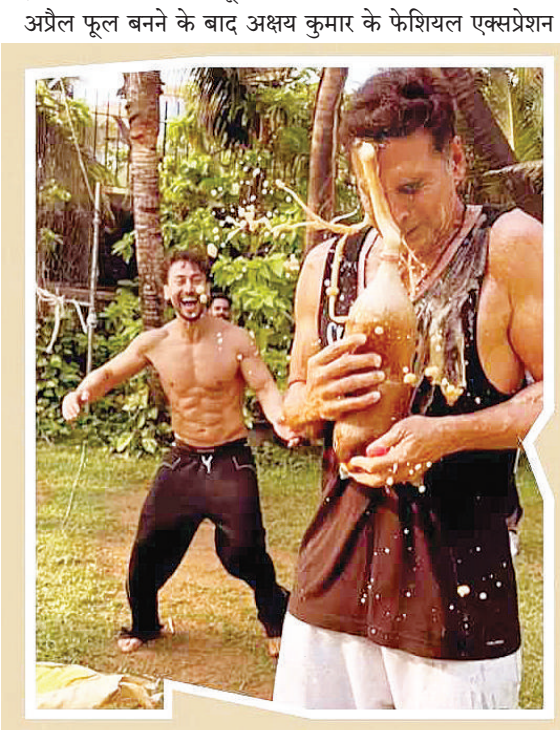

पटना शुक्ला को मिली प्रतिक्रिया से अनुष्का कौशिक अभिभूत

रवीना टंडन द्वारा निर्देशित पटना शुक्ला में रिंकी कुमारी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अनुष्का कौशिक ने कहा कि फिल्म के लिए उन्हें जो प्रतिक्रिया मिल रही है, उससे वह अपनी आगामी परियोजनाओं में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की भावना से उत्साहित हैं।अनुष्का, जो क्रैश कोर्स, घर वापसी और लस्ट स्टोरीज़ जैसी परियोजनाओं में अपने काम के लिए भी जानी जाती हैं, ने कहा: पटना शुक्ला कई कारणों से एक बेहद खास फिल्म रही है, न केवल इसने उत्साह बढ़ाया है मुझे अपनी बहुमुखी प्रतिभा का एक नया पहलू पेश करना है, लेकिन मुझे व्यवसाय के कुछ सबसे अद्भुत लोगों के साथ काम करने का अवसर भी मिला।अभिनेत्री ने आगे कहा, हालांकि, जो चीज इसे सबसे खास बनाती है वह है इसकी कहानी, विषय की गंभीरता ने मुझे प्रभावित किया और मुझे खुशी है कि इसने दर्शकों को भी प्रभावित किया है। फिल्म और विशेष रूप से मेरे प्रदर्शन को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया अवास्तविक है।मैं अपने आगामी प्रदर्शन में और भी बेहतर प्रदर्शन करने के जज्बे से उत्साहित हूं और मैं उन सभी को धन्यवाद देना पसंद करूंगा जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया है।

मानुषी छिल्लर ने ब्लैक आउटफिट में ढाया कहर, तस्वीरें देखकर फैंस हुए मदहोश

मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं । हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में मानुषी ने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और लाइट मेकअप किया है। तस्वीरों में उनका पोजिंग स्टाइल भी काफी कातिलाना है।मानुषी की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। साथ ही उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपने लुक्स से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचना बखूबी जानती हैं। वहीं उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस भी अक्सर मदहोश हो जाते हैं।मानुषी छिल्लर जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर को ये फोटोज पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक हजारों में लाइक्स आ गए हैं।फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और उनकी हॉटनेस की तारीफ कर रहे हैं। मानुषी छिल्लर जल्द ही अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला मे जाकर सेवा करें और दान करें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए । अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी-कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी जरुरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही ख़ुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलैक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढाई पर आप को बहुत मेहनत करनी पडेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य मे अधिक परिश्रम करना पड़ेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है।
आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खूबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है।
आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,ज,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ-बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 03 अप्रैल 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी सायं 06:32 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 09:48 तक
योग : शिव सायं 04:09 तक
करण : तैतिल प्रात: 07:26 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा उत्तर रात्रि 05:26 से , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञं अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने चित्तौड़गढ़ से भरा नामांकन

चित्तौड़गढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

सीएम-डिप्टी सीएम ने बढ़ाया उत्साह

जोशी की जनसभा में सीएम भजनलाल, डिप्टी सीएम दिया कुमारी, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ समेत भाजपा की कई हस्तियां मौजूद रहीं। राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मंगलवार को चित्तौड़गढ़ लोकसभा प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कराया। नामांकन दाखिल करने से पहले चित्तौड़गढ़ शहर के ईनाणी सिटी सेंटर में एक विशाल जनसभा हुई। सभा की शोभा बढ़ाने और जनता को आकर्षित करने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ जयपुर से हैलीकॉप्टर से चित्तौड़गढ़ आए।

भाजपा के पूर्व एवं निम्बाहेडा के पूर्व विधायक श्रीचंद कृपलानी भी जनसभा में मौजूद थे। ईनाणी सिटी सेंटर में करीब 20 हजार लोगों की सभा को संबोधित करते हुए सीएम भजन लाल ने पीएम मोदी के दस साल के कामों का बखान किया। वहीं डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान उनकी सरकार ने विकास की बहार ला दी है। सरकार बनने के बाद 100 दिनों में इतने विकास कार्य हुए जिनका बखान करने में एक घंटे का समय भी कम पड़ेगा।

जाहिर है कि सीपी जोशी पीएम मोदी की गुड लिस्ट के नेता हैं। चार माह पूर्व प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया का कार्यकाल निरंकुश एवम निष्प्रभावी हो चुका था। ऐसे हालात में भाजपा संगठन की बागडोर जोशी को सौंपी गई थी। जोशी ने चित्तौड़गढ़ सांसद का दायित्व बखूबी निभाते हुए प्रदेश भाजपा की कमान संभाली थी। जोशी के नेतृत्व में की गहलोत सरकार को हराया गया था।

कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया

नामांकन सभा में सभी बड़े नेता मौजूद रहे

जोधपुर,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन का दौर जोर लगा है। भाजपा-कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने नामांकन दाखिल कर दिया है। जोधपुर से कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक मनीषा पंवार, पूर्व विधायक हीराराम मेघवाल और कांग्रेस जिला अध्यक्ष अध्यक्ष सलीम मौजूद थे।

नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद उम्मेद स्टेडियम में उचियारड़ा के समर्थन में हुई नामांकन सभा को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, और प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा समेत अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अलवर, दिल्ली के बहुत पास है और वहां दिल्ली से खबर आ रही है कि इस बार सरकार आफत में है। मोदी सरकार ने युवाओं के साथ छल किया है। जोधपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा ने सभा संबोधित करते हुए कहा कि गहलोत और पायलट एक मंच पर आ गए हैं। अब कांग्रेस को जीतने से कोई नहीं रोक सकता। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि इस बार के चुनाव के नतीजे बड़े चौंकने वाले हो सकते हैं। पायलट ने महंगाई, बेरोजगारी समेत कई को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार पर हमला बोला। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर 'चंदा दो-धंधा करो' का आरोप लगाया।

टैक्स से कमाई में लगातार पिछड़ी सरकार, सीएस ने रिव्यू मीटिंग में अफसरों की लगाई क्लास

राजस्थान ,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

संशोधित अनुमानों में कोरोना काल को छोड़ दें तो राजस्थान के टैक्स कलेक्शन के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि पिछले वित्त वर्ष मुकाबले अगले वित्त वर्ष में टैक्स कलेक्शन में इतनी भारी गिरावट आई हो। टैक्स कलेक्शन के आंकड़ों को देखें तो वित्त वर्ष 2023-24 में बजट अनुमानों में 1 लाख 14 हजार करोड़ रुपए का टैक्स कलेक्शन अनुमानित रखा गया। जबकि 31 मार्च को सिर्फ 1 लाख 4 हजार करोड़ का टैक्स मिलना बताया गया है। इनमें भी राशि का बड़ा हिस्सा अभी सिर्फ कागजों में ही मिला है। यानी 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान तो सीधा-सीधा है। हालांकि मुख्य सचिव के समक्ष जो टैक्स कलेक्शन की रिपोर्ट थी, उसमें तो संशोधित अनुमान में टेक्स कलेक्शन के अनुमान लाख 22 हजार करोड़ रुपए रखे गए हैं। इसके हिसाब से तो टैक्स कलेक्शन करीब 18 हजार करोड़ रुपए कम रहा है।

शराब नीति ने महकमा डूबोया

इसमें सबसे बड़ी विफलता शराब नीति की रही। राजस्थान की शराब नीति फेल हो गई। इससे सरकार को भारी नुकसान उठाना पड़ा। से सरकार ने 17 हजार करोड़ रुपए के टैक्स कलेक्शन का अनुमान बजट में रखा था, लेकिन 31 मार्च तक सिर्फ 13219 करोड़ रुपए ही सरकार को मिल सके।

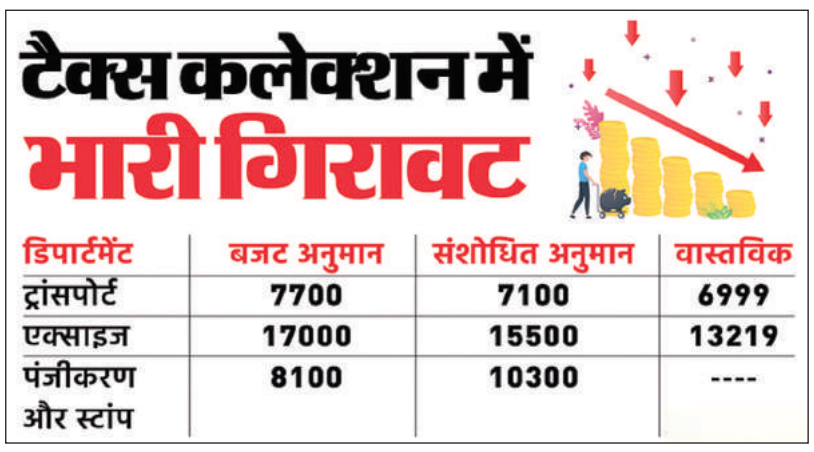

डिपार्टमेंट	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक
ट्रांसपोर्ट	7700	7100	6999
एक्साइज	17000	15500	13219
पंजीकरण और स्टांप	8100	10300	----

मुख्य सचिव ने लगाई फटकार

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने वित्त राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में जिम्मेदार अफसरों की क्लास ले ली। उन्होंने कहा कि नए वित्त वर्ष में पहले सप्ताह से ही इन विभागों की समीक्षा शुरू हो जानी चाहिए। सीएस ने कहा कि वे खुद हर महीने अब इस मामले का रिव्यू करेंगे। सीएस की बैठक में सामने आया कि छह जिलों की टैक्स कलेक्शन की बहुत धीमी रही।

टारगेट के मुकाबले क्यूं फिसड्डी रहे टैक्स कलेक्शन में

दरअसल, यह सारा मामला इसलिए हुआ क्योंकि पिछली सरकार में अफसरों ने फ्री की कुछ बड़ी घोषणाओं को पूरा होता दिखाने के लिए राजस्व टारगेट बढ़ाकर दिखाए। ताकि वित्तीय संकट नजर नहीं आए, लेकिन साल खत्म होते-होते बाहर आ गई। बजट अनुमानों के मुकाबले में संशोधित अनुमान घटाने के बाद भी टैक्स कलेक्शन में विभाग हजारों करोड़ रुपए पिछड़ गए।

43 दिन से बंद बॉर्डर खुले, नागरिकों के डबवाली बंद करने के बाद कार्रवाई

पंजाब-हरियाणा आवागमन शुरू

सिरसा ,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

पंजाब के किसानों को दिल्ली कूच से रोकने के लिए 43 दिन सील किए गए बठिंडा हाईवे और मलोट हाईवे को प्रशासन ने मंगलवार को दोपहर बाद खोल दिया। वहीं व्यापारियों ने अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार डबवाली शहर दोपहर दो बजे तक बंद रखा। इस दौरान बाजारों से लेकर गली मोहल्ले तक में दुकानें बंद रहीं। व्यापारियों की अपील पर ने एकजुटता दिखाते हुए शहर को पूरी तरह बंद कर दिया और गोल चौक पर व्यापारियों के धरने का समर्थन किया।

हालांकि पुलिस प्रशासन की मदद के लिए भी शहर के मौजिज लोग आगे आए और बठिंडा हाईवे खुलवाने में सहयोग दिया। वहीं मलोट व बठिंडा हाईवे खुलने पर ने खुशी जाहिर की और शहरवासियों की आपसी एकता को जीत का श्रेय दिया। व्यापारियों ने कहा कि 43 दिन बाद डबवाली में हरियाणा और पंजाब का आज दोबारा संगम हुआ है।

बता दें कि चार दिनों से डबवाली के व्यापारी और आढ़ती गोल पर हाईवे खुलवाने को लेकर धरना दे रहे हैं। धरने के दौरान उन्होंने दो अप्रैल को डबवाली बंद करने की चेतावनी दी थी। वहीं सोमवार को ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला और डबवाली के विधायक अमित सिहाग धरने पर पहुंचे थे। विधायक अमित सिहाग ने जहां मुख्यमंत्री नायब सैनी को मामले से अवगत करवाया था। वहीं विधायक अभय सिंह चौटाला ने उपायुक्त को 6 अप्रैल तक हाईवे खोलने का वक्त दिया था।

उन्होंने चेतावनी दी थी कि सात अप्रैल को वह स्वयं ट्रैक्टर और कार्यकर्ताओं के साथ आएंगे और हाईवे को खोलेंगे। दोनों के पहुंचने के बाद गर्माता देखकर प्रशासन ने देर शाम को ही हाईवे खोलने की कवायद शुरू कर दी थी।

पुलिस प्रशासन ने किसानों को रोकने के लिए मलोट अंडरपास व पुल को बड़े-बड़े पत्थर व बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया था। जबकि बठिंडा हाईवे फाइव लेयर सिस्टम से बंद किया था। जितनी मशक्कत प्रशासन को हाईवे को बंद करने में लगी थी उससे ज्यादा मेहनत 15 घंटों तक हाईवे खोलने में करनी पड़ी। डबवाली के लोगों के अनुसार मलोट अंडरपास आसानी से खुल गया और पुल का एक हिस्सा भी जल्द ही प्रशासन खोल दिया। जिससे आवागमन मंगलवार सुबह शुरू हो गया। लेकिन बठिंडा हाईवे खोलने में प्रशासन के पसीने छूट गए। कई लेयर में लगाए गए बैरिकेड जेसीबी की जगह पोकलेन मशीन से हटाने पड़े। सुखविंद्र सिंह काका, राजीव बांसल, रमेश मेहता, राजेश जैन काला, विपिन मोंगा, जैन, सुरेंद्र सिंह, गुरविंद्र सिंह, बिट्टू, धन्ना सिंह मिस्त्री सहित तमाम व्यापारियों, दुकानदारों ने कहा कि 43 दिन बाद हाईवे खुलने से अब पंजाब और हरियाणा का संगम हुआ है। दोनों राज्यों में अब दोबारा आपसी व्यापार, स्वास्थ्य सेवाएं व अन्य सेवाएं शुरू हो पाएंगी। डबवाली बंद को लेकर शहरवासियों का सहयोग रहा है और उनके प्रयासों से आज हाईवे खुले हैं।

दो किलो अफीम दूध के साथ तस्कर गिरफ्तार साढ़े तीन लाख रुपए भी जब्त

दौसा,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

चुनावों के मद्देनजर पुलिस लगातार मादक पदार्थों की तस्करी व रोकथाम के लिए अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। इसी के चलते मुखबिर की सूचना पर एक रिहायशी मकान पर छापा मारकर पुलिस ने दो किलो अफीम का दूध बरामद किया है।

सांचौर की करड़ा ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक रिहायशी घर में दबिश देकर 2 किलो अवैध अफीम का दूध बरामद कर एक आर-ोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अफीम दूध बेचकर कमाई गई साढ़े तीन लाख रुपये की नकदी और एक कार जब्त की है।

सांचौर जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के निर्देशन में आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत करड़ा थाना अधिकारी दीपसिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाना क्षेत्र के गांव अरणाय गोलियां में मुखबिर की सूचना पर पुत्र सवाराम देवासी निवासी अरणाय के घर पर दबिश देकर मेवाराम के कब्जे से अवैध रूप से रखा गया 2 किलो अफीम का दूध बरामद किया गया। पुलिस ने मेवाराम को गिरफ्तार कर उसके पास से इसे बेचकर अर्जित किए गए साढ़े तीन लाख रुपये और एक लग्जरी कार जब्त की है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अफीम दूध की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पड़ोसी राज्यों से हरियाणा में नशा-हथियार तस्करी का खतरा

चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनावों को पड़ोसी राज्यों से नशा और हथियार तस्करी का खतरा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल और दिल्ली को खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है।

इस इनपुट के आधार पर हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद और पुलिस के आला अधिकारियों ने पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों साथ एक रिपोर्ट साझा की है और सर्तकता बरतने की अपील की है। मुख्य सचिव ने हरियाणा के डीजीपी और सीआईडी चीफ को हरियाणा पुलिस को सतर्कता बरतने के कड़े निर्देश देने को कहा है। दूसरे राज्यों से लगती सीमाओं पर नाके लगाकर चेकिंग करने की हिदायत भी दी है।

खुफिया एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में पिछले चुनावों का हवाला देते हुए कहा है कि इस बार लोकसभा चुनाव के दौरान हरियाणा में उत्तर प्रदेश की तरफ से अवैध शराब और हथियारों की तस्करी बढ़ जाती है। आशंका जताई गई है कि अवैध हथियार सहारनपुर, मेरठ, शामली और से हरियाणा में आ सकते हैं। हरियाणा के पानीपत और यमुनानगर में स्मैक, अफीम, गांजा की तस्करी उत्तर प्रदेश की तरफ से होती है। खासकर यह यूपी के गांव दुमझेड़ा, दुमझेड़ी थाना चिलकाना मिर्जापुर, सरसावा, कुतुबपुर से होती है। इसी प्रकार, राजस्थान जिला चूरू से हिसार में अवैध शराब के पाउच सप्लाई किए जाते हैं। पिछले दिनों हिसार में 3648 पाउच बरामद किए जा चुके हैं। भिवानी की सीमा राजस्थान के जिला झुंझुनू, चूरू, हनुमानगढ़ से लगती है। राजस्थान के कच्चे रास्तों से चोरी छिपे अवैध शराब की आपूर्ति हरियाणा में जाती है। इसके अलावा कुछ शराब ठेकेदारों की दोनों ही राज्यों के शराब के ठेकों में हिस्सेदारी है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बिहार कांग्रेस के तीन प्रत्याशी तय

अजय निषाद का नाम नहीं भागलपुर से लड़ेंगे अजीत शर्मा

पटना (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने एक बार फिर उम्मीदवारों की सूची को जारी किया है। इस सूची में अजय निषाद का नाम नहीं है। सूची में जिनका नाम है वह भागलपुर के अजीत शर्मा हैं । इससे पहले कटिहार के तारिक अनवर और किशनगंज से मोहम्मद जावेद के नाम की लगभग घोषणा हो चुकी थी। अब यह स्पष्ट हो गया है कि भागलपुर से अजीत शर्मा ही चुनाव लड़ेंगे।

दिल्ली में सीईसी की बैठक आयोजित की गई थी। यह बैठक मुख्य रूप से सीट को लेकर किया गया था। बिहार में महागठबंधन में कांग्रेस को लोकसभा की नौ सीटें मिली हैं। इस बैठक में दो

सीट कटिहार और किशनगंज पर कांग्रेस की मुहर लग गई थी, सिर्फ नाम की घोषणा बाकी थी। हालांकि 'अमर उजाला' ने पहले ही बता दिया था कि कटिहार से तारिक अनवर और किशनगंज से मोहम्मद जावेद कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। साथ ही भागलपुर में कांग्रेस उम्मीदवार अजीत शर्मा होंगें। अब कांग्रेस ने इन तीनों नामों की विधिवत घोषणा कर दिया है।

पिछले कुछ दिनों से भागलपुर में यह चर्चा जोरों पर थी कि भागलपुर से इस बार लोकसभा चुनाव में अजीत शर्मा खुद न लड़कर अपनी एक्ट्रेस बेटी नेहा शर्मा को चुनावी मैदान में उतारेंगे। पत्रकारों से पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए अजीत शर्मा ने ऐसा कहा भी था कि उम्मीद करता हूं कि कांग्रेस को भागलपुर सीट मिलनी चाहिए और हम इस सीट से लड़ेंगे भी और जीतेंगे भी। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर कांग्रेस को भागलपुर सीट मिलती है तो मैं इस बार अपनी बेटी नेहा शर्मा को कांग्रेस का उम्मीदवार बनाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा था कि मैं भागलपुर में पहले से विधायक हूं लेकिन अगर पार्टी चाहेगी तो अब मैं अपनीं बेटी नेहा को राजनीति में उतारने की कोशिश करूंगा लेकिन अगर पार्टी चाहेगी कि मैं ही इस सीट से चुनाव लड़ूं तो मैं ही चुनाव लड़ूंगा। लेकिन फिर 'अमर उजाला' से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि नेहा की अभी काफी व्यस्तता है इसलिए फ़िलहाल वह चुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी अगर मुझे टिकट देगी तो मैं ही चुनाव लड़ूंगा।

भाजपा ने टिकट काटा तो कांग्रेस का हाथ थामने जा रहे अजय निषाद

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद मुजफ्फरपुर सीट से भाजपा के सांसद अजय निषाद आज कांग्रेस ज्वाइन करेंगे। दिल्ली में वह कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करेंगे। अजय निषाद टिकट कटने के कारण नाराज चल रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के सामने अपनी नाराजगी जताते हुए प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे दिया। वह अब कांग्रेस पार्टी के सिंबल से मुजफ्फरपुर से चुनाव लड़ सकते हैं। भाजपा ने इस बार मुकेश सहनी की पार्टी छोड़कर आने वाले डॉ. राजभूषण चौधरी को टिकट दिया है। डॉ. राजभूषण को पिछले चुनाव में अजय निषाद ने 409988 वोटों से हराया था।

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे अजय निषाद को 659833 वोट मिले थे। वहीं मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी के प्रत्याशी राजभूषण चौधरी को 254832 वोट मिले। इस बार राजभूषण चौधरी भाजपा में आ गए। भाजपा ने अपने सांसद अजय निषाद को टिकट नहीं दिया। डॉ. राजभूषण चौधरी को मुजफ्फरपुर से उम्मीदवार बना दिया। इसी बात को लेकर अजय निषाद नाराज हो गए। उनका इस तरह टिकट कटेगा, इसकी उम्मीद उन्हें भी नहीं थी। लेकिन, इससे भी बड़ा झटका अजय निषाद के लिए यह रहा कि उन्होंने जिस प्रत्याशी को बड़े अंतर से हराया था, भाजपा ने उसी पर दांव खेला।

मंगलवार सुबह सांसद अजय निषाद ने खुद को मोदी के परिवार से अलग कर लिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया फ्लेटफॉर्म से 'मोदी का परिवार' टैग भी हटा लिया। सूत्रों की मानें तो दिल्ली में सोमवार को कांग्रेस के आलाकमान के साथ उनकी मुलाकात हुई थी। आज दोपहर करीब 12 बजे वह कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस में शामिल होने से पहले उन्होंने भाजपा से रिश्ता तोड़ लिया है।

खाना बनाते समय लगी गैस सिलेंडर में आग, महिला की झुलसकर मौत

सीवान (एजेंसियां)।

बिहार के सीवान में खाना बनाने के दौरान सिलेंडर से गैस का रिसाव होने पर आग लग गई। इस हादसे में एक महिला बुरी तरह झुलस गई, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के कोईया गांव निवासी मिथिलेश शर्मा की पत्नी ईसा देवी के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, घटना के समय महिला खाना बना रही थी। तभी अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग गैस रिसाव के कारण लगी थी। जब तक महिला ने बचकर भागना चाहा, तब तक वह बुरी तरह आग से झुलस गई। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर घर वालों ने किसी तरह घायल महिला को किचन से बाहर निकाला। फिर इलाज के लिए पीएचसी भगवानपुर में भर्ती कराया।

जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सीवान सदर अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने इलाज किया और स्थिति गंभीर देखते हुए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। पीड़िता को पटना ले जाने की तैयारी चल ही रही थी कि उसने दम तोड़ दिया।

इधर, किचन में आग लगने से बर्तन समेत अन्य सामान जलकर खाक हो गया। किसी तरह आसपास के लोगों और दमकल की गाड़ी की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया गया। वहीं, महिला की मौत के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

हाईकोर्ट ने बिहार के 3.5 लाख शिक्षकों को दी राहत

सक्षमता परीक्षा में फेल होने पर नहीं जाएगी नौकरी, एग्जाम ना देने पर भी खतरा नहीं

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के नियोजित शिक्षकों के लिए खुशखबरी है। पटना हाईकोर्ट ने बिहार के नियोजित शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने नियोजित शिक्षकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा है कि सक्षमता परीक्षा में फेल होने या शामिल नहीं होने वाले शिक्षक भी पद पर बने रहेंगे। उनकी नौकरी नहीं जाएगी।

पटना हाईकोर्ट के इस फैसले से बिहार सरकार को बड़ा झटका लगा है। वहीं, इस फैसले से करीब 3.50 लाख नियोजित शिक्षकों को फायदा होगा।

मंगलवार को हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा है कि ऐसे नियोजित शिक्षक जो सक्षमता परीक्षा में शामिल नहीं हुए हैं या जो परीक्षा में शामिल होने के बावजूद पास नहीं हो सके हैं। वे सभी पहले की तरह अपने पद पर बने रहेंगे।

वहीं, संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने पटना हाईकोर्ट के फैसले को सही

बताया है। उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया हाउस में भ्रामक तौर से कुप्रचारित किया जा रहा है। मीडिया हाउस कह रहे है कि नियोजित शिक्षकों को हटा नहीं सकते। जबकि, बिहार सरकार ने कभी भी हटाने की बात नहीं कही। नियमावली में कहा गया था कि परीक्षा नहीं देंगे या फिर फेल हो जाएंगे। वह नियोजित ही रह जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मीडिया हाउस सरकार को बदनाम करना चाह रही है। सरकार ने अपने एफिडिफिट में साफ कहा है कि मैं नियोजित शिक्षकों को हटाने नहीं जा रहा हूं। शिक्षक संघ समक्षता परीक्षा के विरोध में गए थे। जिस पर कोर्ट ने कुछ नहीं बोला।

दरअसल, बिहार सरकार ने नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा और सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सक्षमता परीक्षा आयोजित की थी। शिक्षा विभाग की तरफ से नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा के जरिए पहले तीन मौके देने की बात कही थी, लेकिन बाद में शिक्षक संघ के भारी विरोध किया तो तीन से बढ़ाकर पांच मौके में तब्दील किया गया।

सक्षमता परीक्षा के पहले दौर में करीब एक लाख से अधिक नियोजित शिक्षक उत्तीर्ण हुए हैं।

उन्हें चॉइस के रूप में गृह जिला आवंटन किया गया है। सक्षमता परीक्षा पास नियोजित शिक्षकों को जिला आवंटन भी कर दिया गया है। शिक्षा विभाग समक्षता परीक्षा उत्तीर्ण नियोजित शिक्षकों को स्कूल आवंटन करेगा। बीप-ीएससी पास शिक्षकों के स्कूल आवंटन के तर्ज पर ही नियोजित शिक्षकों का स्कूल आवंटित किया जाएगा।

अपराधियों ने पिता-पुत्र को गोलियों से भूना, खेत में काम करने के दौरान हुई हत्या

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर में मंगलवार की सुबह दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने पिता-पुत्र को गोलियों से भून डाला। इस घटना में घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। पिता को चार गोली लगी है, जबकि बेटे के पेट के बीचो-बीच गोली लगी। इस दिनदहाड़े हत्या के वारदात के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनीपुर गांव की है। घटना को सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतकों में उदवंत नगर थाना क्षेत्र के रघुनीपुर गांव निवासी स्वर्गीय बली सिंह के पुत्र रामाधार सिंह (65) और उनका बेटा मुकेश यादव (35) शामिल है।

घटना के संबंध में मृतक के दूसरे बेटे जगेश ने बताया कि 2009 से चले आ रहे दो कट्ठे जमीन के विवाद को लेकर गांव के ही कुछ दबंगों से विवाद चल रहा था। मंगलवार की सुबह जब पूरा परिवार खेत में गेहूं काट रहा था, तभी हथियार से लेश कुछ दबंग खेत में आ धमके और ताबड़तोड़ फायरिंग कर मेरे पिता के सिर में और भाई के पेट में गोली मार दी। जगेश ने बताया कि इस दौरान उक्त लोगों के द्वारा

मुझ पर भी फायरिंग की गई लेकिन हम वहां से अपनी जान बचाकर भाग निकले।

घटना की सूचना मिलने के बाद एएसपी परिचय कुमार अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के संबंध में उन्होंने बताया कि काफी सालों से इन लोगों का जमीनी विवाद चल रहा था, जब यह लोग खेत में काम कर रहे थे, तभी कुछ लोगों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुछ लोगों का नाम सामने आया है, जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

2009 से शुरू हुए इस विवाद में दोनों पक्ष से 8 लोगों की हत्या हो चुकी है।

इस घटना में आज जिनकी हत्या हुई है वह यादव समाज से आते हैं। 2009 से ही पटीदार से दो कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इस हत्या से पहले बीच में भी कई बार विवाद हुआ था। 2009 में ही मृतक के बड़े भाई रामसेवक सिंह, संतोष कुमार भतीजा और एक बहु का अपहरण कर हत्या हुई थी। उस दौरान विनोद यादव, अमन यादव और चमन यादव पर हत्या का आरोप लगा था। आज भी हत्या का आरोप इन्हीं तीनों पर लगा है। वहीं 2009 में ही विनोद यादव का पटीदार शिवमंगल यादव, काशीनाथ सिंह और ललन यादव की हत्या हुई थी, जिसमें मृतक रामाधार सिंह जेल गया था। आज अहले सुबह रामाधार सिंह की हत्या की गई है। मृतक रामाधार सिंह, शिवमंगल यादव, काशीनाथ यादव और ललन यादव की हत्या के मामले में 2011 से 2023 तक जेल में बंद था।

बाल मजदूरी के लिए ले जाए जा रहे छह बच्चों को आरपीएफ ने छुड़वाया

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के रोहतास जिले के सासाराम रेलवे स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने बाल मजदूरी के लिए ले जाए जा रहे छह नाबालिग बच्चों को बरामद किया है। मामले में आरपीएफ निरीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह आरपीएफ की टीम सासाराम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफार्म पर छह नाबालिग बच्चों को एक व्यक्ति के साथ संदिग्ध स्थिति में देखा गया।

पूछताछ के दौरान पता चला कि सभी बच्चों को गुजरात की एक फैक्ट्री में मजदूरी कराने के लिए ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी नाबालिग बच्चे औरंगाबाद जिले के निवासी हैं, जिन्हें बहला-फुसला कर ले जाया जा रहा था। आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि बिहार और झारखंड से बड़ी संख्या में दलाल बाल मजदूरी के लिए गांव के गरीब नाबालिग बच्चों को देश के विभिन्न राज्यों में बाल मजदूरी कराने के लिए ले जाते हैं। इसके पूर्व में भी रोहतास जिले के डेहरी और सासाराम से बाल मजदूरों को एनजीओ की मदद से आरपीएफ द्वारा दलालों के चंगुल से छुड़ाया जा चुका है।

शीतलाष्टमी पर मथुरासिनी महोत्सव का आयोजन, सड़कों पर उमड़ी भीड़

शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा, कई घंटों तक यातायात रही बाधित

शेखपुरा (एजेंसियां)।

शेखपुरा के बरबीघा शहर में माता मथुरासिनी महोत्सव का आयोजन किया गया। मंगलवार को श्रद्धालुओं की ओर से मनोरम झांकी निकाली गई। इसमें माहुरी पंचायत के कई श्रद्धालुओं ने शहर के विभिन्न चौक चौराहों से ढोल बाजे और झंडा पताका के साथ जय कारा लगाते हुए हिस्सा लिया। इसके साथ ही शोभायात्रा में पुरुषों ने भी भाग लिया और यात्रा में देवी देवताओं की सजीव

झांकी प्रस्तुति की गई।

हालांकि यात्रा के कारण शहर में कई घंटों तक यातायात बाधित रही। शोभायात्रा को देखने के लिए सड़कों के दोनों किनारे लोग जमा नजर आए। वहीं आयोजन समिति से जुड़े माहुरी पंचायत के सचिव अजीत कुमार गोरे और ओंकार सेठ ने बताया कि शीतला अष्टमी के दिन काफी भव्य कार्यक्रम का आयोजन होता है। इसमें श्रद्धा पूर्वक श्रद्धालुओं की आते है और जुड़ते है। पूजा अर्चना के साथ शोभायात्रा भी निकाली जाती है। इसमें पूरे बरबीघा नगर में भ्रमण किया जाता है।

जिला अधिकारी और एसपी पर गिरी गाज

भोजपुर और नवादा के डीएम-एसपी हटाए गए

आयोग ने चुनावी ड्यूटी से अलग किया

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के मतदान के पहले निर्वाचन आयोग भोजपुर डीएम राजकुमार और एसपी प्रमोद कुमार यादव, साथ ही नवादा डीएम आशुतोष वर्मा और एसपी अम्बरीष राहुल पर एक्शन लिया है। निर्वाचन आयोग ने चारों अधिकारियों को हटा दिया है। साथ ही आम चुनाव पूरा होने तक किसी भी तरह की चुनावी ड्यूटी पर इन्हें नहीं लगाने का निर्देश दिया है। नवादा डीएम आशुतोष वर्मा 2013 बैच के आईएएस हैं। नवादा में 15 जुलाई 2023 से पोस्टेड हैं। महागठबंधन की सरकार में डीएम बने थे। नौ महीने से भी कम वक्त नवादा में रहें।

भोजपुर डीएम राजकुमार 2010 बैच के आईएएस अफसर हैं। 7 मई 2022 से भोजपुर डीएम की कुर्सी पर तैनात हैं। समाज कल्याण विभाग में भी पोस्टेड रहे हैं। मुजफ्फरपुर बालिका कांड के वक्त समाज कल्याण विभाग में तैनात थे।

सूत्रों के मुताबिक आईएएस रचना पाटिल नवादा की डीएम हो सकती हैं। रचना पाटिल फिलहाल सामान्य प्रशासन के स्पेशल सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं। जबकि, भोजपुर डीएम की कुर्सी सुहर्ष भगत को दी जा सकती है। निर्वाचन आयोग की मुहर के बाद नोटिफिकेशन जारी होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com